Daily
देश ने दी श्रद्धांजलि
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 24 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 99 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

जांच के लिए पहलगाम पहुंची एनआईए की टीम, श्रीनगर से लेकर दिल्ली तक चला बैठकों का दौर

आतंकी हमला : 3 संदिग्धों का स्केच जारी

संदिग्धों के नाम हैं- आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा, सुरक्षाबलों ने कई लोगों को हिरासत में लिया

SRINAGAR @ PTI :

बुधवार को सुरक्षा एजेंसियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के पास हुए आतंकी हमले में शामिल होने के संदेह में तीन संदिग्ध आतंकियों के रेखाचित्र (स्केच) जारी किए। इस हमले में 26 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्धों के नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा हैं। उन्होंने बताया कि तीनों आतंकवादियों के कोड नाम भी थे - मूसा, यूनुस और आसिफ और ये तीनों पुंछ में आतंकी घटनाओं में शामिल थे। उन्होंने बताया कि हमले में जीवित बचे लोगों की मदद से रेखाचित्र तैयार किए गए। बता दें कि पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने मंगलवार दोपहर को अंजाम दिए गए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि इस हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है। शुरूआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। इस बीच पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इस हमले में हमारा कोई हाथ नहीं है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) पहलगाम में जांच के लिए पहुंच गई है। हमले में मारे गए नौसेना में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को उनकी पत्नी हिमांशी ने अंतिम विदाई दी। जिस ताबूत में उनका शव रखा था, हिमांशी उससे लिपटकर रोती रहीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शाह बैसरन घाटी पहुंचे। यहां उन्होंने हमले के पीड़ितों से बातचीत की और अधिकारियों से जानकारी ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दो दिन दौरा छोड़ बुधवार सुबह भारत लौट आए।

लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद हमले का मास्टरमाइंड

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ की ढाई घंटे तक बैठक
- एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टरों को श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में उड़ान भरने की मिली अनुमति

पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा बोले- हमले में हमारा कोई हाथ नहीं

चार आतंकियों की तस्वीर वायरल

सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि यह पहलगाम में हमला करने वाले 4 आतंकवादियों की तस्वीर है। हालांकि, अभी सेना या सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से तस्वीर नहीं जारी की गई है सिर्फ संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए गए हैं। इंटेलिजेंस एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि 2 आतंकी पाकिस्तान के थे। 4 आतंकियों की वायरल फोटो में से एक पाकिस्तानी आतंकी बताया जा रहा है। यह द रेजिस्टेंस फ्रंट के एफटी मूसा कैडर का आतंकी है।

वायरल तस्वीर

पाकिस्तान को थैंक यू बोलने वाला बोकारो का युवक गिरफ्तार

BOKARO : पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद बोकारो पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने हमले के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पाकिस्तान को थैंक्यू लिखा था। युवका का नाम मो. नौशाद है। उसके पिता का नाम मो मुश्ताक है। चास थाने की पुलिस ने उसे मिल्लतनगर से अरेस्ट किया है। बोकारो के युवक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- थैंक यू पाकिस्तान, थैंक यू लश्कर-ए-तैय्यबा,अल्लाह ब्लेस यू आलवेज, आमीन, आमीन। वी विल बी मोर हैप्पी इफ आरएसएस, बीजेपी, बजरंग दल एंड द मीडिया आर टारगेटेड।

मोदी सरकार का एक्शन, लिए 5 बड़े फैसले

सिंधु जल समझौते पर रोक पाक नागरिकों का वीजा रद्द

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग (सीसीएस) में 5 बड़े फैसले लिए गए। बैठक ढाई घंटे चली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि सीसीएस की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इसके तहत सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सिंधु जल समझौते को रोक दिया गया है। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा देने पर रोक लगा दी गई है। अटारी-वाघा बॉर्डर को भी बंद कर दिया गया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा व सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया है। उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिक को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है। भारत इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग से अपनी रक्षा, नौसेना, वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। संबंधित उच्चायोगों में ये पद रद्द माने जाते हैं। सेवा सलाहकारों के पांच सहायक कर्मचारियों को भी दोनों उच्चायोगों से वापस बुलाया जाएगा। 1 मई 2025 तक और कटौती के माध्यम से उच्चायोगों की कुल संख्या वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर दी जाएगी।

गृह मंत्री अमित शाह ने हमले वाले स्थान का किया दौरा

गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम के बैसरन मैदान का दौरा किया, जहां पर मंगलवार को आतंकियों ने हमला कर 26 निर्दोष पर्यटकों की जान ली थी। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री हेलीकॉप्टर से आतंकी हमले वाली जगह पर पहुंचे और हिंसा के निशानों से भरी घास के मैदान पर उतरे। पहलगाम में घास के मैदान पर सेना के जवानों के पहुंचने के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स के माध्यम से कहा कि देश आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के साथ बैठक करके जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा की।

नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकी ढेर

बुधवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घुसपैठ की यह कोशिश मंगलवार को दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के 24 घंटे से भी कम समय में की गई है। सेना ने कहा कि उत्तर कश्मीर जिले के उरी नाला में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई।

आतंकियों को देना होगा मुंहतोड़ जवाब : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि सरकार को पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सर्वदलीय बैठक बुलाकर सभी दलों के साथ आतंकवाद की चुनौती से निपटने के बारे में चर्चा करनी चाहिए और उनके सुझाव भी लेने चाहिए। उन्होंने यह भी कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी लोग सरकार के साथ एकजुट होकर खड़े हैं तथा आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। यह हमला

घुटने नहीं टेकेगा भारत : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश आतंकवाद के आगे घुटने नहीं टेकेगा और जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। एक्स पर कहा भारी मन से, पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा।

नए सिरे से सुरक्षाबलों की होगी तैनाती

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अधिकारी कश्मीर घाटी में पर्यटन स्थल के निकटवर्ती पहाड़ों में सेना और अर्धसैनिक बलों की स्थायी तैनाती करके सुरक्षा कमियों को दूर करने की योजना पर काम कर रहे हैं। सुरक्षा प्रतिष्ठान के अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि तीन जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा से पहले सुरक्षा बलों में पुन:तैनाती की भी आवश्यकता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि घने जंगलों से घिरी बैसरन घाटी के घास के मैदानों के आसपास सुरक्षा बलों की कोई तैनाती नहीं है। उन्होंने बताया कि सबसे नजदीक सेना की राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की तीसरी बटालियन की एक यूनिट और सीआरपीएफ की 116वीं बटालियन की एक कंपनी है।

BRIEF NEWS

घूस लेने के आरोप में रोजगार सेवक गिरफ्तार

PALAMU : बुधवार को प्रमंडलीय एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने घूस लेने के आरोप में एक रोजगार सेवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार रोजगार सेवक गढ़वा के रंका के कोरवाडीह पंचायत में तैनात था। गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम ने रोजगार सेवक गुलजार अंसारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दरअसल गढ़वा के रंका के कोरवाडीह के रहने वाले अखिलेश चौधरी ने एसीबी में शिकायत की थी कि उनके नाम पर मनरेगा के तहत डोभा का योजना स्वीकृत है। अखिलेश चौधरी ने कहा कि पंचायत में डोभा निर्माण के भुगतान के लिए मस्टर रोल पर हस्ताक्षर करने के एवज में रोजगार सेवक घूस मांग रहे हैं।

41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा कई जिलों का तापमान, डाल्टनगंज में 44

झारखंड में गर्मी ने रौद्र रूप दिखाना किया शुरू

PHOTON NEWS RANCHI :

अप्रैल का महीना समाप्त होने के पहले झारखंड में अब गर्मी ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य के कई जिलों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। हीट वेव (लू) की स्थिति दिखने लगी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। झारखंड का सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दूसरी ओर, खूंटी में सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया। डाल्टनगंज के अलावा कई जिलों में तापमान 40 डिग्री या उससे ऊपर दर्ज किया गया है। जमशेदपुर में 43 डिग्री, चाईबासा में 43 डिग्री, बोकारो थर्मल में 40.1 डिग्री तापमान रिकार्ड किया गया।

राजधानी रांची का अधिकतम तापमान रहा 39 डिग्री सेल्सियस

26 अप्रैल की शाम से मौसम में फिर देखने को मिल सकता है बदलाव

तीन दिनों तक लू का येलो अलर्ट

रांची में 39 डिग्री, देवघर में 40.3 डिग्री, गढ़वा में 41.7 डिग्री, गोड्डा में 40.4 डिग्री, पलामू में 41.5 डिग्री अधिकतम तापमान रहा। पश्चिमी सिंहभूम में 40.3 डिग्री और बाकी जिलों में तापमान 37 से 39 डिग्री के बीच रहा। बोकारो में 39.8 डिग्री, चतरा में 39 डिग्री, धनबाद का पारा 37 डिग्री, पूर्वी सिंहभूम में 37.9 डिग्री, गुमला में 38.7 डिग्री, हजारीबाग में 39.1 डिग्री, जामताड़ा में 39.5 डिग्री, खूंटी में 38.7 डिग्री, लोहरदगा में 38.7 डिग्री, पाकुड़ में 38.8 डिग्री, सिमडेगा में 39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। मौसम विभाग ने हीट वेव को देखते हुए लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है। आईएमडी ने राज्य में अगले तीन दिनों तक लू चलने की संभावना जताई है और इसके चलते यलो अलर्ट जारी किया गया है।

बोकारो वन भूमि घोटाला : 17 ठिकानों पर रेड, तीन जगह सर्वे

समाप्त हुई ईडी की छापेमारी, 1.30 करोड़ नकद सहित दस्तावेज सीज

PHOTON NEWS TEAM :

मंगलवार को बोकारो वन भूमि घोटाले में एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) की टीम की छापेमारी और सर्वे का काम बुधवार को समाप्त हो गया। छापेमारी के दौरान बिहार के बांका से 1.30 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए। इसके अवाला जमीन में हेराफेरी से संबंधित दस्तावेज भी जब्त हुए। ईडी ने बोकारो घोटाले की जांच के दौरान 17 ठिकानों पर छापा मारा, तीन ठिकानों पर सर्वे किया। छापेमारी के दायरे में राजबीर कंसट्रक्शन, जमीन की खरीद बिक्री करने वालों के साथ-साथ जमीन खरीदने वालों को भी शामिल किया गया। इसके अलावा चास के पूर्व अंचल अधिकारियों और सब-रजिस्ट्रार को भी जांच के दायरे में रखा गया था। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में सर्वे के दौरान ईडी ने बोकारो की जमीन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। इसके अलावा बोकारो डीएफओ और अंचल कार्यालय में सर्वे के दौरान जमीन से जुड़े दस्तावेज और इससे संबंधित पत्र आदि जब्त किए गए। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बोकारो के तेतुलिया मौजा में हुए भूमि घोटाले में मंगलवार को झारखंड व बिहार के 15 ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दायरे में रांची की राजबीर कंस्ट्रक्शन, जमीन की खरीद-बिक्री में शामिल लोगों के अलावा चास के पूर्व अंचल अधिकारियों को शामिल किया गया है।

प. बंगाल के पुरुलिया सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में भी किया गया सर्वे

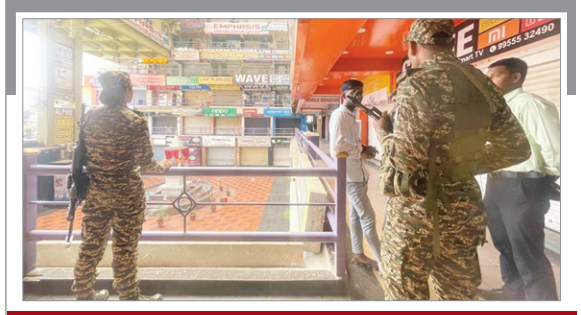

इनके ठिकाने पर जांच एजेंसी ने की छापेमारी

- राजबीर कंस्ट्रक्शन के निदेशक पुनीत अग्रवाल व अन्य।
- शैलेश सिंह, उमायुष मल्टीकॉम के निदेशक
- आयुष कुमार सिंह, शैलेश सिंह का बेटा
- दिवाकर द्विवेदी, पूर्व अंचल अधिकारी चास, वर्तमान डीटीओ धनबाद।
- रामेश्वर प्रसाद सिंह, बोकारो के पूर्व व धनबाद के वर्तमान सब रजिस्ट्रार।
- निर्मल टोप्पो, चास के बर्खास्त अंचल अधिकारी।
- इजहार हुसैन, जमीन बिक्रेता।
- अख्तर हुसैन, जमीन बिक्रेता।

चास के पूर्व अंचल अधिकारी के ठिकानों पर दूसरी बार रेड

ईडी ने चास के पूर्व अंचल अधिकारी दिवाकर द्विवेदी के ठिकानों पर दूसरी बार छापा मारा। इससे पहले कांके अंचल में हुए जमीन घोटाले में इडी ने उसके ठिकानों पर छापा मारा था। कांके जमीन घोटाले की जांच के बाद ईडी द्वारा दिवाकर द्विवेदी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया जा चुका है। द्विवेदी फिलहाल धनबाद जिले में जिला परिवहन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित हैं। ईडी ने रांची में राजबीर कंस्ट्रक्शन के निदेशक पुनित अग्रवाल और उमायुष मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित आयुष सिंह के ठिकानों पर भी छापेमारी की। आयुष सिंह का संबंध शैलेष सिंह से है।

सेहत की चिंता गंभीर बीमारियों को लेकर केंद्र ने सभी राज्यों को चेताया

पशु उत्पादों में प्रतिबंधित एंटीबायोटिक का इस्तेमाल करने पर खैर नहीं

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

खाने-पीने के सिस्टम में गड़बड़ी के कारण सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ता है। बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अच्छी क्वालिटी का संतुलित भोजन आवश्यक है। हम अपने भोजन के लिए जो चीजें बाजार से खरीदते हैं, उनमें मिलावट के कारण क्वालिटी तो खराब होती ही है, उनके इस्तेमाल से कई प्रकार की बीमारियां भी पैदा होती हैं। सामान्य रूप से व्यावसायिक लाभ के लिए पशु उत्पादों में ऐसी दवाओं का भी इस्तेमाल किया जाता है, जो प्रतिबंधित हैं। इस मामले में अब सेहत की चिंता करते हुए केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है और सभी राज्यों को इस संबंध में चेतावनी जारी की है। केंद्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दूध, दही, अंडा और शहद जैसे पशु उत्पादों में प्रतिबंधित एंटीबायोटिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर देश के सभी जिलों में जांच कराने का फैसला लिया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने राज्यों को जारी आदेश में कहा है कि पशु उत्पादों में प्रतिबंधित एंटीबायोटिक दवाओं के इस्तेमाल से गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है।

शिकायतों पर संज्ञान लेने के बाद डीसीसी ने की थी प्रतिबंध लगाने की सिफारिश

इन दवाओं के आयात, निर्माण, बिक्री और वितरण पर लगाया जा चुका है प्रतिबंध

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की ओर से जारी किया गया आदेश
- दूध, दही, शहद व अंडा जैसे उत्पादों में एंटीबायोटिक की सभी जिलों में होगी जांच
- खाद्य प्रोडक्ट में ऐसी दवाओं के इस्तेमाल से स्वास्थ्य को हो सकता है जानलेवा खतरा

दोषियों के खिलाफ दवा, औषधि व प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

जिला औषधि नियंत्रकों को रहना होगा जागरूक

देश के औषधि महानियंत्रक डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने आदेश में कहा है कि कड़ी निगरानी रखने के लिए सभी जिला औषधि नियंत्रकों को जागरूक किया जाए, ताकि किसी भी खाद्य उत्पादक पशु पालन प्रणाली में इसका उपयोग न हो। आदेश में राज्यों से यह भी कहा गया है कि दोषियों के खिलाफ दवा एवं औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

पशु आहार पूरक के रूप में दवाओं का प्रयोग

बाजार में मिल रहे दूध, दही, अंडा व शहद में एंटीबायोटिक क्लोरैम्फेनिकॉल और नाइट्रोफ्यूरान दवाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन शिकायतों पर संज्ञान लेने के बाद औषधि परामर्श समिति (डीसीसी) ने इस पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। इसके चलते पिछले माह ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने किसी भी खाद्य उत्पादक पशु पालन प्रणाली में उपयोग के लिए इन दवाओं के आयात, निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बावजूद इन दावों का इस्तेमाल हो रहा है। स्वास्थ्य ममंत्रालय का मानना है कि इन दवाओं का दुरुपयोग पोल्ट्री और अन्य पशु आहार पूरक के लिए किया जा रहा है। गौरतलब है कि साल 2023 में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने सबसे पहले इस मामले को उजागर किया था।

धनबाद : पूजा टॉकीज के पास सड़क हादसे में एक की मौत, दो हुए घायल

बाराती बस की चपेट में आ गया था नगर निगम का सफाईकर्मी, लोगों ने घंटों किया सड़क जाम

AGENCY DHANBAD : धनबाद के बेकारबांध स्थित पूजा टॉकीज के पास बुधवार की सुबह एक बाराती बस ने एक बाइक को अपने चपेट में ले लिया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, तो वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना से गुस्साए लोगों ने सड़क पर आगजनी का करीब पांच घंटे तक सड़क जाम रखा। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रोज की तरह बुधवार की सुबह धनबाद नगर निगम के सफाई कर्मी अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार बस (जेएच 10 एच 2605) जो एक बारात से लौट रही थी, उसने सफाईकर्मियों की बाइक को अपने चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल कर्मियों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। वहीं, घटना के बाद बस का ड्राइवर और कंडक्टर बस को खड़ी कर मौके से फरार हो गया। बस पर सवार यात्री भी घटना के बाद बस से उतर गए। मृतक की पहचान नगर निगम सफाई कर्मी बजरंगी भुइयां के रूप में हुई है। तो वहीं घायलों का नाम बिक्की भुइयां और फुलवा बताया जा रहा है, सभी निगम के सफाई कर्मी है। इस घटना से गुस्साए लोगों ने नगर निगम कर्मियों के साथ मिलकर सड़क पर आगजनी कर बेकारबांध - सिटी सेंटर मुख्य मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया और सड़क पर ही धरना पर बैठ गए। स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस और जिला प्रशासन के अफसर भी मौके पर पहुंच आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो नहीं माने। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और धनबाद विधायक राज सिन्हा के प्रयास के बाद लोग शांत हुए। इसके बाद मृतक के परिजन को 10 लाख रुपये मुआवजा, नौकरी और पेंशन देने की सहमति के बाद लोगों ने सड़क जाम हटा लिया।

सड़क जाम कर बैठे निगम के कर्मी व अन्य

बस में फंसी बाइक

गड्ढे में गिरी बाइक युवती की मौत

KHUNTI : खूंटी-चाईबासा मार्ग पर मुरहू थाना के चमराटोली गांव के पास बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में शोभा मुंडू नामक 20 वर्षीय युवती की मौत हो गई। वह मुरहू थाना क्षेत्र के चमराटोली की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार शोभा बुधवार को अपने एक रिश्तेदार के साथ अपने गांव चमराटोली से खूंटी की ओर आ रही थी। गांव से खूंटी-चाईबासा सड़क पर आते ही चालक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक एक गड्ढे में गिर गई। इससे शोभा गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि बाइक चालक को मामूली चोट लगी। स्थानीय लोगों की मदद से युवती को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव स्वजनो को सौंप दिया गया।

घटनास्थल पर जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

पलामू में ट्रेन से कटकर महिला ने की खुदकुशी

PALAMU : डालटनगंज रेलवे स्टेशन से सटे आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास बुधवार को एक महिला ने ट्रेन से कट कर खुदकुशी कर ली। चोपन से रांची जा रही रांची- चोपन इंटरसिटी एक्सप्रेस से कटकर महिला की मौत हुई। सूचना मिलने पर रेलवेकर्मी, राजकीय रेल थाना पुलिस और आरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे। शव को रेलवे ट्रैक से हटाया और पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच में भेज दिया है। महिला की पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के दिदरी गांव की रहने वाली 35 वर्षीय शोभा देवी पति संजीव कुमार पांडेय के रूप में हुई है। शोभा पति और बच्चों के साथ हमीदगंज में रह रही थी। पति टेम्पो चलाते हैं। घटना बुधवार की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक महिला आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास खड़ी थी। इसी बीच चोपन से रांची जा रही ट्रेन को देखकर वह तेजी से पटरी की तरफ गई और सो गई। स्पीड में रहने के कारण ट्रेन महिला के ऊपर से गुजरते हुए स्टेशन पहुंच गई, जिससे महिला का शरीर दो हिस्सों में बंट कर क्षत विक्षत हो गया। चालक ने स्टेशन में घटना की जानकारी दी। उसके बाद राजकीय रेल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। महिला के शव की पहचान कई घंटे बाद हुई। शोभा देवी शादी में शामिल होने के लिए दिदरी गांव गयी थी। वहां से मंगलवार को अपने तीन बच्चों के साथ हमीदगंज लौट गयी थी। पति दिदरी में ही थे।

BRIEF NEWS

पूर्व वार्ड पार्षद सरोज भेंगरा का निधन

KHUNTI : खूंटी नगर पंचायत की पूर्व वार्ड पार्षद सरोज भेंगरा का बुधवार को उनके कदमा अमृतपुर स्थित आवास पर हो गया। 54 वर्षीया सरोज ने वार्ड नंबर 16 से नगर पंचायत का चुनाव जीता था। वे पिछले कई दिनों से बीमार थी। कुछ दिन पहले ही वह पारस अस्पताल से अपना इलाज कराकर घर आई थी। सरोज के निधन सुनकर पूर्व वार्ड पार्षद अपर्णा हंस सहित कई लोग उनके आवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। अपर्णा हंस ने कहा कि सरोज भेंगरा बहुत ही मिलनसार और हंसमुख स्वभाव की थी। उन्होंने कहा कि हमने एक अच्छा जनप्रतिनिधि खो दिया है।

जीएम लैंड में बने 25 घर अतिक्रमण की जद में

PALAMU : मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के पहाड़ी इलाके में चनवारी के पास प्लॉट नंबर 886 में सरकारी जमीन पर 20 से 25 मकान अवैध रूप से बनाए गए हैं। नगर निगम की टीम ने मापी कर इन मकानों को बुधवार को चिन्हित किया। मकानों में रहने वालों को नोटिस देकर खुद से मकान हटाने का निर्देश दिया जाएगा। इसके बाद भी मकान नहीं हटने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। मकान को चिन्हित करने के लिए मेदिनीनगर सदर अंचल के सर्किल इंस्पेक्टर पॉलीकार्प तिर्की के नेतृत्व में नोडल पदाधिकारी दिलीप कुमार, निगम के सरकारी अमीन विकास कुमार और जमादार शेरान खान ने दोपहर 12 बजे से लेकर 3 तक सभी मकानों की मापी की। टीम की ओर से बताया गया कि 20 से 25 घरों को चिन्हित किया गया है और लाल दाग लगा दिये गये हैं। ऐसे सभी मकानों में रहने वाले लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया जाएगा। नोटिस के बाद अगर लोग खुद से मकान नहीं हटाते हैं तो अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर मकानों को तोड़ा जाएगा। नगर निगम की इस कार्रवाई से सरकारी भूमि पर मकान बनाकर रहने वाले लोगों में काफी मायूसी देखी जा रही है। वे परेशान हो गए हैं।

चुनुडीह गांव में घुसा हाथी, तोड़ा घर

GHATSILA : थाना क्षेत्र के चुनुडीह गांव में बुधवार को हाथी घुस जाने से हड़कंप मच गया। हालांकि जंगल से निकल कर हाथी गांव के बीचों-बीच से निकल गया। इससे किसी तरह की बड़ी क्षति नहीं हुई, लेकिन हाथी ने भैरव मुर्मू नामक ग्रामीण का घर तोड़ दिया है। गांव में हाथी घुसने की सूचना मिलते ही वन विभाग के मनपाल अमित सेन महतो गांव पहुंचकर घर का मुआयना किया। वनपाल ने बताया कि विभाग द्वारा भैरव मुर्मू को उचित मुआवजा दिया जाएगा। भैरव मुर्मू ने वन विभाग को घर टूटने से हुई क्षति का आवेदन वन विभाग को दिया है। ज्ञात हो कि पहली बार शहरी क्षेत्र में हाथी के घुसने से गांव के लोग सहमे हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक हाथी जंगल की ओर निकल गया था। लोगों का अनुमान है कि झुंड से बिछड़ कर हाथी जंगल से शहर की ओर आया है।

छात्राओं को बांटे गए रियूजेबल सैनिटरी पैड

CHAIBASA : झारखंड के पैडमैन सह सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन की ओर से बुधवार को सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य नीमडीह में छात्राओं व महिलाओं में रियूजेबल सैनिटरी पैड का वितरण किया गया। इस पैड का इस्तेमाल अच्छी तरह धोकर और सुखाकर लगभग दो साल तक किया जा सकता है। रियूजेबल पैड का इस्तेमाल कर पैड के निस्तारण से जुड़ी समस्याओं से निपटा जा सकता है। वहीं इससे हर महीने महंगा पैड खरीदने से भी निजात मिल सकेगी। संस्था के संस्थापक तरुण कुमार ने किशोरियों से अपील की कि जिन्हें पैड दिया गया, वे बरसात आते ही एक पैड-एक पेड़ की तर्ज पर एक पेड़ लगाएं। इस मौके पर प्रधान शिक्षक कृष्णा देवगम समेत सुशील कुमार सरदार, गंगाराम लागुरी, कुंती बोदरा, कल्पना गोराई, एलिस बेक, विकास कुमार, सुकांति गोप, सामुएल जामुदा आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं व फूलमती देवगम, मनीषा लोहार, जानो बारी, नानो मुंदुईया, अलका तांती, शबनम तांती, मीनाक्षी खंडाईत, सुमित्रा बारी, सरस्वती कालुंडिया, सरिता पुरती आदि किशोरियां उपस्थित थीं।

युवती से किया दुष्कर्म, वीडियो कर दिया वायरल, आरोपी फरार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में 19 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार, आरोपी रिश्ते में मामा लगने वाला ध्रुव ऋतुल सिंकू है, जिसने पहले शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और फिर घटना का अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पीड़िता ने चाईबासा के मुफस्सिल थाना में दर्ज शिकायत में बताया कि वर्ष 2022 में ध्रुव ऋतुल सिंकू ने उसे हरिगुटू बुलाकर जबरन अपने कब्जे में लिया और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के दौरान आरोपी ने मोबाइल फोन से उसका अश्लील वीडियो बनाया और उसे

दिखाकर धमकी दी कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो वीडियो को वायरल कर देगा। इसके बाद से आरोपी युवती को लगातार ब्लैकमेल करता रहा। पीड़िता ने बताया कि दिसंबर 2024 में उसने देखा कि उसका अश्लील वीडियो वाट्सएप पर वायरल हो गया है। जब उसने इस पर आरोपी से सवाल किया, तो उसने धमकाते हुए कहा कि जो करना है, कर ले, पुलिस मेरी जेब में है। पीड़िता का आरोप है कि ध्रुव ऋतुल सिंकू एक रसूखदार परिवार से आता है।

पहलगाम की आतंकी घटना पर दिखा उबाल

JAMSHEDPUR : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को दिल दहलाने वाले आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बुधवार को जमशेदपुर महानगर के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने साकची स्थित जिला कार्यालय से जुबिली पार्क गोलचक्कर तक हाथों में आतंकवाद का पुतला लेकर पैदल मार्च निकाला। इस दौरान 'आतंकवाद मुर्दाबाद' और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। जुबिली पार्क गोलचक्कर पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया।

बरसात से पहले झारखंड हो जाएगा नक्सल मुक्त : डीजीपी अनुराग गुप्ता

PHOTON NEWS GOMIA : बोकारो जिले के ललपनिया-गोमिया स्थित लुगू पहाड़ की तलहटी पर बसे चोरगांवा के सोसो टोला के पास 21 अप्रैल को नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन डाकाबेड़ा में मिली सफलता के बाद बुधवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता ललपनिया पहुंचे। उन्होंने ललपनिया स्थित टीटीपीएस के श्यामली अतिथि भवन में ऑपरेशन में शामिल सभी जवानों को सम्मानित किया। डीजीपी ने कहा कि ऑपरेशन में मारा गया विवेक नक्सलियों का बड़ा लीडर था। उसके मारे जाने से पूरा इलाका शांत हो गया है। उन्होंने कहा कि बरसात शुरू होने से पहले पूरे झारखंड को नक्सल मुक्त किया जाएगा। उन्होंने इस अभियान में मिली कामयाबी का श्रेय कोबरा बटालियन को दिया। कहा कि इनके नेतृत्व में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इसमें शीर्ष नक्सलियों को मार गिराया गया जो राज्य की पुलिस की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि यहां से अब सारी फोर्सेस को सारंडा भेजा जाएगा।

जवानों को सम्मानित करते डीजीपी ● फोटोन न्यूज

इन जांबाज जवानों को डीजीपी ने किया सम्मानित

ऑपरेशन डाकाबेड़ा में पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी पर जिला पुलिस, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन के जवानों की खूब प्रशंसा की और उनके नेतृत्व कताओं को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। इनमें 209 कोबरा बटालियन के उप कमांडेंट अंजनी कुमार, बाला मुरुगन, विक्रमाजीत, जिला पुलिस के जितेंद्र कुमार, मंटू कुमार, झारखंड जगुआर इंस्पेक्टर जोन मुर्मू, सीआरपीएफ के संजीव कुमार और सरोज कुमार शामिल है। मौके पर एडीजी-ऑपरेशन संजय आनंद लाटकर, आईजी ऑपरेशन सीआरपीएफ साकेत कुमार सिंह, आईजी अनूप बिरथरे, बोकारो आईजी माइकल राज एस, डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा, कोबरा बटालियन के कमांडेंट दीपक भाटी, एसपी मनोज स्वर्गियारी, एसडीओपी बीएन सिंह सहित गोमिया, ललपनिया, महुआटांड़, पेटरवार, जगेश्वर बिहार, चतरोचट्टी थाना प्रभारी व जवान थे।

कृषक मित्रों ने किया धरना-प्रदर्शन

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के कृषक मित्र अपनी मांगों को लेकर बुधवार को कृषि विभाग कार्यालय का घेराव किया। घेराव कार्यक्रम बड़ी संख्या में कृषक मित्र शामिल हुए। सभी ने एकजुटता दिखाते हुए एक साल से बकाया प्रोत्साहन राशि देने और हर महीने मानदेय भुगतान की मांग की। घेराव कार्यक्रम का नेतृत्व और अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रंजन कुमार दुबे ने किया। संचालन तनवीर आलम ने किया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि सारे कृषक मित्र ग्राउंड जीरो पर जाकर कृषि और किसानों के हित में काम करते हैं, लेकिन उन्हें प्रोत्साहन राशि से भी वंचित किया जा रहा है। एक साल से प्रोत्साहन राशि नहीं दी जा रही है। उनके ऊपर काम करने वाले कर्मियों को अच्छी खासी सैलरी मिलती है। वे एयर कंडीशन में बैठकर काम करते हैं लेकिन कृषक मित्र जो गांव-गांव जाकर काम करते हैं उन्हें सिर्फ छला जा रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषक मित्रों को भी मानदेय देना होगा। उन्होंने कहा कि मिट्टी जांच, खाद, बीज, वितरण विधि से खेती करने, कृषक पाठशाला संचालन करने, किसान क्रेडिट कार्ड वितरण करवाने, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई, प्रधानमंत्री सम्मान निधि, बंजर भूमि को उपजाउ बनाने, कृषि समृद्धि, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सब्जी की खेती किसानों को प्रशिक्षण दिलवाने सहित अन्य कार्य कृषक मित्रों से कराए जाते हैं। इसके बदले में सरकार की ओर से सिर्फ 1000 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। वह भी एक वर्ष से नहीं मिली है। इसकी सारी जवाबदेही जिला कृषि पदाधिकारी की है, क्योंकि सरकार के साथ-साथ विभाग भी कृषक मित्रों के साथ छल कर रहा है। जिला उपाध्यक्ष कृष्णा बैठा ने कहा कि अगर कृषि विभाग कृषक मित्रों को 15 दिन के अंदर प्रोत्साहन राशि भुगतान नहीं करता है तो हम सभी लोग जून के महीने में इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे।

कृषि विभाग कार्यालय के समक्ष नारेबाजी करते कृषक मित्र ● फोटोन न्यूज

महिला ने फंदे पर लटककर की खुदकुशी

KHUNTI : तपकारा थाना क्षेत्र के बाजार टांड निवासी बादल महतो की 22 वर्षीय पत्नी ने मंगलवार की देर रात अपने घर में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। तपकारा थाना की पुलिस को बुधवार सुबह घटना की जानकारी मिली, तो उसने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेंज दिया। मिली जानकारी के अनुसार पूजा कुमारी घर के पास ही एक शादी समारोह में गई थी और वहां से खाना खाकर घर लौटी थी। सुबह लोगों को जानकारी मिली की पूजा ने खुदकुशी कर ली। इस मामले को लेकर गांव के लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। लोगों का कहना है कि पूजा का पति बादल महतो आपराधिक छवि का व्यक्ति है और जेल भी जा चुका है। बताया जाता है कि लगभग डेढ़ साल पहले पूजा की शादी बादल महतो के साथ हुई थी।इस संबंध में तपकारा के थाना प्रभारी नितेश गुप्ता ने बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। हालांकि प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत होता है।

जिला उद्योग केंद्र में 50 लोगों ने कराया निःशुल्क रजिस्ट्रेशन

शिविर में रजिस्ट्रेशन का प्रमाणपत्र देते पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : जिला उद्योग केंद्र, हजारीबाग द्वारा बुधवार को जिला उद्योग केंद्र में उद्यम रजिस्ट्रेशन कम-जागरूकता शिविर लगाया गया। इस कार्यक्रम में कुल 50 लोगों का निशुल्क ऑन द स्पॉट उद्यम रजिस्ट्रेशन किया गया और 50 लोगों को उद्यम रजिस्ट्रेशन के लिए दस्तावेज लिए गए। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के पंजीकरण को बढ़ावा देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शंभू शरण बैठा, जिला अग्रणी प्रबंधक राकेश आजाद, ईओडीबी मैनेजर श्याम कुमार गुप्ता, चैंबर ऑफ कॉमर्स हजारीबाग के अध्यक्ष शंभूनाथ अग्रवाल एवं प्रतिनिधि तारिक राजा, आरसेटी के साथ-साथ विभिन्न जगहों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर श्याम कुमार गुप्ता जिला उद्योग केंद्र द्वारा क्रियान्वित योजनाओं और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली पहल पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उद्यम रजिस्ट्रेशन, पीएमईजीपी, पीएम-एफएमई और माइक्रो इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट जैसी योजनाएं छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

योजनाओं से संबंधित साक्ष्य मिटाने के लिए अलपीटो पंचायत में चोरी की घटना को दिया गया था अंजाम

23 लाख गबन मामले में मुखिया सहित चार पर एफआईआर

PHOTON NEWS HAZARIBAG : विष्णुगढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने मुखिया सहित चार लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है। ग्राम पंचायत अलपीटो विष्णुगढ़ प्रखंड में 15वीं वित्त योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की गई थीं। एमआईएस रिपोर्ट के आधार पर क्रियान्वित की गई सभी 16 योजनाओं यथा पेवर्स ब्लॉक पथ निर्माण, पुलिया निर्माण, श्मशान घाट निर्माण, चापाकल मरम्मत, जल नल कनेक्शन आदि में विभागीय दिशा-निदेर्शों की अवहेलना करते हुए 23 लाख 80 हजार रुपये का अवैध रूप से भुगतान कर गबन करने का मामला संज्ञान में आने पर के द्वारा जांच क्रम में इस कार्य में संलग्न अलपीटो मुखिया सुमिता देवी, मुखिया पति धनेश्वर यादव नारायण यादव मुखिया का संबधी तथा तत्कालीन पंचायत सचिव सरयू पासवान की संलिप्तता पाई गई है।

उक्त सभी योजनाओं का भुगतान अलग-अलग लाभुक समिति के नाम से होना था। प्रखंड विकास पदाधिकारी, विष्णुगढ़ ने इस पर कार्रवाई करते हुए अवैधकताओं द्वारा सरकारी राशि का गबन एवं दुरुपयोग, वित्तीय अनियमित तथा सरकारी नियम परिनियम की अवहेलना,पद का दुरुपयोग करना, साक्ष्य मिटाना एवं अन्य अनियमितताओं के संदर्भ में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत विष्णुगढ़ थाना में अभियुक्तों पर प्राथमिकी की दर्ज कराई है।

इन योजनाओ का अभिलेख एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज से संबंधित साक्ष्य मिटाने के लिए अलपीटो पंचायत में चोरी की घटना घटी, जो जांच का विषय है। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज किया गया है।

प्रतीकात्मक तस्वीर

इन योजनाओं के भुगतान में हुई गड़बड़ी

बीडीओ का कहना कि योजना के तहत कराए गए निर्माण कार्यों का भुगतान अलग-अलग लाभुक समिति के नाम होना चाहिए था। ऐसी 16 योजनाओं को चिह्नित किया गया। इसका भुगतान मार्गनिर्देशिका के विपरीत किया गया है। इसमें हेठली बोदरा में रामदेव यादव के घर से बालेश्वर यादव के घर तक पेवर्स ब्लॉक पथ -60 हजार, हेठली बोदरा में पीसीसी पथ से प्रसादी यादव के घर तक पेवर्स ब्लॉक पथ एक लाख 90 हजार, चौथा में महावीर यादव के घर से छोटे यादव के घर तक पेवर्स ब्लॉक पथ-एक लाख 90 हजार, गुंडरो में मनोज ठाकुर के घर से प्रकाश ठाकुर के घर तक पेवर्स ब्लॉक पथ-एक लाख 90 हजार रुपए, गुंडरो में पारटांड मंदिर से डेगलाल सिंह के घर तक पेवर्स ब्लॉक पथ-एक लाख 2 हजार रुपए, गुंडरो में मनोज सिंह के घर से महेंद्र सिंह के घर तक पेवर्स ब्लॉक पथ-एक लाख, अलपीटो में छतरटांड मंदिर से देवकी यादव के घर तक पेवर्स ब्लॉक पथ एक लाख, हेठली बोदरा के मुकेश यादव के घर से पास पुलिया निर्माण -90 हजार, चौथा में बाराघाट में श्मशान घाट निर्माण, 50 हजार रुपये, अलकोपी में चापाकल मरम्मत एक लाख 90 हजार रुपये, उपरैली बोदरा में जल-नल कनेक्शन एक लाख 90 हजार, चौथा में 20 घरों में जल नल पाइप कनेक्शन एक लाख 90 हजार, अलपीटो के पंडित टोला में 10 घरों में जल-नल कनेक्शन- एक लाख 90 हजार, हेठलीबोदरा के पाठक टोला में जल-नल कनेक्शन एक लाख 50 हजार अलपीटो में घटाटांड़ में जल-नल पाइप कनेक्शन, एक लाख 90 हजार, हेठली बोदरा में सिंह टोला में जलनल पाइप कनेक्शन एक लाख 90 हजार रुपये का भुगतान किया गया है।

घाटशिला कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. एमडीपी सिंह का निधन

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज के पूर्व प्रभारी प्राचार्य प्रो. एमडीपी सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्हें हृदय और पेट से संबंधित समस्याएं थीं। दो दिन पहले ही उन्हें स्टंट लगा था और हॉस्पिटल से घर आए थे। रात 12.30 बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। तत्काल उन्हें ब्रह्मानंद अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्हें फौरन घाटशिला अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्री व एक नतिनी छोड़ गए हैं। उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव जमुई (बिहार) ले जाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

SHARE

सेंसेक्स	:	80,116.49
निफ्टी	:	24,282.35

SARAFA

सोना	:	9,190
चांदी	:	111.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

समाजसेवी मोहम्मद शाहिद अयूबी ने की आतंकी हमले की निंदा

RANCHI : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की समाजसेवी शाहिद अयूबी ने निंदा की है. उन्होंने इसे इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना बताते हुए सरकार से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा, हम इस दुख की घड़ी में पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं और एक शांतिपूर्ण तथा आतंक मुक्त राष्ट्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। यह जघन्य कृत्य न केवल मानवता पर एक काला धब्बा है, बल्कि इस्लाम के सिद्धांतों का भी स्पष्ट उल्लंघन है, जो शांति, करुणा और जीवन की पवित्रता का प्रतीक है।

मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक अग्रसेन भवन में आज

RANCHI : झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के अभिभावक, वरिष्ठ सदस्य और जिला अध्यक्ष तथा जिलामंत्री की बैठक 24 अप्रैल को होगी। बैठक अपर बाजार स्थित अग्रसेन भवन में आहुत की गई है। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार और महामंत्री विनोद कुमार जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसमें मुख्य रूप से आगामी 27 अप्रैल को होने वाले झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष के चुनाव के लिए धनबाद जिले में होने वाले पुनर्मतदान से संबंधित विस्तृत चर्चा और चुनाव को लेकर राज्य में व्याप्त असंतोष को कैसे समाप्त किया जाए इसपर चर्चा होगी। उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि वे समय निकालकर इस बैठक में अपना मार्गदर्शन और बहुमूल्य सुझाव दें।

भव्य नगर कीर्तन कल, 26-27 को सजेगा विशेष दीवान

RANCHI : बैसाखी के उपलक्ष्य में गुरुनानक सेवक जत्थे के तीन दिवसीय समागम के पहले दिन 25 अप्रैल को नगर कीर्तन निकाला जाएगा। गुरुनानक सेवक जत्थे के सदस्यों की ओर से आयोजन को लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। 26 और 27 अप्रैल को होने वाले नौवें कीर्तन दरबार के लिए गुरुनानक सेवक जत्थे के सदस्यों ने वाहेगुरु का जाप करते हुए गुरुद्वारा के अंदर और बाहर के हिस्से की साफ-सफाई की। जत्थे के पीयूष मिढ़ा और करण अरोड़ा ने बुधवार को बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन 25 अप्रैल को सुबह पौने पांच बजे भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वाणिज्य कर विभाग में की प्रेसवार्ता, कहा-

राजस्व संग्रहण में आया सुधार, 2024-25 में 92,189.10 करोड़ रुपये की हुई वसूली

- राज्य के राजस्व संग्रहण को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण बातें रखी
- सभी विभागों को निर्देश, प्रत्येक 3 माह में करें राजस्व संग्रहण की समीक्षा
- पहलगाम की घटना पर एक मिनट का मौन रख कर मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि
- वित्त मंत्री करेंगे प्रत्येक 6 माह पर विभागों की समीक्षा

वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 26 हजार करोड़ के विरुद्ध 22292.25 करोड़ का किया राजस्व संग्रहण

PHOTON NEWS RANCHI : वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य में बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के चलते राजस्व संग्रहण प्रभावित हुआ, फिर भी प्रयास संतोषजनक रहे हैं। मंत्री ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 1,06,999.57 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 92,189.10 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो कि 86.16% है। वहीं, गैर-कर प्राप्तियों सहित कुल 1,03,469.82 करोड़ रुपये यानी बजट एस्टीमेट का 80.27% प्राप्त हुए हैं। वह बुधवार को सूचना भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे । वित्त मंत्री के साथ वाणिज्य विभाग के सचिव अमिताभ कौशल और वाणिज्य कर आयुक्त अमीत कुमार भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में जानकारी देते वित्त-सह-वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ● फोटोन न्यूज

आर्थिक ढांचे को करेंगे मजबूत

वित्त मंत्री ने कहा कि माइयां सम्मान योजना की राशि सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई है। वहीं, राजस्व व्यय की जानकारी देते हुए बताया गया कि 1,31,234.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिनमें से 1,18,279.69 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वित्त मंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य के आर्थिक ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश होगी की हमारी सरकार का वित्तीय प्रबंधन पारदर्शी हो।

अधिनियम के तहत हर तीन महीने पर समीक्षा

वित्त मंत्री ने कहा कि FRBM अधिनियम के तहत वर्ष 2025-26 में सभी विभागों को तीन महीने में एक बार राजस्व संग्रहण की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। वे स्वयं छह महीने में एक बार इसकी समीक्षा करेंगे। राज्य के सभी प्रमंडलों का दौरा कर अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे, वहीं जो प्रमंडल पीछे होंगे उन्हें विशेष निर्देश और सहायता दी जाएगी। पीएल अकाउंट में राशि का विवरण सभी विभागों से मंगवाया गया है। इस अकाउंट में राशि जो 2010 से पार्क की गई है वह गलत है। इसपर हम पूरी संवेदनशीलता के साथ समीक्षा कर रहे हैं।

लक्ष्य का 86 परसेंट राजस्व संग्रहण

राधाकृष्ण किशोर ने कहा की झारखंड सरकार के वाणिज्य कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 26 हजार करोड़ रुपये के विरुद्ध 22292.25 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण प्राप्त कर लिए है जो वार्षिक लक्ष्य का 85.74 फीसदी राजस्व संग्रहण है। जबकि वित्तीय वर्ष 2019-20 में 14286.27 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई थी। इस प्रकार विगत 5 वर्षों में प्राप्त राजस्व संग्रह में कुल 56.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व संग्रह 26,500 करोड़ रुपया का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ बीजेपी ने निकाला मशाल जुलूस

मशाल जुलूस में शामिल भाजपा के नेता व कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले में 26 पर्यटकों और दो स्थानीय नागरिकों की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस जघन्य वारदात के विरोध में भारतीय जनता पार्टी, बफार्नी ग्रुप, राष्ट्रीय युवा शक्ति तथा कई सामाजिक संगठनों ने बुधवार को रांची में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही विरोध में मशाल जुलूस निकाला।

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से शुरू हुआ यह मशाल जुलूस कचहरी चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पर समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों के हाथों में जलती हुई मशालें थीं और देशद्रोहियों के खिलाफ नारे गूंज रहे थे। पूरे माहौल में गुस्सा और आक्रोश साफ झलक रहा था।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक एवं कठोर कार्रवाई की मांग की। इस विरोध कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल और राज्य मंत्री संजय सेठ समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए। नेताओं ने कहा कि यह हमला केवल मासूम नागरिकों पर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा पर हमला है और ऐसी घटनाएं अब देश किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा। कार्यकताओं ने कहा कि अब समय आ गया है, जब देश के भीतर और बाहर मौजूद आतंकी ताकतों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने पूरे देश को आक्रोशित और एकजुट कर दिया है।

सितंबर के दूसरे सप्ताह तक कर दिया जाएगा सहायक आचार्य के अंतिम रिजल्ट का प्रकाशन

जेएसएससी ने हाई कोर्ट में प्रस्तुत की समय सीमा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने सहायक आचार्य रिजल्ट के प्रकाशन के संबंध में शपथ पत्र के माध्यम से एक टाइम लाइन झारखंड हाई कोर्ट को प्रस्तुत की। इसमें सितंबर माह के द्वितीय सप्ताह में सहायक आचार्य के अंतिम रिजल्ट का प्रकाशन कर दिया जाएगा। जेएसएससी की ओर से बताया गया है कि सहायक आचार्य के ग्रेजुएट लेवल ट्रेंड टीचर (कक्षा 6 से 8) के मैथ एवं साइंस टीचर के लिए जुलाई के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। वहीं सोशल साइंस के टीचर के लिए जुलाई के तृतीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा

और लैंग्वेज टीचर के लिए अगस्त के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा। इंटरमीडिएट ट्रेंड टीचर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षकों के लिए सितंबर के द्वितीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। जेएसएससी के इस टाइमलाइन को स्वीकार कर लिया गया। जेएसएससी की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पैरवी की। झारखंड के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर 26,001 सहायक आचार्य की नियुक्ति होनी है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर हाई कोर्ट नाराज

RANCHI : झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर हाई कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। साथ ही गृह सचिव को उपस्थित होने का आदेश दिया है। जेल मैनुअल में सुधार और जेल में कैदियों की स्थिति से संबंधित कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में बुधवार को हुई। मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के आलोक में अब तक झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर खंडपीठ ने कड़ी नाराजी जताई। कोर्ट ने मामले में गृह सचिव को 28 अप्रैल को कोर्ट में हाजिर होने को कहा है।

चौकीदार नियुक्ति परीक्षा 27 को, रहेगी निषेधाज्ञा

PHOTON NEWS RANCHI : चौकीदार नियुक्ति परीक्षा 27 अप्रैल को होगी। यह परीक्षा राजधानी रांची के विभिन्न 15 परीक्षा केंद्रों पर ली जाएगी। परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 9.30 बजे से 11 बजे तक होगी। परीक्षा केन्द्रों पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने और विधि-व्यवस्था को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी ने पुलिस बल तथा पुलिस अधिकारियों के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की है। इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को कहा गया है कि परीक्षा में शामिल होनेवाले अभ्यर्थी, उनके अभिभावक या असामाजिक तत्व परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ लगाकर विधि व्यवस्था भंग करने की कोशिश कर सकते हैं। इस आशंका को देखते हुए एसडीओ की ओर से 27 अप्रैल की सुबह 6.30 बजे से दोपहर दो बजे तक परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लगा दी जाएगी। इसके तहत पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एक जगह पर जमा होने पर रोक रहेगी। किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र के इस्तेमाल पर रोक रहेगी, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र लेकर चलने, किसी प्रकार का हरवे हथियार लेकर चलने तथा किसी प्रकार की बैठक या आमसभा के आयोजन पर भी रोक रहेगी।

इन परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा

अनिता गर्ल्स हाई स्कूल, कांके, कार्मेल गर्ल्स हाई स्कूल, सामलोंग, नामकुम, गोस्सनर हाई स्कूल, मेन रोड, जीईएल चर्च कम्पलेक्स के पीछे, गर्वमेंट प्लस टू हाई स्कूल, कांके सिमरटोली, नियर सीआईपी, कांके, गर्वमेंट गर्ल्स प्लस टू हाई स्कूल, बरियातु, मारवाड़ी प्लूस टू हाई स्कूल, मारवाड़ी प्लस 2 हाई स्कूल, संत अलोइस इंटरमिडिएट कॉलेज, डॉ कामिल बुल्के पथ, पुरुलिया रोड, संत अलोइस हाई स्कूल, डॉ कामिल बुल्के पथ, पुरुलिया रोड, संत अन्ना गर्ल्स हाईस्कूल, संत अन्ना इंटरमिडिएट कॉलेज, संत जॉन हाई स्कूल, कर्बला टैंक रोड, संत जोसेफ हाई स्कूल, कांके, उसुर्लाईन कान्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल, डॉ कामिल बुल्के पथ, उसुर्लाईन इंटर कॉलेज, पुरुलिया रोड शामिल है।

कांग्रेस नेताओं ने की संगठन सृजन-2025 पर चर्चा

PHOTON NEWS RANCHI : बेड़ो में मांडर विधानसभा कांग्रेस कमेटी की बैठक बुधवार को बिशू भगत इंटर कॉलेज में हुई। बैठक में संगठन सृजन-2025 एवं संविधान बचाओ कार्यक्रम पर चर्चा की। इसमें झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की तथा पूर्व मंत्री बंधु तिर्की विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट के मौन के साथ की गई। बैठक में संगठन सृजन-2025 अभियान के तहत पार्टी संगठन को

जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा आगामी चुनावों के लिए रणनीति तय करने पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा,राज्यभर में कांग्रेस पार्टी को एक नई ऊर्जा के साथ खड़ा करना है। पार्टी की विचारधारा को हर व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करें और संगठन को मजबूत बनाएं। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सभी मोर्चा अध्यक्षों से जल्द से जल्द अपनी-अपनी कमेटियों का पुनर्गठन करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में प्रो. करमा उरांव, उप प्रमुख मुदस्सिर हक, मजकुर आलम सिद्दीकी, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

साई मंदिर लापुंग का धूमधाम से मनाया गया 32वां स्थापना दिवस

PHOTON NEWS RANCHI : बेड़ो के लापुंग स्थित प्रसिद्ध साई मंदिर में बुधवार को 32वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दिनभर विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 5:15 बजे बाबा की ककड़ आरती से हुई। इसके बाद सुबह 10 बजे क्षेत्र की 251 महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश यात्रा निकाली, जो मंदिर परिसर से आरंभ होकर लापुंग बाजार होते हुए पुनः मंदिर

पहुंची। कलश यात्रा के बाद 11 बजे साई बाबा का अभिषेक किया गया और दोपहर 12:00 बजे मध्यान्ह आरती सम्पन्न हुई। दोपहर 1:00 बजे पंच देवता पूजन, नवग्रह पूजन एवं जग का शुभारंभ पंडित राजकुमार पाठक एवं विकास पाठक के नेतृत्व में पांच विद्वान पंडितों द्वारा किया गया।

गांधीनगर अस्पताल सीसीएल में 26 को लगेगा चिकित्सा शिविर

RANCHI : सीसीएल के केंद्रीय अस्पताल, गांधीनगर, कांके रोड में 26 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से निशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सा शिविर लगेगा। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जांच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। सीएमडी, सीसीएल नीलेंदु कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है।

आतंकी हमले की सीएम व बाबूलाल सहित अन्य नेताओं ने की निंदा

PHOTON NEWS RANCHI : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद झारखंड में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित अन्य नेताओं ने हमले की कड़ी निंदा की है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ कायराना आतंकी हमला झकझोर देने वाला है। मरांग बुरु दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और शोकाकुल परिवारों को यह दुख सहने की शक्ति दें। घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना एक अत्यंत निंदनीय कृत्य है और केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। ऐसे हमलों को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जायेगा। आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि यह हमला बेहद कायरतापूर्ण, निंदनीय और हृदयविदारक है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मासूम पर्यटकों को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी ने हर किसी को झकझोर दिया है। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द स्वस्थ हो।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी आतंकी हमले को लेकर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस हमले को निहत्थे पर्यटकों और आम नागरिकों पर किया गया कायरतापूर्ण हमला करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकवादी हमला अत्यंत दुःखद है। यह निर्दोष पर्यटकों और नागरिकों पर कायरतापूर्ण हमला है। सभी प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं।

पांच से 18 आयुवर्ग के बच्चों के लिए बैक टू स्कूल अभियान की हुई शुरुआत

बच्चों के लिए गुणात्मक शिक्षा पर ध्यान दें शिक्षक : उपायुक्त

PHOTON NEWS RANCHI : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में पांच से 18 वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चों को विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति, नामांकन, ठहराव, उच्च कक्षाओं में परिवर्तन के लिए स्कूल रूआर (बैक टू स्कूल कैंपेन) कार्यक्रम का शुभारम्भ बुधवार को किया।

इस मौके पर उपायुक्त ने ने कहा कि जिला में बेहतर और गुणात्मक शिक्षा के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहें है। इसके लिए शिक्षक और जन प्रतिनिधि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ताकि शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन विद्यालय में

बैक टू स्कूल कैंपेन में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री व अन्य ● फोटोन न्यूज

कराया जा सकें।

उन्होंने अधिकारियों से अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए बच्चों को गुणात्मक शिक्षा पर विशेष जोर देने का निर्देश दिया। ताकि, बच्चों का भविष्य उज्जवल बने। उन्होंने कहा कि झारखंड में स्कूल रूआर कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को वापस स्कूल लाना है जो किसी कारणवश शिक्षा से वंचित रह गए हैं या जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया है। रूआर का अर्थ है फिर से लौटना। इसलिए, यह कार्यक्रम बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में फिर से जोड़ने पर केंद्रित है।

नैतिक जिम्मेदारी का करें निर्वाहन

उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए बच्चों को बेहतर एवं गुणात्मक शिक्षा दें। सभी शिक्षक सामाजिक दायित्व समाज सेवा की भावना से बच्चों को बेहतर तरीके से पढ़ाएं। जिला स्तर से शिक्षकों की ओर से पढ़ाई का मूल्यांकन प्रतिवर्ष कराया जाएगा। इंप्रूवमेंट नहीं होने पर संबंधित विद्यालय के शिक्षकों के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। लगभग 90 प्रतिशत बच्चें सरकारी विद्यालय में पढ़ते हैं।

समाचार सार

यूपीएससी में गोइलकेरा की खुशबू को मिली 977वीं रैंक

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा की रहने वाली खुशबू लक्ष्मी को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 977वीं रैंक मिली है। खास बात यह है कि खुशबू ने यह परीक्षा पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण की। खुशबू की शुरूआती शिक्षा गोइलकेरा के बालिका मध्य विद्यालय से हुई। इसके बाद 2010 में गढ़वा के ज्ञान निकेतन स्कूल से मैट्रिक और गोपीनाथ सिंह महिला कॉलेज से इंटर की पढ़ाई पूरी की। आगे की पढ़ाई मणिपाल सिक्किम यूनिवर्सिटी से बीसीए और फिर राउरकेला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमसीए किया। यूपीएससी की तैयारी के लिए खुशबू तीन वर्षों से दिल्ली में रह रही थीं, जहां उन्होंने कोचिंग के साथ-साथ सेल्फ स्टडी पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने रोजाना 10 से 12 घंटे की पढ़ाई को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया था। खुशबू के पिता कृष्ण मुरारी पांडे बीमा एजेंट और माता किरण कुमारी गृहिणी हैं।

आजादी के बाद पहली बार बन रही सड़क

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड में कुलितोडाग पंचायत के सागीपी चौक से लुम्बरुसाई तक 1 करोड़ 22 लाख की लागत से सड़क बनेगी। 1300 मीटर पीसीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास बुधवार को विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम व झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष सन्नी उरांव ने किया। सन्नी उरांव ने बताया कि सड़क का निर्माण एनआरईपी विभाग से होगा। आजादी के बाद से इस गांव में सड़क नहीं बनी थी। आज भी ग्रामीण मिट्टी मुरूम सड़क से होकर आवागमन करते हैं। विधायक सुखराम उरांव ने इस सड़क को प्राथमिकता के अधार पर स्वीकृति दिलाई। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य मीना जोंको, झामुमो के युवा नेता सिंगराय जोंको, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ताराकांत सिजुई, मुखिया माझीराम जोंको, लालसिंग अंगरिया, पाणु अंगरिया, बागुन लागुरी, रूप सिंह अंगरिया, मानसिंग समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

भामाशाह जयंती पर एग्रिको से निकली बाइक रैली

JAMSHEDPUR : दानवीर भामाशाह की 478वीं जयंती पर बुधवार को अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा ने एग्रिको के ट्रांसपोर्ट मैदान से बाइक रैली निकाली। पूर्वी सिंहभूम जिला कमेटी ने भामाशाह की जयंती को राष्ट्र गौरव दिवस के रूप में मनाया। साकची स्थित एमजीएम अस्पताल गोलचक्कर पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आमलोगों के बीच शीतल जल, शर्बत, हलवा व खिचड़ी का भोग बांटा गया। इस दौरान जय भामाशाह, जय तेली समाज, दानवीर भामाशाह अमर रहे। तेली एकता जिंदाबाद के जयकारे से लौहनगरी गूंज उठी। भालूबासा चौक पर आकाश जायसवाल के नेतृत्व में शोभायात्रा में शमिल लोगों के बीच फल वितरण एवं अध्यक्ष राकेश साहू को सम्मानित किया गया।

सदर अस्पताल में लापरवाही आई सामने, मरीज नाराज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सबसे बड़े सदर अस्पताल चाईबासा में लापरवाही सामने आई है। जनरल वार्ड में एक ही जगह टीबी रोगियों के साथ सामान्य मरीज को रखा गया है। इससे अन्य मरीजों में नाराजगी है। 18 अप्रैल से सदर अस्पताल में भर्ती 55 वर्षीय टीबी मरीज तिरुवन लागुरी ने बताया कि इलाज ठीक से नहीं किया जा रहा है। इधर नरसंडा की महिला मरीजों को बेड नहीं मिल रहा है, जिससे ग्रामीण मरीज को जमीन पर लिटा कर इलाज किया जा रहा है। मरीज के परिजन ने बताया कि इस भीषण गर्मी में पंखे की व्यवस्था भी नहीं है। घर से पंखा लाकर इलाज कराने को मजबूर हैं। अस्पताल के कर्मियों को जैसे ही खबर की भनक लगी तो हड़कंप मच गया। सिविल सर्जन ने कर्मचारियों को फटकार लगाई।

पहली बार हुआ गूगल ऑनलाइन टेस्ट

GHATSILA : सोना देवी विश्वविद्यालय, घाटशिला के इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा बुधवार को पहली बार गूगल ऑनलाइन टेस्ट का आयोजन किया गया। विभाग की अध्यक्ष पूजा तिवारी ने बताया कि बेसिक कम्प्यूटर ज्ञान पर आधारित इस परीक्षा में 30 छात्र शामिल हुए। टेस्ट में सोना देवी स्कूल ऑफ फामेर्सी के बच्चों ने बाजी मारी। फामेर्सी विभाग की नेहा ठाकुर ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि कौशलेंद्र कुमार यादव ने दूसरा तथा साध्वी कुमारी ने तीसरा स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह की उपस्थिति में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कुलसचिव डॉ. गुलाब सिंह आजाद व सहायक कुलसचिव अर्चना सिंह ने प्रमाणपत्र देकर विजेता छात्रों का हौसला बढ़ाया। इस मौके पर सहायक प्राध्यापक दानिया अशरफ तथा मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. नीलमणि कुमार समेत कई फैकल्टी और विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

नदी में नहाने के दौरान डूबे दो किशोर, एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

बाबूडीह स्थित स्वर्णरेखा नदी में स्नान करने गए थे तीन दोस्त

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित बाबूडीह में स्वर्णरेखा नदी घाट पर मंगलवार को नहाने गए तीन किशोरों में से दो गहरे पानी में डूब गए। बुधवार को इनमें से एक किशोर निखिल का शव स्थानीय मछुआरों की मदद से बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरे किशोर सूरज सांडिल की तलाश अब भी जारी है।

जानकारी के अनुसार, निखिल, सूरज सांडिल और सूरज मछुआ तीनों घनिष्ठ मित्र थे और सभी की उम्र 14 से 15 साल के बीच थी। ये तीनों मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे बाबूडीह नदी में नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान निखिल और सूरज सांडिल जलकुंभी के साथ खेलते हुए नदी के गहरे हिस्से में चले गए और डूबने लगे। इस पर वहां मौजूद सूरज मछुआ ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी की तेज धारा और फिसलन के कारण वह खुद घायल हो गया। किसी तरह जलकुंभी पकड़कर बाहर निकला और दौड़कर घर पहुंचा, जहां उसने घटना की जानकारी परिजनों को दी।

मृतकों की फाइल फोटो

खबर मिलते ही स्थानीय लोग और मछुआरे मौके पर पहुंचे और खुद ही तलाश शुरू कर दी। अंधेरा होने और पानी की गहराई के कारण शुरूआती प्रयास सफल नहीं हो सके। बुधवार को सुबह से फिर इनकी खोज शुरू कर दी गई थी। इस बीच लोग एनडीआरएफ की टीम का इंतजार करते रहे, लेकिन टीम मौके पर नहीं पहुंची। स्थानीय मछुआरों ने आखिरकार अपनी मेहनत से निखिल का शव निकाल लिया, लेकिन सूरज सांडिल की तलाश अब भी जारी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और इलाके में मातम पसरा हुआ है।

सड़क हादसे में आधुनिक कंपनी के कर्मी की मौत, बाइक सवार गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत कांड्रा में सड़क हादसे में आधुनिक कंपनी के कर्मचारी तारक दास की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन फौरन एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने तारक को मृत घोषित कर दिया। मृतक तारक दास चौका थाना क्षेत्र के बोड़ाम टांड़ का रहने वाला था और वर्तमान में कांड्रा में किराए के मकान में रह रहा था। परिवारवालों ने बताया कि तारक दास कंपनी से छुट्टी के बाद घर का सामान लाने बाजार जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। उनके कोई संतान नहीं है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक को जब्त कर लिया। बाइक चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

कार की चपेट में आकर दो छात्र घायल, एक की हालत गंभीर

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के फूलडुंगरी चौक के समीप बुधवार की शाम लगभग 5 बजे कार की चपेट में आकर दो छात्र घायल हो गए। घाटशिला थाना की पुलिस ने दोनों घायलों को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. मीरा मुर्मू ने प्राथमिक उपचार कर एक छात्र को रेफर कर दिया। घटना के संबंध में घायल छात्र प्रकाश हांसदा ने बताया कि वह अपने दोस्त नारायण किस्कू के साथ बीए इंजीनियरिंग कॉलेज घुटिया से वापस अपनी बाइक से बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के दरखुली गांव लौट रहा था। अचानक फोरलेन से सर्विस रोड की ओर कार मुड़ जाने से बाइक टकरा गई। बताया जाता है कि वह कार घाटशिला व्यवहार न्यायालय की थी।

घाघीडीह सेंट्रल जेल के बाहर अपराधियों ने की फायरिंग

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में अपराधी बेलगाम होते जा रहे हैं। मंगलवार को अपराधियों ने घाघीडीह सेंट्रल जेल के मुख्य द्वार के बाहर दिनदहाड़े फायरिंग कर पुलिस और प्रशासन को खुली चुनौती दे डाली। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, दो बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार होकर घाघीडीह जेल के गेट पर पहुंचे और हवाई फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली जमीन की ओर भी चलाई गई। फायरिंग के बाद दोनों बदमाश फरार हो गए। इस पूरे मामले में जेल अधीक्षक अजय कुमार प्रजापति के आवेदन पर परसुडीह थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। घटना के पीछे गैंगवार की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जेल में बंद एक अपराधी का कुछ दिनों पहले सुरक्षाकर्मियों से विवाद हो गया था, जिसके बाद उसकी जमकर पिटाई हुई थी। संभावना है कि उसी अपराधी के साथियों ने जेल के बाहर गोलीबारी कर मैसेज देने की कोशिश की है। फायरिंग की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और जेल परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

10 लाख रुपये की अवैध शराब की गई जब्त, कारोबारी का भी खुलासा

अभियुक्तों के नाम

1. निखिल कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह, सहारा सिटी, आजाद बस्ती मानगो (फरार)
2. नीरज गुप्ता, सीतारामडेरा, (फरार)
3. मनोज वर्मा उर्फ चिकना, पोस्ट ऑफिस रोड मानगो (फरार)
4. बबलू केशरी, आदर्श नगर मानगो (जेल)
5. संजय मल्लिक, डिमना बस्ती (जेल)

जब्त की गई शराब के साथ उत्पाद विभाग के कर्मी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने 10 लाख रुपये की अवैध शराब जब्त की है। एमजीएम थाना अंतर्गत आरवीएस एकेडमी के पास तुरियाबेड़ा-सिमुलडांगा मार्ग पर छापेमारी कर एक छोटे मालवाहक से अवैध विदेशी शराब को दो ऑटोरिक्शा में लोड करते हुए पकड़ा गया। मालवाहक पर रॉयल गोल्ड कप व्हिस्की की कुल 180 पेटी, जिसे भूसा के बोरे के नीचे छिपाकर रखा हुआ था, मिला। दोनों ऑटोरिक्शा पर इसी ब्रांड की 3-3 पेटी लदी थी। छापेमारी दल के वाहन को आता देख दोनों ऑटोरिक्शा चालक एवं मालवाहक के चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन इन्हें पकड़ लिया गया। इस बीच मालवाहक का चालक जंगल की ओर फरार हो गया। प्रारंभिक पूछताछ में ऑटोरिक्शा चालकों ने बताया कि उन्हें कुख्यात अवैध शराब कारोबारी नीरज गुप्ता के सहयोगी मनोज वर्मा उर्फ चिकना द्वारा शराब की पेटियां ऑटोरिक्शा के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति करने के उद्देश्य से बुलाया गया था। इसके साथ ही जानकारी दी कि मालवाहक द्वारा अवैध शराब की इस खेप को रांची से नीरज गुप्ता और निखिल सिंह उर्फ सोनू सिंह द्वारा मंगाया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों सहित अन्य संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा जा गया।

कल 14 घंटे बंद रहेगा कूकड़ा रेलवे फाटक

CHAKRADHARPUR : हावड़ा-मुंबई रेल मार्ग के बंडामुंडा स्थित ए-केबिन के पास कूकड़ा रेल फाटक 25 अप्रैल को सुबह 6 बजे से रात के 8 बजे तक बंद रहेगा। जानकारी के अनुसार, उस दिन बंडामुंडा रेलवे यार्ड में इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा उन्नयन कार्य किया जाएगा। ज्ञात हो कि राउरकेला से बिसरा के बीच आवाजाही के लिए कूकड़ा रेल फाटक काफी महत्वपूर्ण है। फाटक बंद रहने के दौरान जारा टोली के रास्ते आरएस कॉलोनी, जगदा होते हुए लोग राउरकेला तक आवागमन कर पाएंगे। लेकिन, बड़े वाहनों को राउरकेला के बिसरा चौक और बिसरा के डराईकेला में ही रोक दिया जाएगा। लोगों को आने-जाने में ज्यादा दिक्कत ना हो, इसके लिए आरपीएफ व जीआरपी के जवान अलग-अलग जगह पर मौजूद रहेंगे। लोगों को परिवर्तित मार्ग की जानकारी देते रहेंगे।

पूर्व सांसद शैलेंद्र महतो व आभा महतो सड़क हादसे में घायल

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के पूर्व सांसद शैलेंद्र महतो और उनकी पत्नी व भाजपा की पूर्व सांसद आभा महतो सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में घायल हो गए। यह दुर्घटना पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर से जमशेदपुर लौटते वक्त चाईबासा-सरायकेला मार्ग पर हुई। बताया गया है कि रात करीब 12 बजे जब वे सोनारी लौट रहे थे, तभी सरायकेला से लगभग चार किलोमीटर पहले एक भारी वाहन अचानक उनकी कार के सामने आ गया। उससे बचने के प्रयास में कार चला रहे उनके भतीजे ने गाड़ी को सड़क किनारे उतारा, जिससे गाड़ी खेत की ओर गड्ढों में हिचकोले खाते हुए काफी दूर जाकर रुकी। हादसे में शैलेंद्र महतो कार की सीटों के बीच में फंस गए, जबकि आभा महतो ने खुद को किसी तरह सुरक्षित निकाला। उनके भतीजे और अंगरक्षक को भी हल्की चोटें आई हैं। सभी घायलों को सरायकेला से एंबुलेंस के जरिए टीएमएच लाया गया। मंगलवार तड़के तीन बजे प्राथमिक उपचार के बाद आभा महतो, उनके भतीजे और अंगरक्षक को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। लेकिन शैलेंद्र महतो को कुछ जरूरी जांचों के लिए अस्पताल में भर्ती रखा गया है। शैलेंद्र महतो ने बताया कि वे अपने भतीजे के रिसेप्शन में शामिल होने चक्रधरपुर स्थित पैतृक गांव गए थे।

टीएमएच में इलाजरत शैलेंद्र महतो

धतकीडीह में पत्रकारों को जानकारी देते मुस्लिम संगठन के प्रतिनिधि

वक्फ कानून के खिलाफ 1 मई को होगी विरोध सभा

JAMSHEDPUR : केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नए वक्फ कानून के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देश भर में आंदोलन की शुरूआत कर दी है। इसी कड़ी में 1 मई को मानगो के गांधी मैदान में एक बड़ी विरोध सभा होगी। इसमें झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी और सांसद इमरान मसूद समेत कई प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। बुधवार को धतकीडीह स्थित होटल एशियन इन में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मुफ्ती निशात अहमद, तौहीदुल हसन, शाहिद अख्तर, मौलाना मजिउल्लाह हबीबी, मुफ्ती सलाउद्दीन आदि मौजूद रहे। प्रेस कांफ्रेंस में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की गई और इस आतंकी घटना में मृतकों के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। तहफ्फुज ए कॉन्फ्रेंस के संयोजक डॉ. रियाज शरीफ ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस्लाम कभी बेकसूरों की हत्या की इजाजत नहीं देता। यह बड़ा गुनाह है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को मारना कायरता है।

सरकारी स्कूलों के बच्चे करेंगे कंपनियों का एक्सपोजर विजिट, 25 स्कूलों से 30-30 बच्चों का होगा चयन

● पूर्वी सिंहभूम जिले में इससे पहले 15 स्कूलों के छात्र किए गए थे शामिल

PHOTON NEWS JSR: उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को शहर की निजी कंपनियों एवं संस्थाओं में एक्सपोजर विजिट कराने के दूसरे चरण को लेकर कंपनी व संस्थाओं के प्रतिनिधि के साथ बुधवार को बैठक की गई। समाहरणालय सभागार में हुई बैठक में उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान भी मौजूद थे। प्रोजेक्ट अन्वेषण-2.0 में इस बार जिले के 25 स्कूलों के 9-12वीं कक्षा तक के 30-30 बच्चे शामिल किए जाएंगे। बच्चों का विभिन्न कंपनियों एवं संस्थाओं का शैक्षणिक भ्रमण 8 मई को प्रस्तावित है। गर्मी के मौसम को देखते हुए एक्सपोजर विजिट की व्यापक रूपरेखा पर चर्चा की गई, जिसमें बच्चों के समय पर आवागमन, भोजन आदि की व्यवस्था तथा अन्य बिंदुओं को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। प्रोजेक्ट अन्वेषण के पहले फेज में 15 स्कूलों के 11वीं कक्षा के शामिल किए गए थे।

बच्चों के एक्सपोजर विजिट को लेकर जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, शूटिंग रेंज, टाटा मोटर्स, सीएसआईआर-एनएमएल, रूसी मोदी सेंटर फॉर एक्सीलेंस, एनटीटीएफ, टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज, जेएन टाटा वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, आईडीटीआर- कमिंस, जूलोजिकल पार्क को चिह्नित किया गया है।

समाहरणालय सभागार में बैठक करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

इन स्कूलों के बच्चे करेंगे शैक्षणिक भ्रमण

जिन 25 स्कूलों के बच्चे दूसरे फेज में एक्सपोजर विजिट के लिए आएंगे, उनमें बहरागोड़ा प्रखंड से खंडामौदा प्लस टू हाई स्कूल, पारूलिया हाई स्कूल, मानुषमुड़िया प्लस टू स्कूल, एलबीएस प्लस टू स्कूल, केशरदा प्लस टू स्कूल, बोड़ाम प्रखंड से अपग्रेडेड हाई स्कूल रसिकनगर, चाकुलिया प्रखंड से अपग्रेडेड हाई स्कूल केरूकोचा, एम ए वी प्लस टू हाई स्कूल मटियाबांधी, धालभूमगढ़ प्रखंड से कोकपाड़ा हाई स्कूल, घाटशिला प्रखंड से टीएमएम प्लस टू हाई स्कूल काड़ाडूबा, महुलिया हाई स्कूल, गुड़ाबांदा प्रखंड से अपग्रेडेड हाई स्कूल गुड़ाबांदा, जमशेदपुर से टाटा वर्कर्स यूनियन हाई स्कूल कदमा, मुसाबनी प्रखंड से अपग्रेडेड हाई स्कूल चापरी, पटमदा प्रखंड से अपग्रेडेड हाई स्कूल जोड़सा, पोटका प्रखंड से प्लस टू हाई स्कूल मानपुर, हाईस्कूल भालकी, प्लस टू हाई स्कूल जादूगोड़ा, प्रोजेक्ट गर्ल्स प्लवस टू स्कूल पोटका, अपग्रेडेड प्लस टू स्कूल चाकरी, अपग्रेडेड हाई स्कूल हेंसड़ा, हाई स्कूल तिरिलडीह, अपग्रेडेड प्लस टू स्कूल सांग्राम शामिल हैं।

को-ऑपरेटिव कॉलेज में याद किए गए शेक्सपीयर

कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सीएच एरिया स्थित जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में बुधवार को अंग्रेजी एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पुस्तक दिवस एवं शेक्सपीयर जयंती पर कार्यक्रम किया गया। इसकी अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पुस्तक पठन की अनिवार्यता पर बात करते हुए विद्यार्थियों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित किया एवं शेक्सपीयर के नाटकों की प्रशंसा करते हुए उन्हें अद्वितीय बताया। आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर डॉ. नीता सिन्हा ने पुस्तक पठन-पाठन के लिए वातावरण तैयार करने पर बल दिया। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अंतरा कुमारी ने शेक्सपियर के नाटकों पर अपना विचार साझा किया। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार रवानी ने अपना निजी अनुभव साझा करते हुए किताबों की महत्ता को रेखांकित किया। हिंदी विभाग की डॉ. प्रियंका सिंह ने सफदर हाशमी की कविता 'किताबें' का पाठ करते हुए समाज निर्माण में किताबों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की डॉ. रुचिका तिवारी व धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की सबिता पॉल ने किया।

दीपावली में लिया गया था सैंपल, जांच के दौरान मिलावट की पुष्टि होने पर हुई कार्रवाई

श्रेष्ठ, गणगौर व श्रीभोग मिठाई दुकानों पर जुर्माना

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर में दीपावली के दौरान बेची गई मिलावटी मिठाइयों के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। शहर की तीन मिठाई दुकानों पर खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के कारण जुमार्ना लगाया गया है। इनमें से एक दुकान पर 20 हजार रुपये और दो पर 40-40 हजार रुपये का जुमार्ना किया गया है।

मिलावटी मिठाई बेचने वालों में मानगो के आजाद नगर स्थित न्यू गणगौर स्वीट्स पर 20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इसके अलावा, साकची के शीतला मंदिर के पास टैंक रोड स्थित श्रेष्ठ फूड प्रोडक्ट और बिरसानगर जोन नंबर 18 स्थित श्री भोग मिठाई दुकान, जो मनोज अग्रवाल के स्वामित्व में है, उस पर 40-40 हजार रुपये का जुमार्ना ठोका गया है। यहां से लिए गए बिरसानगर में सोन पापड़ी और काजू बर्फी और श्रेष्ठ से काजू बर्फी व पतीसा (सोनपापड़ी) के सैंपल में मिलावट पाई गई थी।

यह कार्रवाई अपर उपायुक्त द्वारा की गई है, जो फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 के तहत न्याय निर्णायक अधिकारी के रूप में अधिकृत हैं। दीपावली के समय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विभिन्न मिठाई दुकानों से सैंपल एकत्र किए थे, जिन्हें रांची के नामकुम स्थित प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया था। रिपोर्ट में मिलावट की पुष्टि होने पर यह सख्त कदम उठाया गया।

पहले भी पकड़ी गई थी मिठाइयों में मिलावट

जमशेदपुर में पहले भी मिठाइयों में मिलावट पकड़ी गई थी। खासकर दीपावली के समय खाद्य विभाग जोर-शोर से यह अभियान चलाता है। इसमें लगभग हर क्षेत्र में मिठाई दुकानों से नमूने लिए जाते रहे हैं। कई बार तो जांच की रिपोर्ट ही नहीं आती थी। इस बार भी यह सवाल उठ रहे हैं कि मिठाइयों की जांच रिपोर्ट इतने दिनों बाद क्यों आई है। क्या इनकी अब तक जांच ही नहीं हुई थी या रिपोर्ट आने में इतनी देरी हुई है। अक्टूबर-नवंबर में लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूने क्या इतने दिन तक सुरक्षित रह सकते हैं, यह भी अहम सवाल है। यही नहीं, जांच में किस तरह की मिलावट सामने आई, यह भी सार्वजनिक होना चाहिए। बहरहाल, यह अच्छी बात है कि मिठाई जांच की रिपोर्ट आई और जुमार्ना भी लगाया गया है। प्रशासन को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि नमूनों की जांच ऑन द स्पॉट हो जाए।

रेलवे ने अतिक्रमित जमीन पर बने 18 मकानों को किया ध्वस्त

JAMSHEDPUR : टाटानगर रेलवे स्टेशन के री-डेवलेपमेंट कार्य के तहत जमीन की आवश्यकता को देखते हुए रेलवे इंजीनियरिंग विभाग ने बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इसमें कीताडीह स्थित इमामबाड़ा के पास गाड़ीवान पट्टी के पास रेलवे की जमीन पर बने 18 कच्चे -पक्के मकान ध्वस्त किए गए। पूर्व में यहां रह रहे लोगों को रेलवे ने नोटिस देकर घर खाली करने को कहा था। इसके बाद बुधवार को रेलवे इंजीनियरिंग विभाग के एडीईएन- आरके वर्मा व आईओडब्लू उपेंद्र सिंह के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सुबह 10 बजे जेसीबी लेकर टीम मौके पर पहुंची और 3 घंटे में 18 मकानों को ध्वस्त कर दिया। जेसीबी पहुंचने के साथ ही लोगों ने अपने घरों से जरूरी सामान बाहर निकाल लिए थे। यहां रहने वाले लोगों का कहना था कि 40 वर्ष से वे यहां छोटा मकान बनाकर रह रहे थे। रेलवे ने उनका आशियाना तोड़ दिया है। अब वे बेघर हो गए हैं। मकानों को ध्वस्त होते देख लोगों की आंखों में आंसू तक आ गए थे। लोग अपना आशियाना टूटते देखकर काफी निराश थे। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग ने खासमहल जगन्नाथ मंदिर के अंदर के हिस्से में बनी दो झोपड़ी को भी ध्वस्त किया।

घरों को तोड़ता बुलडोजर

BRIEF NEWS

मनाया गया वीर कुंवर सिंह का विजय दिवस

BHAGALPUR : गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर सैनिक स्कूल भागलपुर में बुधवार को महान स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत के सपूत वीर कुंवर सिंह की विजय दिवस मनाया गया। विद्यालय के प्रभारी डॉ संजीव कुमार झा, जयंती प्रमुख उत्तम कुमार मिश्रा तथा छात्रों के द्वारा संयुक्त रूप से वीर कुंवर सिंह के चित्र पर पुष्पार्चन कर जयंती का शुभारंभ किया गया। मौके पर उत्तम कुमार मिश्रा ने कहा कि 80 वर्ष के उम्र में जब लोग वानप्रस्थ में चले जाते हैं, तो उस उम्र में बाबू वीर कुंवर सिंह ने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ अर्पित कर दिया। जिसके मन में राष्ट्रभक्ति की भावना और जुनून होता है उनके लिए उम्र कोई मायने नहीं रखता है। डॉक्टर संजीव कुमार झा ने कहा कि छात्रों में राष्ट्र भक्ति, समर्पण, त्याग आदि सद्गुणों का विकास हेतु जयंती मनाया जाता है।

अधिकारियों ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 को लेकर की बैठक

PATNA : डॉ. बी राजेंद्र अपर मुख्य सचिव, खेल विभाग की अध्यक्षता में आज खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन नालंदा द्वारा की जा रही तैयारीयों से संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आगामी 04 से 15 मई तक बिहार राज्य के पांच जिलों, पटना, राजगीर (नालंदा), भागलपुर ,गया एवं बेगूसराय में खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अतर्गत, तलवारबाजी, हॉकी, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और कबड्डी खेल का आयोजन नालंदा जिला में प्रस्तावित है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों के लिए आवासन, भोजन, सुरक्षा, विधि व्यवस्था, खेल मैदान की व्यवस्था, पेयजल, साफ सफाई, ट्रांसपोर्टेशन, शौचालय आदि व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एक देसी कट्टा व दो कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

BHAGALPUR : जिले के बबरगंज थाना अंतर्गत गुप्त सूचना के आधार पर एक युवक को एक देसी कट्टा एवं दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी डीएसपी टू राकेश कुमार चौधरी ने बुधवार को दी। डीएसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार अवैध शराब, आर्म्स, मादक पदार्थ आदि की बरामदगी के लिए सघन गश्ती एवं चोरी, छिनतई के हॉट-स्पॉट पर छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में बीते 22 अप्रैल को बबरगंज थाना के दिवा गश्ती दल द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर सकरुल्लाचक कुंआ के पास से एक युवक की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में युवक के पास से 01 देसी कट्टा एवं 02 जिंदा कारतूस बरामद किया तथा उक्त व्यक्ति को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार व्यक्ति शुभम सोनार उर्फ छेदी पूर्व में हत्या के 02 कांड में आरोपित है।

'सूर्य किरण' एरोबेटिक टीम ने आसमान में दिखाए हैरतअंगेज करतब

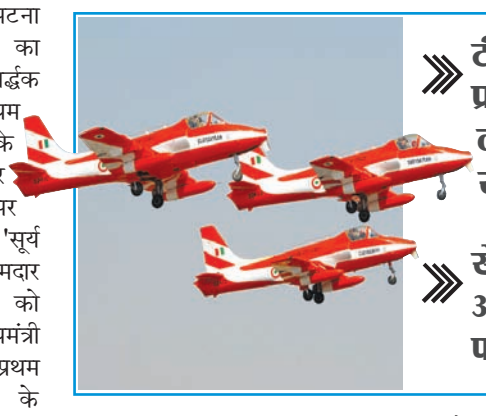

- टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए लोगों को कर दिया रोमांचित
- सेना के पैराजंपर्स ने आसमान से जमीन पर लगाई छलांग

● एयर शो देखते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

AGENCY PATNA : पटना शहर स्थित सभ्यता द्वार का नजारा बुधवार को उत्साहवर्द्धक रहा। यहां 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के विजय दिवस पर भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एरोबेटिक टीमने दमदार प्रदर्शन करते हुए लोगों को रोमांचित कर दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के विजय दिवस पर भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एरोबेटिक टीम के प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल हुए। सभ्यता द्वार के सामने जेपी गंगा पथ पर बने कार्यक्रम स्थल से मुख्यमंत्री ने भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एरोबेटिक टीम के अलग-अलग प्रदर्शन को देखकर हैरत में रह गये। अपने प्रदर्शन के दौरान एयरफोर्स के 9 लड़ाकू विमानों ने हजार फीट की ऊंचाई पर हैरतअंगेज करतब दिखाया। भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम ने आसमान में अद्भुत करतब दिखाया, जिसे देखकर दर्शक अचंभित हो गये और उत्साहवर्द्धक नजर आये। सेना के पैराजंपर्स ने आसमान से जमीन पर छलांग लगाई, जिसे देख वहां मौजूद लोगों और बच्चों ने सेना का जोश बढ़ाया। 9 लड़ाकू विमानों बिहटा एयरपोर्ट से उड़ान भरी और फिर आसमान में हैरतअंगेज करतब दिखाए,जिसमें जेट विमान भी शामिल थे। फाइटर प्लेन की गूंज से बिहटा सहित दानापुर, बेली रोड से लेकर फ्रेजर रोड एवं गांधी मैदान का पूरा इलाका सहम गया। आसमान में एक कतार में लड़ाकू विमान उड़ते दिखे।

धनबाद के कुछ लोगों को बंधक बनाए जाने की सूचना पर पहुंची थी पुलिस

पुलिस टीम पर हमला मामले में 7 महिला समेत 32 गिरफ्तार

नवादा जिले के कौआकोल पुलिस की हिरासत में 7 महिलाएं समेत 32 उपद्रवी

AGENCY NAVADA : नवादा जिले के कौआकोल के टिकोडीह गांव में बंधक बनाए गए युवकों को छुड़ाने पहुंची पुलिस टीम पर हमले के मामले में बुधवार को 7 महिला सहित 32 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया गया। नवादा जिले के कौआकोल में मंगलवार की देर शाम कौआकोल थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित टिकोडीह गांव में ग्रामीणों द्वारा कथित रुप से धनबाद के कुछ लोगों को बंधक बनाए जाने की सूचना पर पहुंची कौआकोल पुलिस पर ग्रामीणों द्वारा हमला कर हवलदार अरुण कुमार रावत समेत अन्य पुलिसकर्मियों के घायल कर दिए जाने की घटना के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है।

नवादा एसपी के निर्देश पर पकरीबरावां एसडीपीओ महेश चौधरी के नेतृत्व में पकरीबरावां पुलिस इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार एवं कौआकोल थानाध्यक्ष दीपक कुमार समेत जिले के विभिन्न थानों की टीम के पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए टिकोडीह गांव में छापेमारी कर घटना में शामिल 7 महिला समेत 32 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

थानाध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि घटना को लेकर कौआकोल थाना में पदस्थापित एएसआई धनन्जय कुमार के लिखित बयान के आधार पर कौआकोल थाना प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिसिया कार्रवाई के बाद गांव में सन्नाटा छा गया है।

बता दें कि मंगलवार की देर शाम लगभग साढ़े 9 बजे वैवाहिक समारोह में उत्पन्न हुए विवाद को सुलझाने गई पुलिस टीम पर अचानक ग्रामीणों द्वारा हमला कर दिया गया। बरती एवं शराती के बीच विवाद हो गया। टिकोडीह गांव में तैयब मियां के घर वालीमा था, जिसमें दुल्हन पक्ष के नेमतुल धमनी से कुछ लोग भी आए हुए थें, जिनके साथ तैयब के घर में पहले से मौजूद रहे धनबाद से आए रिश्तेदारों ने मारपीट कर दिया, जिसके बाद टिकोडीह गांव के ग्रामीण आक्रोशित हो गए एवं उन्हें कथित रूप से बंधक बना लिया। जिसकी सूचना 112 आपातकालीन पुलिस टीम को दी गई। इसके बाद कौआकोल थाना की भी पुलिस टीम पहुंची, जहां अचानक ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर ही हमला कर दिया। जिसमें हवलदार अरुण कुमार रावत समेत अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। बुरी तरह घायल हवलदार अरुण कुमार रावत को बेहतर ईलाज के लिए विम्स पावापुरी रेफर कर दिया गया।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बिहार पुलिस अलर्ट, पर्यटन स्थलों की सुरक्षा की गई कड़ी

AGENCY PATNA : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बिहार पुलिस अलर्ट हो गयी है और आतंकी हमले को देखते हुए बिहार के पर्यटन स्थलों की सुरक्षा कड़ी कर गई है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बिहार पुलिस ने तत्काल अहम बैठक की और सुरक्षा के लिए कई अहम निर्णय लिये,जिसे फॉलो कराया जा रहा है। बिहार के वनों से लेकर नालंदा खंडहर, राजगीर, पावापुरी समेत जिले के अन्य टूरिस्ट प्लेस के चप्पे- चप्पे पर नजर रखने के लिए कई उच्चस्तरीय टीमों का गठन किया गया है। राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि राजगीर, नालंदा, पावापुरी समेत जिले का कोई भी पर्यटक स्थल पर आतंकी हमला का कभी इतिहास नहीं रहा है। बावजूद, उनकी संवेदनशीलता को किसी भी सूरत में हल्के में लेने की भूल नहीं की जा सकती है। ऐसे में सभी स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। राजगीर के रोपवे, जू-सफारी, नेचर-सफारी के साथ ही वनों और पहाड़ों पर स्थित तीर्थस्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पर्यटन स्थलों पर पुलिस की गश्ती भी तेज कर दी गई है। राजगीर की पंच पहाड़ियों के साथ ही विश्व शांति स्थल, अशोक स्तूप, वेणुवन, बौद्धिस्टों का मक्का-मदीना माना जानेवाला वल्चर पीक के हर स्थल पर पैनी नजर रखी जा रही है।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला महिला का शव

BHAGALPUR : कटिहार बरौनी रेल खंड के बीच नारायणपुर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी केबिन के लखना मोड़ के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे बुधवार को एक महिला का शव बरामद किया गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची नारायणपुर रेल पुलिस ने आशंका जताया है कि यह महिला ट्रेन पर से गिरी होगी, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस की मानें तो अभी तक महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जीआरपी ने घटनास्थल का मुआयना कर स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

आतंकियों को उनकी ही भाषा में प्रधानमंत्री देंगे जवाब : अश्विनी चौबे

AGENCY BHAGALPUR : वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने बुधवार को भागलपुर के परिसदन में कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में रविवार देर शाम एक कायराना आतंकी हमला हुआ। इस हमले में कई निर्दोष पर्यटक की मौत हुई और कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश है। हम इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा है कि यह केवल पर्यटकों पर नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, हमारी आस्था और हमारी परंपरा पर सीधा हमला है। आतंकियों का मकसद केवल हिंसा नहीं, भारत की आत्मा को चोट पहुँचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आतंकियों को उनकी ही भाषा में जवाब देंगे। यह हमारा परम धर्म है कि हम सनातन की रक्षा करें। अश्विनी चौबे ने देशवासियों से एकजुट होकर सरकार और सुरक्षाबलों का साथ देने की अपील की है।

यूपीएससी में सफल रवि राज से प्रेरणा लें नवादा के सभी विद्यार्थी : डीएम

AGENCY NAVADA : डीएम रवि प्रकाश ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 182 रैंक लाकर सफलता प्राप्त करने वाले जिले के प्रतिभावान छात्र रवि राज से मुलाकात की। उन्हें सम्मानित कर जिले के युवाओं का प्रेरणा स्त्रोत बताया ।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि 40 प्रतिशत तक दृष्टि बाधित रहने के बावजूद भी रवि राज ने अथक परिश्रम कर यूपीएससी की परीक्षा पास कर ली ।इस अवसर पर उन्होंने रवि को मोमेंटो, मिठाई एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की।

जिलाधिकारी ने रवि राज की कड़ी मेहनत, समर्पण एवं सफलता की प्रशंसा की और कहा कि यह उपलब्धि केवल छात्र की नहीं, बल्कि पूरे नवादा जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रेरणादायक युवाओं को प्रोत्साहन देना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे अन्य छात्र भी उत्साहित होकर कठिन परीक्षाओं की तैयारी में जुट सकें। उन्होंने यह भी कहा कि यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है। रवि राज की यह सफलता निश्चित रूप से जिले के युवाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

रवि राज ने बताया कि उन्होंने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई नवादा स्थित दयाल पब्लिक स्कूल से की तथा स्नातक की पढ़ाई सीताराम साहू कॉलेज, नवादा से पूरी की।

पांच साल पहले पत्नी की हत्या के जुर्म में पति को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

AGENCY ARARIA : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने बुधवार को पत्नी के हत्यारे पति को आजीवन सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। दहेज हत्या के अपराध में पांच साल पहले घटित घटना में कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। मामला सत्र वाद संख्या 200/2022, जो पलासी थाना प्राथमिकी कांड संख्या 107/2019 से सर्बधित है।सजा पाने वाला दोषी पलासी थाना क्षेत्र के भट्टाबाड़ी वार्ड संख्या दो निवासी 25 वर्षीय मिथुन मंडल उर्फ शिव कुमार पिता उदरानंद मंडल है। मृतक मधु देवी की मां गीता देवी ने पलासी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दहेज हत्या की धारा 304 (बी) भादवि में केस दर्ज की गई थी।दर्ज कराई गई प्राथमिकी में शिकायतकर्ता गीता देवी ने बताया था कि दोषी का प्रेम विवाह मृतका मधु देवी के साथ सम्पन्न हुआ था। अपने परिवार वालों के साथ मृतका मधु देवी से विवाह के दो साल के बाद पचास हजार रुपये दहेज की मांग किया गया था और मांग की पूर्ति नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। मृतका को एक बच्चा भी है। 11 अप्रैल 2019 को ससुराल वालों द्वारा दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित और जहर खिलाकर हत्या कर दिया गया।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी उच्च जहरीला पदार्थ एल्मुनियम फॉस्फाइड वेसरा रिपोर्ट में पाया गया। उक्त घटना को लेकर सुचिका ने दोषी मिथुन मंडल के अलावा उसके पिता उदरानंद मंडल, सास सुरजी देवी, पुत्री सीता देवी, प्रमिला देवी, शर्मिला देवी, लालटू देवी, निरसो देवी के विरुद्ध प्राथिमिकी दर्ज कराई थी, जिसका पूरक अनुसंधान लंबित है।

पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए तीन भाइयों में सबसे बड़े थे मनीष रंजन

आईबी में डीएसपी रैंक के थे अधिकारी

AGENCY DEHRI-ON-SONE : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आर्तकियों द्वारा पर्यटकों को मारी गई गोली में बलिदान हुए आइबी के डीएसपी रैंक के अधिकारी मनीष रंजन रोहतास के करगहर थाना क्षेत्र के अरुही गांव के निवासी थे। सासाराम शहर के गोरक्षणी में भी उनका घर है।

सासाराम में रह रहे उनके चाचा आलोक मिश्र ने बताया कि तीन दिन पहले मनीष हैदराबाद से वैष्णोदेवी गए थे। उन्होंने बताया कि मनीष के पिता डॉ मंगलेश मिश्र पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के झालदा में कार्यरत हैं। पिता को भी 22 अप्रैल को वैष्णोदेवी जाना था। पत्नी आशा देवी के साथ वे ट्रेन से वैष्णोदेवी जा रहे थे कि रास्ते में आतंकी हमला में मारे जाने की सूचना मिली।

सूचना के बाद ट्रेन से उतरकर रांची लौट गए। बताया कि मनीष तीन भाईयों में सबसे बड़े थे। मनीष के मंझला भाई राहुल रंजन एफसीआइ एवं विनीत रंजन पश्चिम बंगाल में मद्य निषेध भाग में कार्यरत हैं। मां-पिता के साथ छोटे भाई विनीत रंजन रांची में मनीष रंजन के शव आने का इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मनीष की पहली पोस्टिंग दिल्ली फिर रांची और वर्तमान में हैदराबाद में पोस्टिंग थी। सभी परिवार खुशी से रह रहे थे कि आतंकवादियों ने पर्यटन टूर पर गए मनीष की हत्या कर दहशत फैला दिया। मनीष की हत्या के बाद से स्वजन सिर्फ रो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

PATNA : जम्मू-काश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में बिहार के मनीष रंजन की मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर शोक जताते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पर्यटकों की मौत की सूचना दु:खद है। यह घटना निंदनीय है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है। आतंक के विरुद्ध पूरा देश एकजुट है। मनीष रंजन इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी के अधिकारी थे और वर्तमान में हैदराबाद में तैनात थे। मनीष बिहार के रोहतास जिले के रहने वाले थे। जानकारी अनुसार मनीष पत्नी और दो बच्चों के साथ एलटीसी (लीव कंसेशन) के तहत कश्मीर घूमने आए थे। आतंकियों ने मनीष से नाम पूछने के बाद उनकी पत्नी के सामने ही उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया। मनीष रांची में भी सेवाएं दे चुके थे। उनके पिता का नाम मंगलेश मिश्रा है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दी श्रद्धांजलि

हमें प्रेरणा देता रहेगा बाबू कुंवर सिंह का साहस : सीएम

वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

AGENCY PATNA : 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के विजय दिवस पर बुधवार को वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाबू वीर कुंवर सिंह की आदमकद अश्वारोही प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने सहकारी भूमि विकास बैंक समिति परिसर में भी महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बिहार राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव अरविन्द कुमार सिंह उर्फ छोट्टू सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शॉल और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में वीर कुंवर सिंह के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाबू वीर कुंवर सिंह के बलिदान और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए अपने संदेश में कहा कि '1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव पर उन्हें सादर नमन। उनका अदम्य साहस, नेतृत्व और देशभक्ति की गाथा हम सबको हमेशा प्रेरणा देती रहेगी।'

समारोह में बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री, राज्य के मंत्रीगण एवं सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर पति ने की आत्मदाह की कोशिश

BHAGALPUR : जिले के अंबाबाग निवासी शैलेंद्र साह ने बुधवार को शहर के बीचों-बीच खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। वजह बनी उनकी पत्नी प्रियंका की धमकी। जिसने प्रेमी संग रहने के लिए उसे ब्लू ड्रम में मारकर फेंकने की साजिश रची थी। बताया जा रहा है कि शैलेंद्र साह की पत्नी प्रियंका सुल्तानगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली है। प्रियंका का अपने मुंह बोले मामा के साथ प्रेम संबंध है और वह पति को छोड़कर उसी के साथ रहना चाहती है। पत्नी ने हाल ही में मेरठ की चर्चित ब्लू ड्रम हत्या कांड का वीडियो दिखाकर शैलेंद्र को धमकाया कि अगर उसने अलग होने से इनकार किया तो उसे भी मारकर ड्रम में फेंक दिया जाएगा।

राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनमोल योगदान

देश व दुनिया में प्रसिद्ध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय निर्माण की विचारधारा के दम पर अपनी विशेष पहचान रखता है। यह देश व दुनिया का एक ऐसा संगठन है, जो अपनी विशेष कार्यशैली के दमखम पर दुनिया में सनातन धर्म-संस्कृति के रक्षक तौर पर और एक बहुत बड़े सामाजिक संगठन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संघ वर्ष 2025 में स्थापना का 100वां वर्ष धूमधाम से मना रहा है और वह दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि संघ भारत का एक ऐसा संगठन है, जो अपनी स्थापना के दशकों बाद भी अपनी विचारधारा व उद्देश्यों से जरा भी नहीं भटका है, वह आज भी अपनी विचारधारा पर पूरी तरह से कायम है। मां भारती के सपूत स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने जंगे आजादी के दौर में विजयदशमी के पावन पर्व के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना देश, संस्कृति व समाज हित के कार्यों को करने के उद्देश्य से की थी। इस संकल्प के चलते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करने में निरंतर लगा हुआ है। वैसे निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो संघ के द्वारा किए गए कार्यों ने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर आजाद हुए भारत देश के निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से सकारात्मक योगदान देने का कार्य किया है। अपने शीर्ष नेतृत्व के सशक्त राष्ट्र, सभ्य समृद्धशाली समाज निर्माण के ओजस्वी विचारों के चलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का राष्ट्र निर्माण व सनातन धर्म की रक्षा करने में अनमोल योगदान रहा है। जिस योगदान को हम लोग आज भी देश के विभिन्न क्षेत्रों में आसानी से देख सकते हैं, इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए संघ ने देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर दिन-रात एकजुट होकर काम किया है। हालांकि देश की आजादी के संघर्ष के दौर से लेकर आजाद भारत तक में भी चंद राजनेताओं के क्षणिक राजनैतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमेशा से ऐसे लोगों के निशाने पर रहा है। ऐसी स्थिति के चलते ही राष्ट्र की आजादी व सशक्त राष्ट्र निर्माण की यात्रा में संघ के स्वयंसेवकों के अनमोल योगदान को दशकों तक सत्ता व सिस्टम में बैठे कुछ लोगों द्वारा अनदेखा किया गया। देश के चंद राजनेताओं ने धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए संघ को बदनाम करने का कार्य तक भी किया है। यह सब आज भी उनके अनुयायियों के द्वारा जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ राजनेताओं द्वारा पैदा की गई नकारात्मक स्थिति के बाद भी राष्ट्र व समाज हित के लिए अपना कार्य हमेशा निस्वार्थ भाव से करना जारी रखा और कभी भी संघ के इन स्वयंसेवकों ने इन कार्यों का श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं किया। हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त सरकारों के दौर में शासन व प्रशासन द्वारा बार-बार विकट स्थिति उत्पन्न करने के बावजूद संघ के स्वयंसेवकों ने कभी भी हिम्मत नहीं हारी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। जंगें आजादी के दौर में संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य निरंतर किया। देश के दूरदराज इलाकों तक में भी अपनी 55000 शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर संघ ने देश के युवाओं के एक बहुत बड़े वर्ग को अनुशासन में रहना सिखाते हुए उनमें नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ कार्यों की बानगी देखें तो जंगे आजादी के दौर में संघ ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में योगदान देते हुए समाज में राष्ट्रीय चेतना के भाव को जागृत करने का काम बखूबी किया था। संघ ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की बढ़-चढ़कर के सहायता करते हुए उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कार्य किया। संघ के स्वयंसेवकों ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए महामारी के दौर में लोगों की बढ़-चढ़कर के मदद की। संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठनों ने समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में आई प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफान आदि), युद्ध और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाई। आज के व्यवसायिक दौर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए विभिन्न संगठन जैसे विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

डिग्री नहीं, दक्षता चाहिए : नई अर्थव्यवस्था की नई जरूरतें

ANALYSIS

✍ डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक वरदान बन सकता है, यदि हम इसे कुशलता, योग्यता और आधुनिक जरूरतों के मुताबिक तैयार करें, परंतु अफसोस कि हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक गहरे संकट से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में जो पढ़ाया जा रहा है और उद्योगों को जो चाहिए, इन दोनों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह खाई केवल छात्रों की रोजगार क्षमता को ही नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी गंभीर रूप से बाधित कर रही है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट- 2024 के अनुसार, भारत में केवल 45.9 प्रतिशत स्नातक ही रोजगार के योग्य पाए गए। इसका अर्थ यह है कि हर दो में से एक छात्र, जिसने उच्च शिक्षा प्राप्त की है, वह नौकरी के लायक कौशल से लैस नहीं है। तकनीकी संस्थानों की स्थिति भी निराशाजनक है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25 प्रतिशत इंजीनियरिंग स्नातक ही आईटी सेक्टर में कार्य के लिए उपयुक्त पाए गए। यह स्थिति न केवल शिक्षा प्रणाली की विफलता है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों के टूटने की त्रासदी भी है। इस समस्या की जड़ है, सैद्धांतिक और अकादमिक दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रणाली, जो व्यावहारिक दुनिया की जरूरतों से कटी हुई है।

वर्तमान में उच्च शिक्षा प्रणाली उद्योग की तेजी से बदलती आवश्यकताओं से मेल नहीं खाती, जिसके परिणामस्वरूप अधिकतर स्नातक रोजगार के लिए अयोग्य माने जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, केवल 45.9% स्नातक ही रोजगार योग्य हैं, जबकि तकनीकी क्षेत्र में भी यह आंकड़ा बहुत कम है। विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रमों को नियमित रूप से उद्योग के विशेषज्ञों से समीक्षा कराना चाहिए, ताकि छात्रों को भविष्य की नौकरी के लिए तैयार किया जा सके। इसके अलावा, शिक्षा में मानवीय मूल्यों, सॉफ्ट स्किल्स और सामाजिक उत्तरदायित्व के पहलुओं को भी शामिल किया जाना चाहिए, जिससे छात्रों को न केवल पेशेवर, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी तैयार किया जा सके। विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच अधिक समन्वय से भारत को एक अधिक सक्षम, समावेशी और प्रतिस्पर्धी कार्यबल मिल सकता है, जो देश को 2047 तक एक विकासशील राष्ट्र बनने में मदद करेगा। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक वरदान बन सकता है, यदि हम इसे कुशलता, योग्यता और आधुनिक जरूरतों के मुताबिक तैयार करें, परंतु अफसोस कि हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक गहरे संकट से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में जो पढ़ाया जा रहा है और उद्योगों को जो चाहिए, इन दोनों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह खाई केवल छात्रों की रोजगार क्षमता को ही नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी गंभीर रूप से बाधित कर रही है। इंडिया

स्किल्स रिपोर्ट- 2024 के अनुसार, भारत में केवल 45.9% स्नातक ही रोजगार के योग्य पाए गए। इसका अर्थ यह है कि हर दो में से एक छात्र, जिसने उच्च शिक्षा प्राप्त की है, वह नौकरी के लायक कौशल से लैस नहीं है। तकनीकी संस्थानों की स्थिति भी निराशाजनक है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25% इंजीनियरिंग स्नातक ही आईटी सेक्टर में कार्य के लिए उपयुक्त पाए गए। यह स्थिति न केवल शिक्षा प्रणाली की विफलता है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों के टूटने की त्रासदी भी है। इस समस्या की जड़ है, सैद्धांतिक और अकादमिक दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रणाली, जो व्यावहारिक दुनिया की जरूरतों से कटी हुई है। विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम दशकों पुराना है, जो आज के डाटा संचालित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रेरित, नवाचार प्रधान उद्योग की जरूरतों से मेल नहीं खाता। आज की नौकरियां पहले जैसी नहीं रहीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डाटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र तेजी से बढ़ रहे हैं। लेकिन, इन उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों में जरूरी बदलाव नहीं हो पा रहा है। उदाहरणस्वरूप, आईआईटी हैदराबाद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक प्रोग्राम शुरू किया है, जो कि एक दूरदर्शी कदम है। लेकिन, अधिकतर विश्वविद्यालय अब भी पुरानी पाठ्य पुस्तकों और व्याख्यानों पर निर्भर हैं। यह स्थिति केवल तकनीकी पाठ्यक्रमों की नहीं है। वाणिज्य, मानविकी, समाजशास्त्र, मीडिया, कानून और अन्य विषयों में भी छात्रों को भविष्य की जरूरतों से लैस नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप वह न तो नौकरी के लिए तैयार होते हैं, न ही नवाचार या उद्यमिता की दिशा में सोच पाते हैं। इस संकट का समाधान केवल एकतरफा नहीं हो सकता। इसके लिए नीति, संस्थान और उद्योग, इन तीनों को एक साथ आगे आना होगा। हर 2-3 वर्षों में उद्योग विशेषज्ञों की मदद से पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विषयवस्तु समय के साथ प्रासंगिक बनी रहे। शिक्षकों को उद्योगों में इंटर्नशिप या एक्सपोजर दिया जाए, ताकि वे छात्रों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप शिक्षा दे सकें। सभी विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में औद्योगिक इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और केस स्टडी आधारित मूल्यांकन शामिल करना चाहिए। तकनीकी और मानवीय विषयों का समावेश : केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सॉफ्ट स्किल्स, संवाद क्षमता, टीमवर्क, सहानुभूति और नेतृत्व जैसे तत्वों का भी विकास किया जाना जरूरी है। कंपनियां विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर रिसर्च लैब्स, इनोवेशन हब और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करें, जैसा कि आईआईटी मद्रास का रिसर्च पार्क इसका उदाहरण है। भारत को यह समझना होगा कि अकेले तकनीकी शिक्षा से संपूर्ण विकास संभव नहीं। हमें वैश्विक मॉडलों से सीखना चाहिए। जर्मनी का ड्यूल एजुकेशन सिस्टम एक शानदार उदाहरण है, जहां सिद्धांत और व्यवहार का समन्वय छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करता है। इसी प्रकार अमेरिका में सामुदायिक कॉलेजे और स्टार्टअप एक्सेलरेटर शिक्षा को उद्योग से जोड़ते हैं। सिंगापुर जैसे देश में हर तीन साल में कौशल समीक्षा होती है और शिक्षा उद्योग के सहयोग से चलती है। भारत को भी एक ऐसा ही डायनामिक करिकुलम फ्रेमवर्क अपनाने की जरूरत है। हालांकि इस दिशा में कदम उठाने के अपने खतरे भी हैं। यदि हम शिक्षा को केवल उद्योग की आवश्यकता तक सीमित कर दें तो हम भविष्य के नागरिक नहीं, केवल कर्मचारी तैयार करेंगे। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति हो सकती है। अत्यधिक व्यावसायिकता छात्रों की रचनात्मकता और नैतिक सोच को कुंद कर सकती है। साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र जैसे विषयों को अगर गैर उपयोगी मानकर नजरअंदाज किया गया तो शिक्षा अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगी। लगातार पाठ्यक्रमों में बदलाव, तकनीकी उन्नयन और उद्योग सहभागिता विश्वविद्यालयों के लिए महंगा साबित हो सकता है, जिससे ग्रामीण और वंचित तबकों की पहुंच सीमित हो सकती है। भारत सरकार ने स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाएं चलाई हैं। इन अभियानों की सफलता तभी संभव है, जब उच्च शिक्षा प्रणाली कुशल, समावेशी और उद्यमशील मानव संसाधन तैयार करें। यह तभी हो सकेगा जब विश्वविद्यालय शिक्षा को उद्योग की जरूरतों से जोड़ने की रणनीति राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। यह सरेखण केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें नैतिकता, सहानुभूति, संवाद और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को भी सम्मिलित करना होगा। तभी हम एक ऐसा भारत बना पाएंगे जो केवल आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं, बल्कि बौद्धिक रूप से भी सक्षम, सामाजिक रूप से समावेशी और सांस्कृतिक रूप से सशक्त होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

प्राइवेट स्कूल का शिक्षक और उसकी मूक पीड़ा

जब भी परीक्षाओं के रिजल्ट आते हैं तो अमूमन सरकारी स्कूलों के मुकाबले प्राइवेट स्कूलों के परिणाम बेहतर होते हैं। इसके पीछे इन स्कूलों के शिक्षकों की कड़ी मेहनत होती है। प्राइवेट स्कूलों में शिक्षकों से उम्मीदें तो आसमान छूती हैं, लेकिन उन्हें न तो उचित वेतन मिलता है, न सम्मान, न छुट्टी और न ही सुरक्षा। महिला शिक्षक दोहरी जिम्मेदारियां उठाती हैं, वहीं शिक्षक दिवस के दिन सिर्फ प्रतीकात्मक सम्मान मिलता है, जबकि सालभर उनका कथित तौर पर शोषण जारी रहता है। अभिभावक, स्कूल प्रबंधन और सरकार तीनों ही इस शोषण को नजरअंदाज करते हैं। शिक्षक के अधिकारों की कोई बात नहीं करता, न ही कोई नियामक संस्था है, जो उनके हितों की रक्षा करे। शिक्षकों को कानूनी संरक्षण, संगठित मंच और सामाजिक सम्मान मिलना चाहिए, ताकि शिक्षा प्रणाली सच में समावेशी और न्यायपूर्ण बन सके। यदि राष्ट्र को शिक्षित और सशक्त बनाना है, तो सबसे पहले शिक्षक को शोषण से मुक्त करना होगा, क्योंकि चॉक से लिखा हर अक्षर, देश का भविष्य गढ़ता है। एक समय था जब गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय जैसे दोहे बच्चों की जुबान पर होते थे। आज हाल ये है कि अगर मास्टर मोबाइल पकड़ लें तो कहा जाता है कि इतनी फुर्सत है तो बच्चों को क्यों नहीं संभालते। जमाना बदल गया है, अब शिक्षक शब्द पवित्रता नहीं, सहनशीलता का प्रतीक बन गया है। इस सहनशीलता का सबसे क्रूर रूप दिखता है प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों की दुनिया में। बाहर से देखिए तो प्राइवेट स्कूल किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं लगते। एसी क्लासरूम, हाईटेक बोर्ड, इंग्लिश बोलते बच्चे और व्हाइट ग्लव्स पहने बस अटेंडेंट्स। लेकिन, अंदर झांकिए, वहां एक मास्टर साहब बैठे हैं, जो न वक्त पर चाय पी सकते हैं, न लंच कर सकते हैं। जो बच्चा होमवर्क न करे, उसकी शिकायत आए तो मास्टर की क्लास लगती है। जो बच्चा एग्जाम में फेल हो जाए तो मैनेजमेंट पूछता है क्यों पढ़ाया नहीं ढंग से। प्राइवेट स्कूलों में सैलरी का सिस्टम इतना गोपनीय है कि सीक्रेट एजेंसियां भी शरमा जाएं। अपॉइंटमेंट लेटर पर 25,000 रुपये लिखा होता है, लेकिन बैंक में महज 8,000 रुपये ही ट्रांसफर होते हैं। बाकी कैश में मिलते हैं या कभी नहीं मिलते। मजे की बात देखिए कि टीचर जब सैलरी का हिसाब मांगता है, तो जवाब होता है, नौकरी चाहिए या नहीं। यदि शिक्षक महिला है तो फिर दिक्कतों की भरमार है। घर में बहू, मां और पत्नी। स्कूल में मैडम, टीचर और दीदी। महिला शिक्षकों को दोहरी जिम्मेदारी के साथ जीना पड़ता है। सुबह पांच बजे से घर संभालो, फिर स्कूल जाओ और वहां 40 बच्चों की जिम्मेदारी उठाओ। ऊपर से अगर पति भी प्राइवेट सेक्टर में हो तो महीने की सैलरी से पहले ही घर का बजट गिरवी रख देना पड़ता है। प्राइवेट शिक्षक की दुश्वारियां यहीं खत्म नहीं होतीं। सरकारी कैलेंडर कहता है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी की छुट्टी हैं, लेकिन प्राइवेट स्कूल कहता है कि आओ, झंडा फहराओ, भाषण दो, फिर हाजिरी लगाओ और जाओ। छुट्टी के दिन भी हाजिरी की मजबूरी। अगर बीमार पड़ गए तो प्रबंधन कहेगा कि छुट्टी नहीं है, डिडक्शन लगेगा। शिक्षक का गला बैठ जाए, तब भी कहा जाता है कि क्लास तो लेनी ही होगी और कोई नहीं है। आज शिक्षक सिर्फ पढ़ाता ही नहीं है, बल्कि वह क्लास टीचर है, परीक्षा नियंत्रक है, अभिभावक संवाद अधिकारी है, व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन है, स्पोर्ट्स डे का आयोजक है और हर हफ्ते सेल्फी वाले वीडियो का संपादक भी। लेकिन, जब सैलरी की बात आए तो कहा जाता है कि आप तो सिर्फ दो पीरियड पढ़ाते हैं। बच्चा अगर टॉप करे तो प्रिंसिपल प्रेस कॉन्फ्रेंस करता है कि हमारे स्कूल का वातावरण ही ऐसा है। यदि बच्चा फेल हो जाए तो मास्टर की जवाबदेही तय होती है। कहा जाता है कि आपने ठीक से पढ़ाया नहीं। जीत स्कूल की, हार शिक्षक की। फोटो बैनर पर प्रिंसिपल की, मेहनत मास्टर की। आजकल अभिभावक चाहते हैं कि शिक्षक तीन महीने में उनके बच्चे को आईएएस बना दे। अगर ऐसा न हो पाए तो कहते है कि हम तो सरकारी स्कूल में डाल देते तो भी क्या फर्क पड़ता। बच्चे की गलती भी अब मास्टर की जिम्मेदारी है। पैरेंट्स मीटिंग में सबसे ज्यादा डांट शिक्षक ही खाता है। पांच सितंबर को बच्चों से हैप्पी टीचर्स डे के फूल मिलते हैं। बच्चे गाना गाते हैं सर आप महान हैं और अगले ही दिन वही बच्चा होमवर्क न करने पर कहता है कि टीचर का क्या है, कुछ भी बोल देते हैं। साल भर की जिल्लत को एक दिन की इज्जत से ढकना, अब आदत बन गई है। नई शिक्षा नीति-2020 कहती है कि शिक्षक की स्थिति मजबूत होनी चाहिए। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि न कोई रेगुलेशन है, न कोई निगरानी। जिला शिक्षा अधिकारी सिर्फ सरकारी स्कूलों की जांच करते हैं, प्राइवेट स्कूलों को छूट मिली हुई है कि वह अपना नियम खुद बनाएं, खुद चलाएं। आज छात्र अधिकारों की बात करता है, जैसे मार नहीं खाना, होमवर्क कम मिलना, रिजल्ट अच्छा आना। लेकिन, शिक्षक के अधिकारों की बात कौन करे। क्या कोई आटीआई लगा सकता है कि मास्टर को उचित सैलरी मिल रही है या नहीं, क्योंकि शिक्षक अधिकारों की बात करना आज भी असहनीय माना जाता है। अब वक्त आ गया है कि शिक्षक चुप्पी तोड़े। सरकार को चाहिए कि एक रेगुलेटरी बॉडी बनाए, जो प्राइवेट स्कूलों की सैलरी, काम के घंटे, छुट्टियां और काम का बोझ तय करे। हर जिले में निजी शिक्षकों की यूनियन बने जो एक स्वर में बोले। अभिभावकों को भी समझना होगा कि शिक्षक सिर्फ एक वेतनभोगी कर्मचारी नहीं, बल्कि उनके बच्चे के भविष्य का निमार्ता है। देश को अगर आगे बढ़ना चाहते हो तो सबसे पहले उस हाथ को संभालना होगा जो ब्लैकबोर्ड पर चॉक से भविष्य रचता है। उस आवाज को सुनना होगा जो हर दिन गुड मॉर्निंग कहकर बच्चे को दिन की शुरूआत सिखाता है। शिक्षक की मुस्कान में देश की मुस्कान छिपी है, लेकिन उस मुस्कान के पीछे कितना दर्द है, ये जानने वाला कोई नहीं।

Social Media Corner

सच के हक में...

पहलगाम के आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मैं अपने इन सभी परिवारों और पूरे देश को विश्वास दिलाता हूँ कि बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले इन आतंकियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं एवं सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना निंदनीय कृत्य है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। इस कायराना हमले को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

टकराव की राह पर विधायिका-न्यायपालिका

तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा की गई आलोचना ने न्यायपालिका और विधायिका के बीच फिर एक बार टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। तमिलनाडु सरकार की ओर से विधानसभा में पारित 10 विधेयकों को राज्यपाल की सहमति से रोके रखने का मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा था। अपने अनूठे निर्णय में न्यायालय ने न सिर्फ इन लंबित विधेयकों को राज्यपाल की सहमति के बिना ही मंजूर घोषित किया, बल्कि राज्यपाल के लिए तीन माह के भीतर ऐसे बिलों को वापस विधानसभा भेजने अथवा राष्ट्रपति के समक्ष विचार हेतु प्रेषित करने की समयसीमा भी निश्चित कर दी। इतना ही नहीं, न्यायालय ने अपने फैसले में राष्ट्रपति को भी निर्देश दिया कि उन्हें राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर तीन माह के भीतर निर्णय लेना होगा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि ऐसे विधेयकों पर राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ राज्य अदालत जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने राज्यपाल की शक्तियों का अधिग्रहण कर विधायिका के कार्य में हस्तक्षेप तो किया ही, संघीय ढांचे में केंद्र की ओर शक्ति के झुकाव को भी कुंद किया। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इसी पर आपत्ति जताई। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के जज यशवंत वर्मा के घर मिले अधजले नोटों के मामले में कोई एफआईआर न दर्ज किए जाने पर भी प्रश्न खड़े किए। समवर्ती सूची में उल्लिखित विषयों पर केंद्रीय कानूनों की सर्वोच्चता, सातवीं अनुसूची में शामिल होने से रह गए अवशिष्ट विषयों पर केंद्र को कानून बनाने का अधिकार, अनुच्छेद 356 के अंतर्गत राष्ट्रपति शासन लगाने का अधिकार ऐसे कुछ प्रविधान हैं, जो केंद्र की सर्वोच्चता को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। अनु. 355 एक ऐसी शासकीय व्यवस्था की कल्पना करता है, जिसमें केंद्र पर यह सुनिश्चित करने का भार होता है कि राज्य सरकारें अपने दायित्व का पालन संवैधानिक प्रविधानों के अनुरूप करें। इसीलिए राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की नियुक्ति की जाती है। गौर करने वाली बात यह है कि राष्ट्रपति की अपेक्षा राज्यपाल के पास कहीं अधिक और वास्तविक शक्तियां होती हैं। कानून एवं व्यवस्था बिगड़ने या फिर असंवैधानिक कार्यकलापों का मामला संज्ञान में आने पर वह विधानसभा भंग करने की सिफारिश भी कर सकता है। अनुच्छेद 200 के अंतर्गत स्वीकृति हेतु राज्यपाल के समक्ष आए विधेयकों को अनुमति देने या राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए आरक्षित रखने की कोई सीमा नहीं है। जिन 10 विधेयकों को लेकर राज्य सरकार ने याचिका दायर की, उनमें एक विश्वविद्यालयों में कुलपति के चयन का अधिकार राज्यपाल से हटाकर मंत्री परिषद को देने की बात करता है। ऐसे में याचिका का दायरा सीमित कर विषय केंद्रित किया जा सकता था, परंतु राज्यपाल और राष्ट्रपति, दोनों के लिए प्रत्येक विधेयक को अनुमति की समयसीमा में बांधे जाने से न केवल राज्यपाल के पद को कमजोर किया, बल्कि राज्य को एक तरह से केंद्रीय पर्यवेक्षी अधीनता से मुक्त कर दिया। ऐसी व्यवस्था के खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। नागरिकता संशोधन और वक्फ कानून के विरोध में पारित प्रस्तावों के जरिये विभिन्न विधानसभाएं कई बार अपने भयावह मंतव्यों को प्रकट कर चुकी हैं। तमिलनाडु विधानसभा तो कोयंबटूर बम धमाकों में निरुद्ध विचाराधीन कैदी अब्दुल नसीर मदनी की रिहाई का प्रस्ताव भी पारित कर चुकी है। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय राष्ट्र की एकता और अखंडता को दुविधाजनक स्थिति में डाल सकता है। हाल में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने संबंधी प्रस्तावित विधेयक को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजा है।

उल्लेखनीय सहमति

तकरीबन साढ़े तीन वर्षों और बैठकों के 13 दौर के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देश महामारियों (पैंडेमिक) की रोकथाम, उनके लिए तैयारी और उन पर प्रतिक्रिया के उपायों पर सहमत हो गए हैं। अभी 16 अप्रैल को अंतरसरकारी वार्ता निकाय ने डब्ल्यूएचओ के महामारी संबंधी समझौते के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया। दुनिया को ज्यादा महफूज बनाने के लिए पीढ़ीगत समझौते के रूप में वर्णित यह मसौदा अब अगले महीने विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा अपनाये जाने के लिए तैयार है। हालांकि डब्ल्यूएचओ द्वारा पहले प्रस्तावित महत्वाकांक्षी मसौदे की बनिस्पत इसका दायरा सीमित है, फिर भी ग्लोबल नॉर्थ और विकासशील देशों की भिन्न प्राथमिकताओं व बाध्यताओं के मद्देनजर यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, खासकर यह देखते हुए कि जनवरी से अमेरिका डब्ल्यूएचओ का हिस्सा ही नहीं है। जहां विकसित देश निदान (डायग्नोस्टिक), उपचार, वैक्सीन और तकनीक हस्तांतरण पर पीछे हट गए, वहीं विकासशील देशों ने साझा की गई सामग्री के इस्तेमाल से विकसित जांच, उपचार और वैक्सीन तक सुनिश्चित पहुंच मिले बगैर रोगाणु नमूने और जीनोम सीक्वेंस साझा करने में हिचकिचाहट दिखाई। ये असहमतियां याद दिलाती हैं कि किस तरह इंडोनेशिया ने 2000 के दशक के मध्य में उस असमतापूर्ण एच5एन1 नमूना साझाकरण तंत्र की ओर ध्यान आकृष्ट किया था, जिसमें उसके नमूनों के इस्तेमाल से विकसित वैक्सीन तक समतापूर्ण और वहनीय पहुंच नदारद थी। पहला अनुच्छेद जिस पर सभी देश सहमत हुए, वह था स्वास्थ्य संबंधी देखभाल से जुड़े कर्मियों की बेहतर सुरक्षा की प्रतिबद्धता। सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रोगाणुओं तक पहुंच और लाभ साझा करने की प्रणाली पर हर देश को सहमत करना था। रोगाणु नमूने और जीनोम सीक्वेंस डाटा साझा करने वाले विकासशील देशों को इस नमूने अथवा डेटा के इस्तेमाल से विकसित किसी भी निदान, वैक्सीन या उपचार तक पहुंच की गारंटी दी गई है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Putting Iranian nuclear genie back is easier said than done

The US and Iran have held their second round of indirect talks over the latter's nuclear programme in Rome on Saturday. The US delegation was led by Special Envoy Steve Witkoff and the Iranian by its Foreign Minister Abbas Aragchi and the indirect talks were mediated by Oman.

As in all things related to the Donald Trump Presidency, it is difficult to gauge the outcome of the ongoing negotiations over the former's nuclear programme. The Iranians have reasons for being wary of dealings with the Trump administration.

Recall that it was Trump who in 2018 peremptorily withdrew from the Joint Comprehensive Programme of Action (JCPOA) to check the Iranian nuclear programme that was negotiated by the P-5 (the US, China, France, the UK and Russia) plus Germany. He was also responsible for the 2020 assassination of Iran's top general, Qassem Soleimani, and had initiated the policy of "maximum pressure" on Iran in his first term.

The two sides will now begin drawing up a framework for a potential nuclear deal. Iran's Foreign Minister said that the talks had yielded "very good progress." Experts-level meetings will now begin and the top negotiators will meet again on Saturday in Muscat, Oman.But this does not mean that an agreement is anywhere near. The differences between them are wide and, possibly, even unbridgeable.In an interview with Fox News last Monday, chief negotiator Steve Witkoff said that the US position was that Iran would have to stop enriching uranium to the level of 20 and 60 per cent and implied that it could be allowed to do so to the level of 3.67 per cent, which is sufficient for civil nuclear energy uses. He also said Iran would have to verify that it does not build ballistic missiles that could deliver nuclear weapons or build nuclear weapon triggers.

However, on Tuesday morning, Witkoff clarified that any final deal would require a complete elimination of the Iranian enrichment and weaponisation programme.Last Tuesday, Trump convened his top officials and advisers for a meeting to plan for the second round of talks that were held on Saturday.Trump also spoke on the phone to the Sultan of Oman, Haitham bin Tariq, and discussed the Omani mediation between the two countries. A day earlier, Trump told reporters that Iran needed to move fast and may be stringing the US along with negotiations.There is substantial debate within the Trump administration on the way forward. One school of thought is backed by Vice-President JD Vance, Special Envoy Steve Witkoff and Defence Secretary Pete Hegseth, who think that the best path is through negotiations.They do not want the US to get involved in yet another mid-East conflict and put US soldiers in harm's way.

While the other school of thought, backed by Secretary of State Marco Rubio and National Security Adviser Mike Waltz, wants military strikes, a course of action also being egged on by Israelis. They are skeptical about whether an acceptable deal can be worked out with Iran.

They believe that Iran is extremely weak right now, through a combination of last years' Israeli strikes and economic strain on account of sanctions and the losses suffered by its regional allies Hezbollah, Hamas and the Assad regime in Syria.

The US-Iran public positions are well known and seemingly irreconcilable. Trump has vowed to prevent Iran from ever getting a nuclear weapon, while Teheran insists that it will never give up the right to nuclear enrichment.The challenge is to ensure an agreement that will accommodate both views. The US feels that removing all enriched material from Iran and blocking any Iranian capacity to enrich uranium is the way to go.

The Iranians believe that they should be allowed to enrich uranium for their civil nuclear programme.

The devil, of course is in the details. In 2016, when the JCPOA took effect, Iran had a stockpile of less than 300 kg of uranium of 3.67 per cent purity and 5000-odd centrifuges.

Education for sale: Middle class contradictions

Isn't it a fact that many of us from the middle class have never bothered to put pressure on the government so that our govt-aided schools become truly well equipped to provide good quality education to our children?

As I come to know about the protests held recently by furious parents outside several private schools in the national capital over a steep hike in fees — from tuition charges to additional levies for air-conditioned classrooms, I reflect on the contradictions that characterise the life-trajectories of the upwardly mobile aspiring class. Yes, I understand that they have solid reasons to be angry if the fancy private schools where they send their children for education increase the fees arbitrarily, refuse to initiate any negotiation with them and force them to buy overpriced uniforms, notebooks and non-NCERT textbooks. I empathise with a parent when he says that it is exceedingly difficult for a single-income family to pay, say, Rs 50,000 extra per child annually.Yet, I can't escape from asking a counter-question to these angry parents: Were they not aware that their decision to send their children to these fancy private schools was like giving their consent to the marketisation and commodification of education? And, isn't it a fact that many of us who belong to this class have never bothered to put pressure on the government so that our government-aided schools become truly well equipped to provide good quality education to our children?

In fact, every morning when I see them — doctors, lawyers, engineers, civil servants, professors and other professionals — waiting with their children for the air-conditioned school buses to pick them up, I see yet another harsh reality that characterises this highly unequal/asymmetrical country: malnourished children with torn clothes walking towards nearby municipality schools.Seldom do these two worlds meet. In fact, we didn't want this merger. We didn't fight for a shared and well-functioning public domain. Instead, we began to separate ourselves from everything that is 'public'. From public transportation to our own private cars or from government hospitals to private nursing homes. We separated ourselves from the struggles of the poor, the subaltern and the lower middle class.

The result is the growing withdrawal of the state from all socially meaningful welfare practices. And hence, it looks somewhat hypocritical if we begin to cry that the annual tuition fee of a well-known private school in New Delhi is Rs 2 lakh, excluding additional charges like registration, development, exam fees and transportation. It is like thinking that a fancy corporate hospital will charge less if you and I cry, and state the tales of our financial difficulties!It is, indeed, a matter of concern that our public schools, colleges and universities are declining fast and there is a mushrooming growth of private enterprises. Possibly, my generation was somewhat lucky. Yes, I was a student of a Bengali-medium government school in West Bengal. Well, in our school, we didn't speak English fluently; we didn't possess what this generation values as appropriate 'cultural capital': a set of symbols and practices that distinguish one from everything that is 'ordinary'.

And yet, I have no hesitation in saying that we found the company of reasonably good teachers and our academic skills were quite satisfactory. Moreover, in this government school, I experienced the ecstasy of diversity and plurality. My friends belonged to different castes, classes and religions. There was no segregation between the rich and the poor. In fact, those who are protesting against the fee hike in front of private schools will be surprised to know that when I was writing my board examination in 1974, the tuition fee was merely Rs 5 per month!Possibly, the great vision of "common schools" that distinguished the recommendations of the Kothari Commission of Education, 1966, was still alive. India was poor; but then, the logic of market fundamentalism implicit in the neoliberal doctrine of 'efficiency' and 'growth' was not so distinctively visible. From government schools to inclusive and affordable public universities, our journey, even though not perfect, taught us that without some sort of socialist/welfare policies, India could not overcome the curse of inequality and exploitation and move towards a democratic and egalitarian nation.However, in our times, the glitz of neoliberal market fundamentalism seems to have seduced people like us. No wonder, we do not demand anything substantial from the government. Instead, we have taken it for granted that almost everything — be it education, health and even fresh air - is a commodity. And, if you and I have the money, we can buy it. This neoliberal faith in private solutions to public issues is so deep that we have forgotten to demand anything substantial from the government. Accept our contradictions. We want these education shops to reduce the price of packaged/commodified education.However, we refuse to come to the street and demand from the government that the taxes we pay have to be used properly so that we could find at least affordable, inclusive and good quality public schools, public universities and public hospitals.

It is this indifference to our shared public concerns that has led to a situation in which we see the growing decline of all government-aided schools, colleges and universities. Take, for instance, my own school that once enchanted me. Today, as I visit this government school, I notice the all-pervading decay — empty classrooms, poor enrolment and demoralised teachers. And I see the love affair of the middle class with fancy private schools and branded coaching centres. The message is clear: Education is not your right; it is a commodity in the marketplace you have to buy; and if you don't have the required money, forget it!Can people like us overcome these contradictions, come to the street, resist the ugly commodification of education and pressure the government to nurture affordable, inclusive and good quality public schools and universities?

Kidney swap policy

From red tape to real change in transplants

India's kidney transplant landscape may be on the cusp of meaningful reform. The Centre's push for a unified 'one nation, one swap transplant' system aims to streamline kidney exchange procedures across states. This idea is long overdue in a country where nearly two lakh patients require transplants annually, yet only a fraction receive them. The initiative draws strength from recent milestones. Ten patients received kidneys through swap transplants in Ahmedabad earlier this month, marking a remarkable achievement in paired donation. These transplants, where incompatible donor-recipient pairs are matched with others in a similar situation, offer a lifeline when direct donation isn't possible. Yet, the system remains underutilised, constrained by state-level silos, rigid regulations on donor-recipient relationships and a lack of awareness.

The Centre's move, backed by the National Organ and Tissue Transplant Organisation's recent directive to states and union territories, attempts to correct this by enabling broader geographic matches and creating a national registry of incompatible pairs. It's a step that could save countless lives, especially for patients whose only mismatch is bureaucratic, not biological.

But the process of approvals for swap transplants must be expedited. The definition of 'near relative' under current rules often acts as a barrier for those willing but disqualified by paperwork. Also, public trust must be rebuilt, especially in light of recurring organ trafficking scandals. India is the world's third-largest transplant hub, but size alone doesn't equal equity or access. A centralised swap transplant mechanism could be the game-changer — provided it's implemented transparently, ethically and with sensitivity to the needs of patients and their families. In the world of organ transplants, time is not a luxury. For thousands awaiting kidneys, a national swap system offers hope; not just for survival, but for a life renewed.

Safer roads can spur North-east's march

They are essential as the region seeks to locate its place in a new Asian architecture

There are so many issues to write about in the region that is popularly known as the North-east — and they are, for the most part, interesting. The rest of the country knows little about many of them, still caught by bold headlines, brassy anchors and ill-informed social media posts.

Let's take a handful: there's the unending tragedy in Manipur, now in its third year; the Naga talks go on without a resolution and a new faction has split from the dominant group and walked across to the highlands of Myanmar to join rebels there (of course, it does not make it any easier that the original three factions have fragmented into nine in the space of a few years). Assam is in the midst of campaigning for panchayat elections on the back of a successful investment summit where vast amounts of investment funds were promised.Cricket icon Sachin Tendulkar has just completed a much-hyped visit to Meghalaya at the end of which his foundation and the Gates Foundation signed an agreement with the state government to improve health conditions for children.Yet, if one has to pck one sector that has shown remarkable improvement in the region, it's the highways and communications infrastructure. I can vouch for this, having travelled a lot these past decades over back-breaking roads where vehicles would lurch along, avoiding potholes, pick up speed occasionally before abruptly slowing down because of a new bad patch. There are still challenging sections such as the Dimapur-Kohima highway, where a four-lane highway is still in the works decades after it started because of the fragile nature of the hillsides out of which the roads are being carved.These days, it is easy to drive from Guwahati to Bhutan or from Dibrugarh to Arunachal Pradesh or from Aizawl to the border town of Champhai near Myanmar. The landscapes are dazzling. The earlier wearying, agonising journeys have turned pleasurable. This is visible in the constant flow of tourists across the region as Indians travel extensively to explore a space unique for its natural beauty and a range of rich and vibrant cultures but that once was a no-go area thanks to insurgency and violence.Guest houses to suit different budgets are springing up in towns large and small, as are local restaurants made famous by energetic YouTubers. The latter are eager to espouse these cuisines (and increase their following and income) to a generation in India that is ready to explore new tastes and spaces.

Interestingly, local communities are also catering to tourist tastes. Thus, in Sohra, better known as Cherrapunji, the place of legendary rainfall, roadside restaurants now serve Bengali, Gujarati and Assamese thalis, with a focus on vegetarian cuisine. This is very unlike the local fare, where the best and tastiest delicacies are traditional meats of various kinds, made in unique ways. Be that as it may, this is as much a part of business as anything else.Better roads have shortened journeys, connected long-separated communities with each other and given depth to India's Act East Policy. However, that policy does not seem to be going very far, at least by road, because neighbouring Myanmar is in the throes of a civil war and Bangladesh continues to be in a state of upheaval. In addition, Dhaka's hostility to New Delhi after the ouster of former Prime Minister Sheikh Hasina has not made matters easier.But road safety remains an issue. The other day, I was driving with a cousin in her vehicle to the ancestral sleepy town of Nagaon in the plains of Assam for a family event. We had just passed the town of Jagiroad where the Tatas had announced an investment of Rs 27,000 crore for an international semiconductor plant. We spoke about that and the promise of growth.Suddenly, we saw groups of people gathered along the highway. There's been an accident, the driver said, as we slowed down. A woman in a yellow and green sari lay sprawled on the roadside at an impossible angle. She was not moving. A young woman was screaming out her mother's name in agonised grief as people held her back. It is an image that will stay with me. A motorcyclist, possibly involved in the accident, sat on the other side of the road, shaking his head and holding his helmet. An ambulance stood nearby.

We fell silent and my mind went back nearly a decade back when on this very highway, I saw the crumpled figure of a man on the road. My car's driver told the story: the man had got off the bus and was walking across the road when a motorbike with two men on it came screaming down the highway. The bike hit the man, who collapsed on the spot, careened off the road to the right and fell into a ditch with both riders.The inflow of new infrastructure and money has also meant new vehicles, which zoom across highways at great speeds. The Assam Tribune has quoted the Ministry of Road Transport and Highways as saying that more than 13,700 people were killed in road accidents in the state between 2018 and 2022.Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma noted earlier this year, "Between December 24, 2024, and January 15, 2025, there were 163 fatalities, compared to 195 during the same period last year, marking a 16.41 per cent decrease. While this improvement is encouraging, the loss of 163 lives remains a grave concern. We must continue working together to prevent every… death and ensure safer roads."Distances may have shortened, speeds have increased, infrastructure has improved — but safer driving is more critical now, as are more highway patrols. They are essential as the region seeks to locate its place in a new Asian architecture.

100% tariffs create anxiety': Tesla says still weighing when to enter India

New Delhi. Tesla is still undecided on when to start operations in India despite calling it a "very hot market," with steep import duties continuing to cloud the company's plans, CFO Vaibhav Taneja said on Speaking after Tesla's dismal Q1 results—net profit plunged 71% year-on-year—Taneja pointed to India's 100% import tariffs as a key hurdle. "The same car which we're sending is 100% more expensive than what it is," he said during the earnings call. "So that creates a lot of anxiety. People feel they're paying too much."Tesla has lobbied India for years to cut its sky-high duties, with Elon Musk calling them among the steepest in the world. Despite no breakthrough yet, Tesla has recently leased showroom space and listed over two dozen job openings in India.Shipment records also show the company imported a Model Y from Germany in March at a declared value of $46,000.

Talks are ongoing between Indian officials and the Trump administration on a broader trade deal, under which the US has requested that India eliminate import tariffs on electric vehicles.But any sweeping reduction is likely to face pushback from domestic automakers like Tata Motors and Mahindra, who argue that easing tariffs too quickly could erode India's local EV industry.Tesla came close to announcing a major India entry last year, with Musk expected to unveil a $2–3 billion investment that included plans for a local factory. That trip was called off at the last minute, but Musk now says he plans to visit India in 2025 following a conversation with Prime Minister Narendra Modi about tech collaboration.Even as Tesla tiptoes toward India, the company is battling broader headwinds, with rising competition and slowing demand denting its financials. Still, Taneja's remarks suggest the India story is far from shelved—just stuck in neutral.

RBI issues a new directive for banks to curb digital fraud. Details here

NEW DELHI. In a major step to make digital banking safer, the Reserve Bank of India (RBI) has told all banks to move their websites to a new and secure domain, '.bank.in'. Banks must complete this shift by October 31, 2025, as per a circular issued by the RBI.The RBI, in its circular dated April 22, 2025, stated, "It has now been decided to operationalise the '. bank.in' domain for banks through the Institute for Development and Research in Banking Technology (IDRBT), which has been authorised by National Internet Exchange of India (NIXI), under the aegis of the Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), to serve as the exclusive registrar for this domain."

WHY THIS MOVE?

Online fraud is rising, and many people have fallen prey to fake banking websites. To fight this, the RBI had earlier announced the plan to introduce exclusive domains for banks and financial institutions. Now, that plan is taking shape.This initiative is aimed at strengthening the cybersecurity framework and enhancing public confidence in digital banking and payment systems," mentioned RBI in its circular.

Hence, when customers see a website ending with '.bank.in', they can be sure it is genuine. This move is expected to reduce online fraud, stop phishing attacks, and help people trust online banking more.

KEY THINGS TO KNOW

What is '.bank.in'?

It's a special internet domain only for Indian banks. It helps customers know they are on a real bank website, not a fake one.

AISATS invests Rs 200 crore in new logistics park at KIA

BENGALURU. Air India SATS Airport Services Private Limited (AISATS) launched the AISATS BLR Logistics Park at Kempegowda International Airport (KIA) here on Tuesday. Built with an investment of Rs 200 crore, the greenfield warehousing facility is one of the largest on-airport logistics parks in South India.Spread across eight acres within the country's third busiest airport, the AISATS BLR Logistics Park comprises a cluster of three distinct buildings serving a range of cargo needs. A modern two-level main warehouse offers over 2,40,000 sqft of Grade A warehousing space, designed to serve freight forwarders, express courier operators and logistics companies. The main warehouse also includes a common-user general warehouse space to serve SMEs, and cold storage warehouse space for pay-per-use access.

Complementing this, is an 11,000-sqft public bonded warehouse that will allow importers and OEMs to securely store and manage their cargo shipments under Customs bond. As a bonus, the park also offers an office block with 24,000 sqft of space for Customs House Agents, logistics companies, and support services.AISATS will also provide trucking services with the aim to ensure economical, seamless cargo movement between the logistics park and cargo terminals, which are located 3 km from each other, at the airport.

As one of the astest growing airports globally, KIA commands a 13% market share in total volume cargo across India, and a whopping 40% share in cargo processing among airports in South India. It also boasted annual cargo tonnage of 5,02,480 MT in FY25, while aiming to handle 1 million MT of cargo by 2030. Against this backdrop, the airport services management major looks to enhance cargo handling capabilities, improve operational efficiencies, and cater to the rising demand for a faster and more sustainable cargo supply chain.The AISATS BLR Logistics Park is set to play a crucial role in strengthening Bengaluru's air cargo capabilities, boosting trade, and reinforcing India's position as a leader in industrial and economic development.

Elon Musk says he'll spend 'less time at DOGE' as Tesla profits fall 71%

Musk to cut DOGE time after Tesla profits drop 71%

Tesla shares rose 5.5% post-Musk's announcement

Tariff issues affect Tesla's China operations, growth forecast

New Delhi. Tesla CEO Elon Musk has said he will reduce the amount of time he spends at the Department of Government Efficiency (DOGE) from May, following a sharp 71% drop in Tesla's profits. Musk made the announcement during a conference call with analysts on Tuesday, where he spoke about his future plans and the current condition of Tesla's business.

DOGE, a government body aimed at cutting public spending, has been a major focus for Musk over the past several months. His active role in it has drawn attention and caused political debates, especially as it led to protests and vandalism at several Tesla showrooms.

Some investors have also expressed concern that Musk was not spending enough time running Tesla, especially as the company's sales and share price have declined in recent months.Musk said the main work needed to set up the DOGE team and start its cooperation with the government was mostly finished."The large slog of work necessary to get the DOGE team in place and working with the government to get the financial house in order is mostly done," Musk said as quoted by Reuters. However, he still plans to spend about 40% of his time on DOGE.

Following his comments, Tesla shares, which had already gained 4% in after-hours trading before the call, rose further and were up by 5.5%. Despite this short-term boost, Tesla's stock remains far below its peak, having nearly halved since December.Tesla released its first-quarter results after the market closed on Tuesday. The company reported that while its core auto business performed slightly better than expected in terms of profit margins, total auto revenue fell by 20%, and net profit dropped by 71%. These results were below Wall Street's expectations.

The electric vehicle maker said that it was still working toward producing an affordable car model, but warned that it may have to revise its growth forecast within the next three months. This is due to difficulties in assessing the effects of changes in global trade policies and political conditions, which the company said could affect demand and supply chains.Ongoing tariff issues between the United States and China have added further uncertainty. Tesla has paused some imports of parts from China after the U.S. government raised tariffs on Chinese goods to 145%. In response, China has introduced its own tariffs, which has led Tesla to stop accepting new orders for its Model S and Model X vehicles in the Chinese market.Speaking about the wider economic conditions, Musk said that Tesla was not immune to reduced demand. "Absent the macro issues, we don't see any reduction in demand," he said. He explained that when the economy is uncertain, people often delay big purchases like cars. He also said that tariffs are likely to affect Tesla's energy business more than its car business.

Renault strengthens India presence with design centre in Chennai

NEW DELHI. Renault is strengthening its presence in India with the launch of its largest design centre outside Europe in Chennai.This strategic move supports the French carmaker's plan to introduce five new models in the country over the next three to five years. The new centre, built with an initial investment of 1.5 million, will serve as a key pillar of Renault's International Gameplan 2027, aimed at expanding its footprint in emerging markets.The initiative also marks a shift in Renault's alliance with Nissan. Renault set to acquire Nissan's 51% stake in their Indian joint venture. "All employees are being absorbed, and operations will continue as usual," said Venkatram Mamillapalle, CEO and country managing director, Renault India. The Chennai facility will focus on models designed for Indian consumers while also contributing to global projects."We began our design journey in Pune and Mumbai before the Chennai plant came into being," said Laurens van den Acker, chief design officer, Renault Group. "We later consolidated operations in Chennai to work more closely with our R&D and engineering teams at RTCbi."

Renault has since closed its Pune and Mumbai studios, and the Chennai centre is now three times the size of its former Mumbai facility. The centre features advanced tools, including 3D model evaluation zones, VR integration, and an 8.5-metre-wide LED wall.Renault is also developing an electric vehicle for both the Indian and international markets. Despite earlier successes with models like the Duster and Kwid, the company has faced challenges competing with Maruti Suzuki and Hyundai in recent years.

To regain momentum, Renault is focusing on deep localisation-it already manufactures vehicles in India with up to 90% local content. The company is also moving to take full ownership of its Chennai plant, previously part of its alliance with Nissan. The new design centre's philosophy, Tactile Confluence, blends European minimalism with Indian cultural elements, reflecting Renault's growing commitment to India.

Forgot to declare your tax regime choice to employer Here's what happens

NEW DELHI. If you're a salaried employee, your employer must have asked you to choose betw een the old and new tax regimes for the current financial year (2025-26) for TDS purposes.

Selecting the right regime according to your income and eligible deductions, can help you save a fair bit of money during the year. However, forgetting to inform your employer or being late with a deadline can happen.

Let's understand in this article what happens if you miss informing your employers about your preferred tax regime.WHY TELL THE EMPLOYER ABOUT TAX REGIME?Your employer deducts tax from your salary every month. This is called TDS (Tax Deducted at Source). To calculate the correct amount, your employer needs to know which tax regime you've chosen. If you don't inform them, they'll go with the default option, which is the new tax regime.

The government made the new tax regime the default one from April 1, 2023. So, if you say nothing, tax will be deducted as per the new regime, even if the old regime would've saved you more money.

WHAT COULD GO WRONG?

If the old regime is better for you, and you have invested heavily under Section 80C, but don't inform your employer, more tax might be deducted from your salary during the year. You'll have to wait till next year to claim a refund when you file your income tax return (ITR). That means your money will stay stuck with the tax department for months.On the other hand, if the new regime suits you anyway, there's no loss. But it's still a good idea to confirm your choice with your employer.

CAN YOU CHANGE THE REGIME MIDWAY?

The tax rules don't say if you can switch regimes halfway through the year for TDS purposes. Usually, employers don't allow it, because switching mid-year makes tax calculations tricky. So, it's best to make an informed choice early on and stick to it.

WHAT IF YOU CHANGE JOBS DURING THE YEAR?

You can choose a different regime with your new employer. The declaration you make is only for that employer's TDS calculation. When you join a new job, you'll need to tell them which regime you want for salary processing.

"You can switch tax regimes when changing employers.

BluSmart hires Grant Thornton for forensic audit after Sebi probe: Report

NEW DELHI. BluSmart, India's all-electric ride-hailing startup, has brought in global consultancy firm Grant Thornton to conduct a forensic audit, two sources familiar with the matter told news agency Reuters.The move follows a regulatory order that alleged co-founder Anmol Jaggi diverted funds meant for electric vehicle procurement for personal use.

BluSmart, which operates over 8,000 EV taxis and has a strong presence in cities like Delhi, Mumbai, and Bengaluru, had to suspend services last week.This came after the Securities and Exchange Board of India (Sebi) barred Jaggi from accessing the securities market. The regulator accused him of misusing funds from Gensol Engineering—his listed firm and a key supplier to BluSmart—to buy luxury assets, including a $5 million apartment and a $30,000 golf set.In light of these findings, BluSmart's board has appointed Grant Thornton to dig deeper into the company's finances. The firm is expected to examine the company's cash position and track fund flows to determine if fraud occurred, according to one of the sources. "The cash situation is concerning," the source added.

Neither BluSmart nor Grant Thornton responded to requests for comment. SEBI's investigation into Gensol had earlier flagged a complete breakdown of internal controls. It found that around $78 million in loans taken by Gensol had been rerouted through complex transactions for non-business purposes.Gensol, where Jaggi serves as managing director, had been supplying electric vehicles to BluSmart under a leasing arrangement. The company has stated it will cooperate with SEBI's directive for a forensic audit. Meanwhile, its stock has plunged nearly 90% since the start of the year.

BP Ventures, the investment arm of British energy giant BP and one of BluSmart's prominent backers, has not yet commented on the developments

Gold price falls from all-time high. Check latest prices in India

Gold prices in India dropped sharply on April 23

Silver prices also decreased, falling by Rs 387 per kg

Price drop linked to US-China trade optimism

New Delhi. Gold prices in India fell sharply on April 23, after touching record highs just a day earlier. The drop comes as investors reassess their safe-haven bets following global developments, especially around the United States and China trade talks.

At 9 am on April 23, gold pices on the Multi Commodity Exchange (MCX) dropped by Rs 1,358 per 10 grams to Rs 95,982 per 10 grams. Silver prices also fell, down by Rs 387 per kg to Rs 95,492 per kg. This fall comes after gold had reached an all-time high of Rs 99,350 per 10 grams on April 22. In just one session, MCX gold fell by Rs 3,900.

According to the Indian Bullion Association (IBA), the price of 24-carat gold was Rs 96,200 per 10 grams at 9 am on April 23. The price of 22-carat gold stood at Rs 88,183 per 10 grams. Meanwhile, silver (999 Fine) was priced at Rs 95,940 per kg.Gold prices had been rising earlier due to a weaker US dollar, growing fears of a global recession, and ongoing trade tension between the United States and China. However, the sentiment changed after a more positive message from the US President.Dr Renisha Chainani, Head of Research at Augmont, explained the shift in prices. She said, "Gold prices have plummeted by over $200 (around Rs 4,000) from their high of $3,509 (around Rs 99,350) due to US President Donald Trump's retraction of threats to fire Federal Reserve Chair Jerome Powell and his optimism for a trade deal with China, decreasing gold's safe-haven appeal."She added, "As suggested yesterday, if prices fall below $3,450 (around Rs 97,000), we may see a topping-out signal and profit booking can move prices southward to around $3,300. The same thing has happened. Now, prices are expected to trade in the range of $3,320 (around Rs 95,500) to $3,400 (around Rs 96,500). Silver prices have been trading in the range of $32 (around Rs 94,000) and $33 (around Rs 97,000) and are expected to continue in the same range this week."

Here is a look at city-wise prices for gold and silver as of April 23:

In Bengaluru, 24-carat gold was priced at Rs 96,080 per 10 grams, while the MCX rate stood at Rs 95,982 per 10 grams. Silver was priced at Rs 96,040 per kg.

In Chennai, gold was priced at Rs 96,260 per 10 grams, with MCX gold at Rs 95,982. Silver was priced at Rs 96,100 per kg.In New Delhi, gold was priced at Rs 95,820 per 10 grams and silver at Rs 95,660 per kg.In Hyderabad, gold was priced at Rs 96,160 per 10 grams and silver at Rs 96,120 per kg.In Kolkata, gold was slightly cheaper at Rs 94,860 per 10 grams, while silver was at Rs 95,700 per kg.In Mumbai, gold was priced at Rs 95,990 per 10 grams and silver at Rs 95,820 per kg.

'Sharbat jihad': HC pulls up Patanjali, says 'can't believe eyes and ears'

As court says its "conscience shaken", Patanjali says it will pull down videos allegedly against Rooh Afza

New Delhi. THE DELHI High Court Tuesday directed Baba Ramdev's Patanjali to immediately pull down all its advertisements allegedly referring to Hamdard's popular drink Rooh Afza as "Sharbat Jihad," saying they "shocked the conscience of the court". "I couldn't believe my eyes and ears," Justice Amit Bansal, who was hearing the case, said about Patanjali's videos.Senior advocate Rajiv Nayar, appearing for Patanjali, told the court that the videos will be pulled down.

When the case first came up in the court Tuesday morning, Justice Bansal observed: "This is shocking. Shocking. It shocks the conscience of the court. Please take instructions immediately. This is indefensible according to me. Take instructions, otherwise there will be a strong order."

Hamdard, through its charity wing Hamdard National Foundation India, has moved a suit claiming trademark infringement and disparagement, as well as defamation against Patanjali Foods Limited and Baba Ramdev, citing a video that showed Ramdev claiming that his competitor's profits were used "for building masjids and madrasas." Profits from Patanjali's "rose sharbat", he said, go towards building "gurukuls, acharyakulams and Patanjali University". "Jaise love jihad, vote jihad chal raha hai naa, waise sharbat jihad bhi chal raha hai (Like there is love jihad and vote jihad, there is sharbat jihad)," Ramdev added.

Hamdard, in its suit, is also seeking a permanent injunction restraining Patanjali from infringing and disparaging its trademark, damages upto Rs 2 crores, as well as seeking an apology and retraction. It is also seeking the court's direction to the Ministry of Electronics and Information Technology and the Department of Telecommunications (DoT) to take down the links of the objectionable material.

Appearing for Hamdard, senior advocate Mukul Rohatgi Tuesday read out tweets and the content of the video, where Ramdev allegedly makes a reference to Rooh Afza.

Rohatgi added: "Hamdard requires no elaboration… We have all grown up with Rooh Afza. This is a case which is shocking, this goes beyond disparagement, it goes beyond normal cases. This is a case creating communal divide, it is akin to hate speech. This is commercial speech and will not have protection under the law of defamation… You cannot go about branding whatever you want… He says 'sharbat jihad'. Jihad is a war in the name of religion, so you are attacking my religion, because it is well known that Hamdard belongs to people of the Muslim community."

Delhi HC quashes charge against mother who delayed reporting sexual abuse

NEW DELHI. The Delhi High Court clarified that Section 21 of the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act is meant to prevent the concealment of child sexual abuse and ensure timely reporting in the child's best interest. It is not intended to punish those who, despite their personal struggles, eventually come forward.Justice Swarana Kanta Sharma, in her judgment, stated, "If judges begin to treat delay and silence – caused by trauma or social oppression – as criminality, we risk turning the protective intent of the law into an instrument of oppression itself. Justice cannot be sacrificed for technicalities."Section 21 of the POCSO Act addresses the failure to report or record incidents of sexual offences against minors. It allows punishment by imprisonment, fine, or both for those who neglect to report such offences. This case involved a mother charged under Section 21 after her minor daughter alleged sexual assault by her father and two sons of her sister-in-law. The mother also claimed she was physically assaulted by her in-laws. An FIR was filed after the child's statement.

During the investigation, it was noted that the mother had made three PCR calls about physical abuse by her in-laws but had not mentioned the sexual assault on her daughter. Based on this, charges under Section 21 were brought against her. However, the Court found this charge to be flawed and allowed the mother's plea. It ruled that she had not tried to protect the accused but was also a victim of domestic violence by the same people she was expected to report. The Court also emphasised that the child's medical examination and legal proceedings were initiated only because the mother eventually intervened.

Dry promises: Tap water eludes UP's Bundelkhand despite government claims

New Delhi. Despite rapid infrastructure development, the issue of clean drinking water continues to plague Uttar Pradesh's Bundelkhand. Residents of Chureh Kesharva village in Chitrakoot are facing an acute shortage. Taps, tube wells, and hand pumps dot the villages, but water remains scarce, forcing women and children to travel long distances to fetch it.The seriousness of the situation can be gauged by the fact that a nine-year-old girl, Annu, carries multiple 20-litre buckets of water daily, despite weighing only 15 kg. Her mother attributes their struggle to incomplete tap connections, saying, "The family's plight is due to incomplete tap connections."

Similarly, Ranjana, a 12th-grade student in the village, relies on hand pumps for water. She repeatedly fills bucket after bucket, demonstrating her endurance in the face of adversity.

"They promised water connections that never materialised," a resident said, frustrated by the negligence affecting her community.

The progress in providing tap water connections under Jal Jeevan Mission in Uttar Pradesh is slow. The Chitrakoot District Magistrate said that efforts are underway to improve supply, promising, "Plans are in place to saturate the area with tap water connections within six months."The Jal Jeevan Mission has approved 40,951 schemes in Uttar Pradesh, with a total budget of Rs 1,52,521.82 crore. Officials have reported 100 per cent tap water coverage in 24,576 villages, benefiting over 4.86 crore people. However, the stark reality in Chitrakoot tells a different story, exposing the gap between policy promises and everyday struggles.

Delhi AQI worsens: Environment minister Sirsa calls it a 'health emergency', orders crackdown on polluters

NEW DELHI. In response to the worsening air quality in the capital, Delhi Environment Minister Manjinder Singh Sirsa on Monday held an emergency review meeting and ordered immediate action against high-polluting industries, institutions, and construction sites.

Chairing the meeting with senior officials from the Environment Department and the Delhi Pollution Control Committee (DPCC), Sirsa expressed concern over the rising Air Quality Index (AQI) and termed the situation a "health emergency." He instructed officials to take swift and time-bound action to mitigate

pollution, including the suspension of construction work at sites flouting dust control norms.

Authorities were directed to identify and act against major sources of emissions, while ensuring that mitigation measures were implemented without delay. As part of immediate interventions, Sirsa asked officials to deploy water sprinklers and anti-smog guns at large construction zones and pollution hotspots. He also stressed the importance of monitoring air quality in sensitive areas, particularly around schools and hospitals, using real-time data.

"Environmental responsibility is not on one department but a collective duty of all," Sirsa said, urging stronger inter-departmental coordination. He also directed the Municipal Corporation of Delhi and the DPCC to submit daily progress reports and warned that repeated violations would invite strict penalties.Highlighting the role of civic engagement, Sirsa called for enhanced public awareness campaigns targeting Resident Welfare Associations (RWAs), market bodies and construction agencies.

Delhi to double Wazirabad pond capacity in major desilting push

NEW DELHI. In an effort to enhance Delhi's water supply, the Delhi Jal Board (DJB) has initiated a large-scale desilting project aimed at increasing the storage capacity of the Wazirabad pond, a key raw water source in the capital.

The initiative, expected to significantly boost water production, comes at a time when the city continues to fall short of its daily water requirement. Earlier this month, Water Minister Parvesh Verma visited the Wazirabad water treatment plant and announced the government's plan to take up desilting operations in the pond area located in North Delhi.

The DJB has since floated a Rs 25 crore tender to remove 3.63 lakh cubic metres of accumulated silt, which officials say has drastically reduced the pond's holding capacity."The work will be carried out upstream of the river, starting from Wazirabad up to Ramghat, which is a distance of around 1 km. Usually, during the monsoon season, silt is carried away downstream, but this is legacy silt, which has accumulated over the years," a DJB official explained. Once the desilting is complete, a process expected to take two months, the pond's storage capacity is projected to nearly double, adding around 100 million gallons per day (MGD) of holding space. The Wazirabad barrage serves as the first interception point of the Yamuna River within Delhi and feeds one of the largest water treatment plants in the city.

While the WTP is designed for a 220 MGD capacity, it currently functions at under half that due to silt-related limitations. "The Wazirabad WTP has a storage capacity of 220 MGD, but due to silt accumulation along a one-km stretch, it is currently holding only around 100 MGD," Verma said.

Water production in the capital has grown steadily — from 927 MGD in 2020-21 to around 990–1,000 MGD in 2024 — yet still lags behind the estimated 1,290 MGD demand, as highlighted in the Economic Survey. During his earlier inspection, Verma drank treated water at the facility to demonstrate its safety. He also stressed the need for improved infrastructure.

Delhi sees warm and dry day, no relief in sight as temperature could rise further

NEW DELHI. The capital experienced another hot and dry day on Tuesday, with temperatures nearing 40°C and clear skies prevailing across the region.The India Meteorological Department(IMD) reported that the Safdarjung observatory recorded a maximum temperature of 39.9°C and a minimum of 20.9°C, both above normal.

While maximum temperatures remained 2–3°C above normal across most stations, a sharp dip in night temperatures was observed. Lodi Road, for

instance, recorded a minimum of 18.4°C, around 4°C below normal.

No rainfall was reported anywhere in the NCR over the last 24 hours, and humidity levels ranged from 13% to 51%. The IMD has forecast a rise in maximum temperatures by 1–2°C over the next two days, with heatwave conditions likely to set in from April 24 onwards. From Wednesday through Saturday, several districts of Delhi—including Central, North, South, and East—are expected to see heatwave conditions, with daytime temperatures climbing up to 43°C.

Despite no official heatwave on Tuesday, the IMD has flagged clear skies and sustained surface winds (10–20 km/h), which may provide some relief. Westerly to northwesterly winds continued to dominate the region. The IMD has urged citizens to avoid prolonged sun exposure, stay hydrated, and take precautions, especially for vulnerable groups like children, the elderly, and those with pre-existing conditions.

Launch of Delhi e-buses put off due to mourning for Pope

NEW DELHI. The city government postponed the launch of the Delhi Electric Vehicle Interchanges (DEVI) on Tuesday following the Centre's declaration of national mourning in the wake of the passing of Pope Francis.The Delhi Transport Department officials said the inauguration will be announced with a revised date soon. DEVI buses, which were earlier proposed to be named 'Mohalla Buses' by the previous AAP government, will soon hit the road. These buses were undergoing trial runs on half a dozen routes over the past few months.

In its first phase, 76 buses will be operated from three depots — Nangli, East Vinod Nagar, and Ghazipur. Each bus is designed to seat 23 passengers, with an additional standing capacity for 13 individuals.Importantly, six seats will be reserved for women, and 25 per cent of the total seating will be made available free of cost under the Delhi government's Pink Pass scheme, aimed at encouraging safer and more affordable travel for women.

The buses are powered by a battery system comprising six battery packs with a combined energy capacity of 196 kWh. A full charge can be completed in 45 minutes, providing a driving range of up to 200 km— sufficient for a full day's operations within city limits. The first operational route under the DEVI scheme, labelled MS-1, is planned to connect Akshardham Metro Station with the Mayur Vihar Phase-3 Paper Market. Key stops along this corridor include densely populated residential and commercial zones such as Trilokpuri, Kalyanpuri, and Ghazipur, offering much-needed connectivity to underserved areas.

The fare structure will mirror that of the capital's existing fleet of air-conditioned buses, with tickets priced at Rs 10, Rs 15, Rs 20, and Rs 25 depending on the distance travelled.

Only active Muslim bar council members eligible for Waqf board role: Supreme Court

"The Supreme Court held that a Muslim member of a state bar council should be an active member to be eligible to serve on the state Waqf Board.

NEW DELHI. The Supreme Court on Tuesday held a Muslim member of a state bar council ceases to be eligible to serve in the state Waqf Board if he is no longer holding the position in the bar body.

A bench comprising Justices M M Sundresh and Rajesh Bindal was dealing with the question of whether a person who ceases to be a Muslim member of a bar council could continue to remain a member of the waqf board.

Setting aside the judgement of a division bench of the Manipur High Court, the top court said, "There are twin conditions to be eligible to be a Member of the Board: (1) The candidate must be from the Muslim community; and (2) must hold an active position as a Member of Parliament, State Legislative Assembly, or Bar Council. If a person no longer fulfils these conditions, they cannot continue to hold the Board position (sic)."

The case related to an appeal by one Md Firoz Ahmad Khalid, who was appointed a member of the Manipur Waqf Board in February 2023 following his election to the Manipur bar council.He replaced another person who lost his position in the bar council after elections in December 2022.

While a single judge of the high court upheld Khalid's appointment, the division bench reversed the decision, ruling the law did not explicitly require a bar council member to vacate their position on the Waqf Board upon ceasing to be a bar council member.Writing a 25-page judgement, Justice Sundresh disagreed with the impugned verdict of the division bench.The judgment clarified that an ex-member of the bar council can be considered for Waqf Board membership only if there are no serving Muslim members in the bar council at present — a special exception under the second proviso to Section 14(2) of the Waqf Act.

As a result, the bench reinstated the single judge's decision, upholding Khalid's appointment as member of the state Waqf Board."We also note that presently, the appellant is the only Muslim member in the bar council concerned - a fact that has been rightly taken note of by the state of Manipur, while appointing him as a member of the board. In any case, there is no dispute with respect to the appellant's eligibility to be a member of the board by virtue of his membership in the bar council," it said.

NEWS BOX

"Unacceptable": UN Chief Condemns Pahalgam Attack That Killed 26 Tourists

United Nations.UN Secretary General Antonio Guterres has strongly condemned the "armed attack" in Pahalgam in Jammu and Kashmir, stressing that attacks against civilians are unacceptable under any circumstances."The Secretary-General strongly condemns the armed attack in Jammu and Kashmir on 22 April, in which at least 28 people were killed," Stephane Dujarric, spokesman for the Secretary-General, said.Guterres offered his heartfelt condolences to the bereaved families of the victims. "The Secretary-General stresses attacks against civilians are unacceptable under any circumstances," Dujarric said.Terrorists opened fire at a famed meadow near Kashmir's Pahalgam town on Tuesday afternoon, killing 26 people, mostly tourists, in what is the deadliest attack in the Valley since the Pulwama strike in 2019.The 26 victims of the attack included two foreigners - from UAE and Nepal - and two locals. The toll is still being ascertained, Jammu and Kashmir Chief Minister Omar Abdullah said while describing the terror attack as "much larger than anything we've seen directed at civilians in recent years".

Canada Sees Record High Advanced Voting, 7.3 Million People Cast Votes

Ottawa.A record 7.3 million people cast ballots over four days of advanced voting in Canada's election, official figures showed Tuesday, in a possible sign of elevated interest in the April 28 poll.

Elections Canada said its estimated tally for voting from Friday through Monday marked a 25 percent increase over the 5.8 million advanced ballots cast in the 2021 vote.Canada, a country with a population of 41 million, has 28.9 million eligible voters, Elections Canada said in November. There are further indications the election campaign dominated by threats from US President Donald Trump has galvanized voters, including unusually high ratings for two debates last week.The Liberal Party leader, Prime Minister Mark Carney, is the front-runner, but some polls show Pierre Poilievre's Conservative Party incrementally gaining ground.

As of Tuesday, the public broadcaster CBC's poll aggregator gives the Liberals 43.1 percent support, with the Tories at 38.4. The Conservatives have gained one point in the last two weeks, according to the CBC data. Carney, a 60-year-old who previously led the central banks of Canada and Britain, has argued his global experience managing economic crises makes him the ideal candidate to guide Canada through a trade war brought on by Trump's tariffs.

Poilievre meanwhile says that lacklustre growth under ex-premier Justin Trudeau's decade in power left Canada vulnerable to Trump and the country cannot afford a fourth consecutive Liberal government.

Most Canadian elections are multi-party battles with the left-wing New Democratic Party and Quebec separatist Bloc Quebecois playing crucial roles in the make-up of parliament. This year, polling points to a two-party Liberal-Conservative race, with smaller parties facing significant set backs.

World Economic Forum probes founder Klaus Schwab after alleged misconduct

WORLD. The World Economic Forum (WEF) said that it has opened an investigation into its founder, Klaus Schwab, after a whistleblower's serious allegations against him. The allegations emerged just a day ago when Schwab, 87, revealed he would step down as chairperson with immediate effect without providing any reasonThe Wall Street Journal first broke the news of the investigation, which revealed that an anonymous letter was received by the WEF board last week. The letter complained about the governance and workplace culture of the organisation. It claimed that Schwab and his family combined their personal affairs with WEF resources without any supervision.A spokesperson for the WEF said, "The World Economic Forum takes these allegations seriously, but we want to emphasise that they remain unproven at this stage. We will await the outcome of the investigation before making any further comments."According to the Wall Street Journal, the Schwab family has denied the allegations made in the whistleblower letter. The representative of the family also disclosed that Klaus Schwab intends to sue the author of the anonymous letter and all those who disseminate these false accusations.

WHY WEF IS BEING CRITICISED

The WEF, particularly its headline-grabbing annual gathering in Davos, has long been accused of being an elitist event that turns a blind eye to the problems of ordinary individuals. There have been increasingly mounting reports on the internal culture at the forum too, with some labelling it a culture of harassment and discrimination.In reaction to these accusations, the WEF's board previously retained a law firm to probe the organisation's work environment. Nevertheless, the WEF has denied these claims consistently.

Canada Elections: Mark Carney Promises To Protect Quebec Voters From Trump

Polls show the ruling Liberals have a narrow lead over the Conservatives ahead of an April 28 election that Carney says is one of the most crucial in Canada's history.

Quebec.Canadian Prime Minister Mark Carney took his election campaign to Quebec on Tuesday, saying only he could protect the predominantly French-speaking province from US President Donald Trump.

Polls show the ruling Liberals have a narrow lead over the Conservatives ahead of an April 28 election that Carney says is one of the most crucial in Canada's history.Any party wishing to win power must do well in Quebec, which has the second-largest number of seats in the House of Commons after Ontario and is home to an independence movement dedicated to protecting the role of French and local culture.Trump has imposed tariffs on imports from Canada and mused about annexing the country."This threat is not only an economic threat, it is an existential threat. To be clear, President Trump is threatening the distinct identity of Quebecers," Carney said at a campaign event in the city of Trois-Rivieres."We'll be able to protect Quebec, protect our sovereignty and build Canada strong ... if you want a strong government that will defend Quebec and stand up to Donald Trump, you must vote for that," he said, reiterating calls for a strong mandate.Trois-Rivieres, one of several Quebec parliamentary constituencies where three and sometimes four parties are contesting the vote, is a key Liberal target.

In the 2021 election, the separatist Bloc Quebecois won Trois-Rivieres with 29.5%

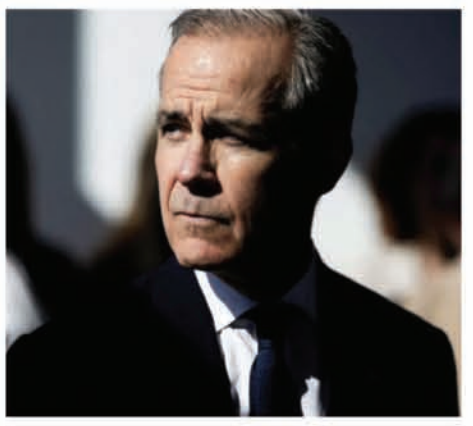

of the vote, ahead of the Conservatives' 29.4% and the Liberals' 28.6%.

Liberal campaign workers on the ground say there are clear signs that Bloc supporters will switch their votes because they see Carney as the best person to stand up to Trump.A rolling three-day Nanos poll released on Tuesday put the Liberals at 42.6% public support nationally, with the Conservatives at 37.1%. The left-leaning New Democrats, who compete with the Liberals for the center-left vote, trailed at 10.4%.Such a result on Election Day would give the Liberals a majority of the 343 seats in the House of Commons.The Nanos poll of 1,308 people was carried out from April 19 to 21 and is considered accurate to within 2.7 percentage points, 19 times out of 20.The Conservatives issued their economic plan on Tuesday, which focused on tax cuts and reduced spending. The plan calls for a budget deficit of C$31.4 billion in 2025-26, less than the C$42.2 billion the government forecast in December.The plan would "reverse the disastrous Liberal record, cut the cost of food and housing, let you keep more of what you earn and kill inflation so your dollar goes further" the party said in a statement.Carney said a Liberal government could restore a fiscal surplus in four or five years if all goes to plan. A government mandate lasts up to four years.

Sudden Drop In Income": WHO Announces Layoffs Amid US Funding Cuts

Geneva, Switzerland. The World Health Organization chief said Tuesday that operations and jobs would be slashed as US funding cuts had left the UN agency with a budget hole of several hundred million dollars."The sudden drop in income has left us with a large salary gap and no choice but to reduce the scale of our work and workforce," Tedros Adhanom Ghebreyesus told member states, according to a transcript of his remarks.The United Nations health agency has been bracing for President Donald Trump's planned full withdrawal of the United States -- by far its largest donor -- next January.

The United States gave WHO $1.3 billion for its 2022-2023 budget, mainly through voluntary contributions for specific projects rather than fixed membership fees.But Washington never paid its 2024 dues, and is not expected to pay its 2025 dues.

This has left the WHO preparing a new structure, which Tedros presented to staff and member states on Tuesday.

"The refusal of the US to pay its assessed contributions for 2024 and 2025, combined with reductions in official development assistance by some other countries, means we are facing a salary gap for the 2026-27 biennium of between $560 and $650 million," he said.The lower end of that spectrum "represents about 25 percent of staff costs" currently, he said, stressing

though that "that doesn't necessarily mean a 25-percent cut to the number of positions".He did not say how many jobs would be lost at the WHO, which employ more than 8,000 people around the world.But he acknowledged that "we will be saying goodbye to a significant number of colleagues" and vowed to do so "humanely".Tedros insisted that the most significant impact would likely be felt at the organisation's headquarters in Geneva. "We are starting with reductions in senior management," he said."We are reducing the senior leadership team at headquarters from 12 to seven, and the number of departments will be reduced by (more than) half, from 76 to 34," Tedros said.WHO's regional offices would meanwhile be affected "to varying degrees", he said, adding that some country offices in wealthier countries would likely be closed.These are very painful decisions for all of us," Tedros said.The WHO chief insisted the situation could have been worse.

WHO member states agreed in 2022 to significantly increase membership fees and reduce the portion of WHO's budget covered by less reliable and often earmarked voluntary contributions.

Trump Ready To End Trade War With China He Says Tariffs Will Drop But...

Washington. The Washington seems ready to blink first in the trade standoff with Beijing, as US President Donald Trump conceded that the 145 per cent tariffs Americans currently pay for most imported goods from China will "come down substantially, but it won't be zero". The American President insisted that he would be "very nice" with Beijing during the upcoming negotiations, but insisted that China would ultimately be forced to agree to some sort of agreement to bring down the massive taxes that upended decades of US trade policy and sparked global economic turmoil. He claimed that trade talks with China were "doing fine" because "everybody wants to have involvement" in American markets, but insisted that if China does not agree to a trade deal, the United States will set the terms.

"Ultimately, they have to make a deal, because otherwise they're not going to be able to deal in the United States, and we want them involved, but they have to, and other countries have to make a deal, and if they don't make a deal, we'll set the deal," Trump said while speaking in the Oval Office on Tuesday.He said, "We're going to be setting the deal, and it'll be a fair deal for everybody, and

it'll be", adding that it's a "process that's going to go pretty quickly."When asked whether the tariffs on Chinese imports will come down, Trump said, "It'll come down substantially. But it won't be zero."

"145 per cent is very high, and it won't be that high...It got up to there [because] we were talking about fentanyl...It will come down substantially, but it won't be zero," the American commander in chief said, referring to an emergency he declared over the smuggling of the drug into the US.He further said that future tariffs "will not be anywhere near that number."The American leader's conciliatory new tone on the matter of his trade policy comes as the International Monetary Fund (IMF) slashed its global growth forecasts, predicting a higher risk of recession in the US as Trump's trade war pushes the global economy into a "significant slowdown".

Meanwhile, the White House continued insisting that Trump's tariffs have proved to be a success despite record drops in financial markets and worldwide recession fears. White House Press Secretary Karoline Leavitt said the whole world was beating down Trump's door to strike bilateral trade deals as a result of the President's actions. Trade War With ChinaSo far, US President Trump has imposed tariffs as high as 145 per cent on imports from China. Other countries are facing a blanket 10 per cent US tariff until July.

Jury rules in favour of NYT in Sarah Palin defamation case

Jury rules New York Times not liable in Palin defamation case Editorial mistake admitted, but judged an honest error Palin loses retrial despite claims of lasting damage

WORLD. A federal jury in Manhattan has once again ruled that the New York Times is not responsible for defaming Sarah Palin in a 2017 editorial. It is the second straight courtroom defeat for the former Alaska governor and vice-presidential candidate.Palin, 61, had sued the newspaper and its then-editorial page editor, James Bennet, for an opinion column published on June 14, 2017.The piece had falsely stated that her political action committee's map could have inspired a mass shooting in Arizona in 2011, when six were killed and Democratic Congresswoman Gabby Giffords was gravely wounded.

MISTAKE UNDER DEADLINE PRESSUREJames Bennet, who edited the article, admitted that he had included the controversial connection between Palin's map and the shooting under tight deadlines. The editorial, America's Lethal Politics, implied a link between political violence and the tragic incident.However, the Times quickly accepted their mistake and released a correction in just 14 hours after their piece was published on their website. The correction had clarified that they found no indication of linking Palin's political map with the shooting.

But even then, Palin's attorneys were adamant that this was insufficient and came from nowhere when the statement failed to specify Palin's name. The attorneys accused the blunder of transcending oversight but having a direct, real, hurtful impact upon her reputation.During closing arguments, Times lawyer Felicia Ellsworth stated Palin, being a public figure herself, had a high threshold to clear in establishing defamation."To win this case, Governor Palin needs to prove that the New York Times and James Bennet did not care about the truth," Ellsworth said. "There has not been one shred of evidence showing anything other than an honest mistake."

Palin's lawyer, Ken Turkel, disagreed.

"This is not an honest mistake about a passing reference," Turkel said. "For her, it was a life-changer."

Palin had already lost this case once in 2022, but the ruling was reversed by a federal appeals court because of mistakes committed by the trial judge. The case was retried, resulting in the most recent jury verdict in favour of the

"Undue Government Intrusion": US After Colleges Unite Against Trump

Washington, United States. The White House on Tuesday brushed off criticism levied by dozens of US universities and colleges that accused the Trump administration of unprecedented "political interference" in American academia.

More than 100 educational institutions issued a joint letter earlier Tuesday condemning President Donald Trump's undue "intrusion."The move comes a day after Harvard University sued the Trump administration, which has threatened to cut funding and impose outside political supervision."The president has made it quite clear that it's Harvard who has put themselves in a position to lose their own funding by not obeying federal law, and we expect all colleges and universities who are receiving taxpayer funds to abide by federal law," Trump spokeswoman Karoline Leavitt said told reporters.The educational facilities -- including Ivy League institutions Princeton and Brown -- said in the letter that they spoke with "one voice against the unprecedented government overreach and political interference now endangering American higher education.""We are open to constructive reform and do not oppose legitimate government oversight. However, we must oppose undue government intrusion," it said, adding: "We must reject the coercive use of public research funding."Trump has sought to bring several prestigious universities to heel over claims they tolerated campus anti-Semitism, threatening their budgets, tax-exempt status and the enrolment of foreign students.The letter said the schools were committed to serving as centers where "faculty, students, and staff are free to exchange ideas and opinions across a full range of viewpoints without fear of retribution, censorship, or deportation."

Harvard lawsuitTrump's war against universities has seen him threaten to cut federal funding over policies meant to encourage diversity among students and staff.The Republican president has also pursued a wide-ranging immigration crackdown that has expanded to foreign students, revoking their visas, often for little or no reason.The White House has publicly justified its campaign against universities as a reaction to unchecked anti-

Semitism and the desire to reverse diversity programs aimed at addressing historical oppression of minorities.Leavitt told reporters that Trump was "not going to tolerate illegal harassment and violence towards Jewish American students or students of any faith on our campuses across the country." "We will be responding to the lawsuit in court," she added.The administration claims protests against Israel's war in Gaza that swept across US college campuses last year were rife with anti-Semitism.Many American universities, including Harvard, cracked down on the protests over the allegations at the time.Several top institutions, including Columbia University, have also bowed to demands from the Trump administration, which claims the educational elite is too left-wing.

In the case of Harvard, the White House is seeking unprecedented levels of government control over admissions and hiring practices at the country's oldest and wealthiest university.But Harvard rejected the government's demands, prompting the administration last week to order the freezing of $2.2 billion in federal funding to the institution.In its lawsuit, Harvard calls for the freezing of funds and conditions imposed on federal grants to be declared unlawful, as well as for the Trump administration to pay the institution's costs.

NEWS BOX

IPL 2025: Players to wear black armbands to pay homage to Pahalgam attack victims

New Delhi. The BCCI (Board of Control for Cricket in India) will be paying tribute to the victims of the Pahalgam terror attack during Match 41 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) between Sunrisers Hyderabad (SRH) and Mumbai Indians (MI) on Wednesday, April 23 at Rajiv Gandhi International Stadium in Hyderabad. The tragic incident, which took the lives of 26 people, including two foreign nationals, has sent shockwaves throughout the entire country.In memory of the victims, players and umpires will be wearing black armbands and will also stand for a minute of silence before the match. Moreover, no cheerleaders will be present in the ground as austerity measures will be maintained throughout the game.The attack on the innocent tourists has received widespread condemnation from top world leaders, and several Indian cricketers have also expressed their solidarity with the families of the victims. Virat Kohli, Hardik Pandya, KL Rahul and Shubman Gill have condemned the attack

through their social media accounts.It's not the first time that the BCCI is standing in solidarity with the victims of a terrorist attack, as back in 2019, the cricketing body decided not to hold the opening ceremony for the IPL's 12th season. The officials instead decided to donate the money for the welfare of the families of the victims.Stay updated on IPL 2025 with India Today! Get match schedules, team squads, live score, and the latest IPL points table for CSK, MI, RCB, KKR, SRH, LSG, DC, GT, PBKS, and RR. Plus, keep track of the top contenders for the IPL Orange Cap and Purple Cap. Don't miss a

No cricket with Pakistan': Shreevats Goswami's plea to BCCI after Pahalgam attack

- India and Pakistan don't hold bilateral relations since 2013
- The two teams face off in only ICC events
- India last visited Pakistan for Asia Cup 2008

New Delhi. Former cricketer Shreevats Goswami has urged the BCCI (Board of Control for Cricket in India) to bring an end to all cricketing ties with Pakistan in the wake of the terrorist attack in Jammu & Kashmir's Pahalgam. As many as 26 people have died in the attack on tourists perpetrated by the members of The Resistance Front—an offshoot of the proscribed terror group Lashkar-e-Taiba (LeT).The incident has sent shockwaves throughout the country, with people demanding strong action to safeguard the lives of citizens in Jammu & Kashmir. Shreevats Goswami has also condemned the incident in a strongly worded post on his social media account. The former wicketkeeper batter has asked the BCCI to stop playing cricket with Pakistan and asked for a response not with bat and ball but with resolve and dignity."SAY NO TO CRICKET ! And this is exactly why I say - you don't play cricket with Pakistan. Not now. Not ever. When BCCI or the government refused to send India to the Champions Trophy in Pakistan, some had the audacity to say, 'Oh, but sport should rise above politics.' Really? Because from where I stand, murdering innocent Indians seems to be their national sport. And if that's how they play - then it's time we respond in a language they truly understand. Not with bats and balls. But with resolve. With dignity. With zero tolerance," wrote Goswami in a long post on his X account.Furthermore, he recalled his recent visit to Kashmir and sympathised with the locals, saying that it's not a time to stay silent."I'm furious. I'm devastated. Just a few months ago, I was in Kashmir for the Legends League - I walked through Pahalgam, met the locals, saw hope returning to their eyes. It felt like peace had finally found its way back. And now... this bloodshed again. It breaks something inside you. It makes you question how many more times we're expected to stay silent, stay "sporting," while our people die. No more. Not this time," he added.It remains to be seen what decision the BCCI (Board of Control for Cricket in India) and the Indian government take with regard to cricketing ties with Pakistan in the aftermath of the terror attack. The two teams haven't played a bilateral series since 2013 and only face off in multinational events at neutral venues. India last visited Pakistan for the Asia Cup 2008, while Pakistan last came to India for the ODI World Cup 2023.Recently, India refused to travel to Pakistan for the ICC Champions Trophy 2025 and played all of their matches at a neutral venue in Dubai. Later this year, India will also be hosting the Women's World Cup in October. As per the agreement between the two cricketing boards, they will not travel to each other's country for ICC events till 2028. Hence, Pakistan will be playing their matches at a neutral venue during the tournament.

Manchester City beat Villa: Pep Guardiola calls season bad despite UCL hopes alive

New Delhi Manchester City manager Pep Guardiola termed the win over Aston Villa as important, while adding that the club's season has been awful and 'it doesn't matter if we reach the (FA Cup) final or qualification for the Champions League.'

Matheus Nunes scored the winner in stoppage time at the Etihad Stadium after Bernardo Silva's early goal for City was cancelled out by Marcus Rashford's penalty. City jumped to third place in the Premier League table with four games remaining, while Villa were left two points behind in seventh place.A top-five finish in the Premier League would secure European Cup football for Manchester City next season.This season has been bad," Guardiola said. "It doesn't matter whether we reach the (FA Cup) final, or qualification for the Champions League. The reality is that what determines, what makes you feel the season is good is the Premier League, not the Champions League, not FA Cups. It's that consistency in the Premier League."But it happens, sometimes you have bad seasons. The level of the teams (in the Premier League) is outstanding."Guardiola had referred to the last five league matches as "finals" in the lead-up to the game, with City hosting Wolves and Bournemouth before facing Southampton and Fulham.Ruben Dias highlighted the importance of their comeback win over Villa. The Portuguese defender said that securing Champions League football was more important than the FA Cup.

Dias said: "They are on the run to the top five with us. Special game to get three points. Four games to go and all of them will be massively important. We keep on going.

"We know how tight it is and how tight it will be until the end. I can't quantify how important today was."This means everything to us. We know exactly what circumstances we are in; top four or five means everything. This is our main trophy. We have the FA Cup and Club World Cup but this is everything to us."

Athletics Federation Cup: National record for Dev Meena; Rupal, Jyothi shine

CHENNAI. Pole vaulter Dev Meena from Madhya Pradesh climbed new heights at the National Federation Senior Athletics Competition here on Tuesday. Clinching the gold after easing past 5.35m, Meena has re-written his own national record of 5.30 set in Dehradun in February this year.

However, despite creating a national record, Meena was disappointed for not attaining the Asian Championships qualifying norm, missing it by just 0.16m set by the Athletics Federation of India. "I am slightly disappointed that I couldn't make the cut for the championship. But beyond that, I was concerned of a potential injury if I pushed forth and stopped here as my coach suggested," Meena told reporters.Day 2 was also a showdown for quartermilers in both women and men's categories. Rupal Chaudhary of Uttar Pradesh and Vishal T K of Tamil Nadu bagged gold. Rupal clocked 52.55s, while Vishal 46.19s.

There was a slight drizzle when the six of the eight finalists in women's 400m breached the

53.80 mark set for Asian meet qualification. Just like her gold in Indian Open last month, Rupal with her quick strides, took the lead from Vithya Ramraj of Tamil Nadu who led in the initial 200m. Kerala's Sneha K, finished third. In 400m men's Jay Kumar of Delhi clinched silver and Manu TS of Kerala settled for bronze. National record holder Mohammad Anas Yahiya, who finished first in heats 1 on Monday withdrew before the semi finals of the competition and Amoj Jacob, former Asian champion who was also a favourite did not start in the finals. Amoj pulled out during the final stretch at the Indian Open Athletics held in Chennai last week, while Mohammad Anas did not start in the final.In 110m hurdles men, 2023 champion and national record holder Tejas Shirse of Maharashtra finished first with a timing of 13.65s, while in women's 100m hurdles, national record holder Jyothi Yarraji won gold and secured her spot in the Asian championship touching the finish line at 13.23s.

Too many changes, weird calls: How Rishabh Pant's LSG fell apart in revenge clash

Rishabh Pant's Lucknow Super Giants (LSG) had the opportunity to climb to second in the IPL 2025 points table. But that prospect quickly faded after the Delhi Capitals (DC) handed them a comprehensive eight-wicket defeat on Tuesday, April 22, at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium in Lucknow.At the halfway mark of the LSG innings, the hosts appeared to be in cruise control. Openers Aiden Markram and Mitchell Marsh laid a solid foundation for power-hitters like Pant, Nicholas Pooran, and David Miller. However, once Markram departed for a well-made 52, the innings lost momentum. LSG could muster only 72 runs in the final 10 overs, finishing at 159 for six.One of the

most puzzling decisions was skipper Rishabh Pant's demotion to No. 7. He came out to bat with just two balls remaining and was dismissed for a duck, raising questions about the team's strategy.LSG's bowlers also failed to make an impact as Abhishek Porel and KL Rahul both scored half-centuries, steering Delhi to victory with 13 balls to spare.Earlier in the tournament, LSG had narrowly lost to DC by a single run, with Ashutosh Sharma's late fireworks proving decisive. Given a chance to settle the score, the Super Giants instead faltered again-this time, collapsing under pressure in what was expected to be a revenge match.

'Seems like Pant is under pressure'

Former wicketkeeper Mark Boucher didn't hold back in his assessment of the Super Giants' performance, especially after the dismissals of Aiden Markram and Nicholas Pooran. He was critical of the team's tactical choices, stating that LSG got it completely wrong in the latter half of their innings.

Boucher questioned the omission of Ayush Badoni from the starting XI, arguing that the in-form batter should have played ahead of Abdul Samad.

Pahalgam terror attack: No fireworks, cheerleaders in MI vs SRH IPL match; players to sport black armbands

- Terrorists opened fire on civilians at the popular tourist location in south Kashmir on Tuesday, killing at least 26 persons and injuring several others.

HYDERABAD. The players of Sunrisers Hyderabad and Mumbai Indians will wear black armbands during their IPL match which will not feature cheerleaders and fireworks here on Wednesday to mourn the victims of the terrorist attack in Pahalgam that caused 26 deaths.

The teams will also observe a minute's silence to pay their respects to those affected by the incident that has drawn international condemnation."The players of two teams will wear black armbands and observe a minute's silence in memory of all those who lost their lives in the terrorist attack in Kashmir's Pahalgam," a BCCI source told PTI."As a mark of respect there would be no cheerleaders on the sidelines of MI vs SRH game. No crackers will be burst," he added.

Terrorists opened fire on civilians at the popular tourist location in south Kashmir on Tuesday, killing at least 26 persons and injuring several others.

The Resistance Front (TRF), which is a part of the banned Pakistan-based Lashkar-e-Taiba (LeT) terror group, claimed responsibility for the attack.The attack has drawn strong condemnation from across the world.The Indian cricket team snapped bilateral cricket with Pakistan after the 2008 Mumbai terror attacks and recently refused to tour the country for the Champions Trophy, prompting the ICC to make provisions for a neutral venue in Dubai.

SRH vs MI, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Hyderabad pitch conditions

New Delhi Sunrisers Hyderabad (SRH) will be up for revenge as they take on Mumbai Indians (MI) in Match 41 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) on Wednesday, April 23 at Rajiv Gandhi International Stadium, Hyderabad. The Pat Cummins-led side were recently outclassed by the five-time champions away from home as they lost by four wickets.SRH have failed to live up to the expectations this season, having won just two matches out of seven so far. They're teetering at the second-last (ninth) position on the points table with just four points from seven matches. The over-reliance on their famed opening duo of Abhishek Sharma and Travis Head has exposed large gaping holes in their batting order.The bowling has also looked completely out of sorts, with veteran pacer Mohammed Shami failing to live up to the expectations. Harshal Patel and Eshan Malinga have been the only positives for SRH on the bowling front, and they will once again rely on them heavily in the upcoming fixture. On the other hand, Mumbai Indians have finally injected life back into their campaign after a sluggish start.MI began the season in their usual fashion, having won just one match out of five. The Hardik Pandya-led side had a special affair with number 12 as it turned out to be their losing margin against Lucknow Super Giants (LSG) and Royal Challengers Bengaluru (RCB) as they lost both matches b 12 runs each.However, the same number became the reason for their comeback in the season as they registered a miraculous 12-run win over Delhi Capitals (DC). Furthermore, clinical victories over SRH and Chennai Super Kings (CSK) has helped MI build a winning momentum which could prove to be disastrous for the rest of the teams. The five-time champions will be eager to once again sweep aside SRH in the upcoming fixture and climb higher on the points table.

Mumbai hold the edge over SRH in head-to-head battles having won 14 out of 24 games played between the two teams.

SRH vs MI: TEAM NEWS

Karn Sharma injured his finger in the previous fixture against SRH while fielding. It remains to be seen if he will be available for the upcoming encounter. Meanwhile, there are no injury concerns in the SRH camp.

SRH vs MI: PREDICTED PLAYING XIs and IMPACT SUBS

Mumbai Indians: Ryan Rickelton (wk), Will Jacks, Suryakumar Yadav, Tilak Varma, Hardik Pandya (c), Naman Dhir, Mitchell Santner, Deepak Chahar, Trent Boult, Jasprit Bumrah, Ashwani Kumar

Impact Sub: Rohit Sharma

Sunrisers Hyderabad: Abhishek Sharma, Travis Head, Ishan Kishan, Nitish Kumar Reddy, Heinrich Klaasen (wk), Aniket Verma, Abhinav Manohar, Pat Cummins (c), Harshal Patel, Zeeshan Ansari, Mohammed Shami

Impact Sub: Eshan Malinga

SRH vs MI: Weather and Lucknow Pitch PredictionThe pitch at the Rajiv Gandhi International Stadium has been a graveyard for bowlers as scores in north of 220 have been a regular occurence at the venue. The surface is likely to remain the same for the upcoming clash as well as batters will enjoy stroke-making on the belter of a track.

When Sonam Kapoor Was SLAMMED For Calling Aishwarya Rai 'Aunty'; Later Denied It

In 2009, Sonam Kapoor said something about Aishwarya Rai that sparked widespread outrage among fans. In an interview, she referred to Aishwarya, then 36, as "aunty" and reasoned it out by saying that the actor has worked with her father, Anil Kapoor. Her comment didn't sit well with Aishwarya's fans, and she was brutally trolled. After the backlash, Sonam denied making any such comment altogether and praised the Devdas actor.

Why did Sonam Kapoor call Aishwarya Rai 'aunty'?

It so happened that back in the day Aishwarya was replaced as the brand ambassador of a popular beauty brand by Sonam. Some reports stated that it was Aishwarya who had backed off, giving the opportunity to the Delhi 6 actor. When asked about it, Sonam referred to Aishwarya and called her "aunty from another generation". This statement drew widespread flak.Soon after, Sonam was asked about her "aunty" remark. She defended her statement and said, "Aish has worked with my dad so I have to call her aunty na!" She referred to Aishwarya co-starring with Anil Kapoor in films such as Taal, Hamara Dil Aapke Paas Hai, and others. That too, created trouble for the actor.

However, she soon went on deny that she would never call Aishwarya "aunty". In another interview, Sonam said, "It's all gossip. I never said any of that. I don't want to remark on it anymore. A lot has been printed and said and it's all turn into very untidy and filthy, and I don't wish to get into it anymore. I really respect Abhishek as a person and had one of my best experiences working in Delhi 6. Aishwarya Rai is Aishwarya Rai. I never said that. I would address her in a deferential way, but I would never call her aunty."

Sonam received flak for her comment

This controversy often resurfaces on social media. Years back, Sonam-Aishwarya's controversy went viral on Reddit. An angry user wrote, "You need to have a career for someone to destroy it." Yet another netizen commented, "So by that logic, Salman would be an uncle since he co-starred with Anil in many movies. How come she did a rom-com with Salman Uncle in Prem Ratan…?? She also worked with Abhishek in Delhi 6, who's apparently husband of Aunty Aish. She was paired with Bobby Deol in Thank you although Bobby did a romantic movie with Aunty Aish: Aur Pyaar Hogaya na, back in 1997. The list goes on and on.

Disha Parmar Shares Adorable Glimpses From Her Day Out With Daughter Navya

Disha Parmar has been enjoying the best phase of her life — motherhood. The Television actress is a doting mom to a daughter, named Navya, whom she shares with her husband and singer Rahul Vaidya. She often treats her Instafam with adorable glimpses of her baby. Recently, the Bade Achhe Lagte Hain 2 fame dropped a couple of pictures from her day out with Navya, making the fans go gaga over their bond.

Taking to Instagram, Disha posted a couple of selfies, wherein the mother-daughter duo is seen enjoying a relaxing day under the trees on a bright sunny day. In the snapshots, the actress held her daughter close, as they appeared relaxed and happy. Navya looked straight into the camera with a slight smile on her face.

Both of them kept it casual. As Disha opted for a white T-shirt paired with huge brown shades, Navya looked cute in a light green top. Sharing the pictures, she wrote in the caption, "It's Navu's World & mumma is just living in it. #19MonthsToday."In no time, the comment section was flooded with reactions from her fans and admirers. An Instagram user wrote, "Awwdorable." Another commented, "So sweet and very cute." One of them stated, "Two Cuties in one frame."

Disha tied the knot with singer Rahul Vaidya on July 16, 2021, in Mumbai. The marriage was an intimate affair with just close friends and family members in attendance. The couple welcomed their little bundle of joy, Navya, in September 2023.On the work front, Disha is a popular face of the Television industry and has appeared in popular shows including Pyaar Ka Dard Hai Meetha Meetha Pyaara Pyaara and

Woh Apna Sa. She was last seen in the TV show Bade Achhe Lagte Hain Season 3, wherein she portrayed the role of Dr Priya Sood. Backed by Ektaa Kapoor, the show also featured Nakkul Mehta, Supriya Shukla and Shrishti Jain in the lead roles.

The actress took a break from acting after welcoming her daughter in 2023. She is yet to announce her next project. Rahul, on the other hand, is currently seen in Laughter Chefs: Unlimited Entertainment Season 2.

Imtiaz Ali Reveals REAL Reason Why Bobby Deol Was Removed From Jab We Met: 'Voh Wait Kar Raha Tha'

Bobby Deol recently revealed he was "really upset" after being abruptly removed from Jab We Met, despite initiating its early development with Kareena Kapoor Khan and director Imtiaz Ali. Amid this, an old interview of Imtiaz Ali is doing the rounds on social media. While speaking to The Lallantop, Imtiaz recalled why Bobby was left out of the film.Imtiaz Ali said, "Jab We Met ko Bobby Deol ke saath banane ka plan kar raha tha. Start kari picture but usko kuch aur offers mil rahe the, kuch bade directors ke saath. Toh voh wait kar raha tha. Keh raha tha ki iske baad kar lenge, uske baad kar lenge. Toh, karte karte ek aisa waqt aagaya jo mujhe laga ki ab yeh theek nahi lag raha. "

Imtiaz added, "Bohot waqt beet chuka hai kyuki vaise bhi, 5 saal tak maine ek hi film ki hai. Uske baad bhi ek do saal tak main kuch nahi kar raha tha. Toh matlab financially and even in life, you want to do things. Toh maine bola Bobby yeh film nahi banate hain. Let us decide this today. Let us shake our hands ki film nahi banate kyuki humara ek doosre ke saath sahi nahi rahega."

Imtiaz's interview has resurfaced amid Bobby Deol's recent revelation of feeling hurt. Speaking to Instant Bollywood, Bobby shared how he first discovered the script while watching a rush print of Socha Na Tha, which Imtiaz was directing with Bobby's cousin Abhay Deol. Impressed, Bobby urged Imtiaz to write a film for him, which eventually evolved into Jab We Met. "I tried really hard to make that film (Jab We Met) happen; I reached out to a lot of people," he said.Bobby claimed that he played a major role in bringing the production house Shree Ashtavinayak Cine Vision on board. The producers, he said, were interested in working with him but hesitant about backing Imtiaz, who was still relatively new at the time. Bobby pushed for the collaboration and successfully convinced them to give the director a shot.He also reached out to Kareena Kapoor Khan through a contact to offer her the lead role, but she initially declined. Preity Zinta was also approached, but turned it down, saying she would consider it at a later time.

Anshul Garg Asks Fans To Suggest Title For Harshvardhan Rane, Sonam Bajwa's 'Intense Love Story'

Harshvardhan Rane and Sonam Bajwa starrer upcoming romance film has already gone on floors, with debutant producer Anshul Garg on board for the project. Taking to his Instagram handle, Garg reached out to his fans to suggest title ideas for the film, which he described as an "intense love story." Garg also shared a picture with the lead actors along with other team members from the sets of his film. While Harshavardhan and Sonam could be seen dressed up in their respective characters, director Milap Zaveri also joined the frame for the picture."Suggest me a name for this intense love story! Reading all comments!" Anshul Garg wrote in the caption.

Fans wasted no time sharing their reactions, along with a couple of suggestions for the film's title. One wrote, "Diwaniyat will be a very beautiful story, and this unique team and its actors will make the story much more interesting," while another added, "Raqeeb or Bekhudi? Just going by the current title.""It seems to me that Deewaniyat is a good name for a love story … But if you think about it, you can come up with more options," a fan added. A section of fans even suggested that Garg name the film Sanam Teri Kasam 2. With multiple reports touting the film title as Deewaniyat, the makers are yet to officially confirm the same.

Last week, Desi Movies Factory announced the film, revealing the debut of music producer Anshul Garg into the world of cinema. "With seetis, taalis, masala, music, romance, and mass mayhem, we present Anshul Garg's 'Production No. 1,' co-produced by Raghav Sharma, written and directed by Milap Milan Zaveri, starring Harshvardhan Rane and Sonam Bajwa, and co-written by Mushtaq Shiekh!" the makers mentioned. The film will be released in 2025.The team has started shooting for the film in Mumbai, with Garg dropping the first pictures on his Instagram handle.

Speaking on the same, Garg expressed his views on his debut film as a producer. "I have always believed in stories that connect emotionally, and I believe this film is the right project to begin the journey. It's a film where music plays a central narrative role—the kind of story where songs don't just support the plot, they carry it forward," he said, as quoted by The Times of India. Harshvardhan Rane also shared how Anshul Garg's vision has been "clear" for the film, which he describes as inspiring.